



भारत का दावत The Gazette of India

प्राधिकार द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 5]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 4, 1995/ माघ 15, 1976

No. 5]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 4, 1995/MAGHA 15, 1976

इस भाग में भिन्न पाँच संख्या वी जारी है जिससे कि यह अनग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—बाणी 3—उप-बाणी (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (राज मंत्रालय की छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government
of India (other than the Ministry of Defence)

गृह मंत्रालय
नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1995

का.आ. 227—राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, गृह मंत्रालय के निम्नलिखित कार्यालय में हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों की संख्या 80 प्रतिशत से अधिक हो जाने के फलस्वरूप उसे एतद्वारा अधिसूचित करती है:—

“कार्यालय पुनिस महानिरीक्षक, बिहार सैकटर, के.रि. पु. बल, पटना, बिहार”।

[सं. 12017/1/95-हिन्दी]

के.सी. कपूर, निदेशक

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 18th January, 1995

S.O. 227.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the

following office of the Ministry of Home Affairs where the percentage of Hindi knowing staff has gone above 80 per cent :—

“Office of the Inspector General of Police, Central Reserve Police Force, Bihar Sector, Patna, Bihar.”

[No. 12017/1/95-Hindi]

K. C. KAPOOR, Director

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1995

का.आ. 228—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में, गृह मंत्रालय के निम्नलिखित कार्यालय में हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों की संख्या 80 प्रतिशत से अधिक हो जाने के फलस्वरूप उन्हें एतद्वारा अधिसूचित करती है:—

“कार्यालय पुनिस महानिरीक्षक, मध्य सैकटर, के.रि. पु. बल, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)”।

[संख्या 12017/1/95-हिन्दी]

के.सी. कपूर, निदेशक

New Delhi, the 20th January, 1995

S.O. 228.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following office of the Ministry of Home Affairs where the percentage of Hindi knowing staff has gone above 80 percent :—

'Office of the Inspector General of Police, Central Sector, Central Reserve Police Force, Lucknow (U.P.)'

[No. 12017/1/95-Hindi]

K. C. KAPOOR, Director

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आयकर महानिदेशक(छूट) का कार्यालय

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

आयकर

का. आ. 229—मर्वमाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961, की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहियाँ रखेगा ;

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वापिक यिवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिंगाव को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

किंदवर्द्ध मेमोरियल इंस्टीट्यूट आ०फ आ॒न्सलोजी, होसुर रोड, बंगलौर-560029।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-95 तक की ग्राहित के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की ग्राहित करने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन कर, अनुमोदन की ग्राहित करने के संबंध में किये आवेदन पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1230/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/के टी-2/35(1)(ii)/89]

आर. सिंह, उप निदेशक, आयकर (छूट)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Office of the Director General, Income-Tax (Exemptions)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 229.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Secretary General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Kidwai Memorial Institute of Oncology,
Hosur Road, Bangalore-560029.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1230/F. No. DG/IT(E)/KT-2/35(1)(ii)/89-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemps.)

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

आयकर

का.ग्रा. 230.—सर्वमाधारण को एनद्वारा सुचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा भवियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रोटोगिकी भवन, न्यू मेहरानी रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष की 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नेशनल एसोसिएशन आफ क्रीटीकल केयर मेडिसिन, 147, नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी— 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगी।

2. संगठन को सुमाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी है।

[संख्या : 1231/एफ.सं. म.नि./प्रा.क. (छूट)/
एन डी-81/35(1) (ii)/90]

आर. सिंह, उप निदेशक आयकर(छूट)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 230.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

National Association of Critical Care Medicine,
147, North Avenue,
New Delhi-1.

This notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1231/F. No. DG/IT(E)/ND-81/35(1)(ii)/90-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

आयकर

का.ग्रा. 231.—सर्वमाधारण को एनद्वारा सुचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा भविया रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोटोगिकी भवन", न्यू मेहरानी रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष की 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित आधिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके धोनाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-ऋण विभाग को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

जय रिसर्च फाउण्डेशन, सोसायटी,
पी.ओ. वलवेड, जिला-बुलसर,
गुजरात-396108

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी:— 1. उपर्युक्त गति (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
 2. संगठन को सम्मान दिया जाता है कि वे अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके धोनाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के समय में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी है।

[संख्या 1232 /एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/
जी-3/35 (1) (ii)/89]

आर सिंह, उपनिवेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 231.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
 (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ;
 (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Jai Research Foundation Society,
PO-Valvade, Dist Bulsar,
Gujarat-396108.

This notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1232/F. No. DG/IT(E)/G-3/35(1)(ii)/89-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

आयकर

का.धा. 232.—सर्वेमाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर प्रविनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन प्रिहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के प्रतीनि अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए ग्रलग लेखा बहिर्या रखेगा।
 (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मैट्रोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
 (iii) यह प्रत्येक वर्ष की 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित आधिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके धोनाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर प्रविनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-ऋण विभाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दि प्राटोभेटिव रिसर्च एसोसिएशन आफ इंडिया,
प्ल नं.-102, देवाल हिन, पी.बी. न. 832,
आफ पौड रोड कोश्यू
पूर्ण-411004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:— 1. उपर्युक्त गति (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुमाप्त दिया जाता है कि वे अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके धोनाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के समय में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी है।

[संख्या 1233 /एफ. सं. म.नि./आ.क. (छूट)/एम-
113/35 (1) (ii) 90]

आर सिंह, उप निवेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 232.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Automotive Research Association of India, S. No. 102, Vetal Hill, P.B. No. 832, Off Paud Road, Kothrud, Pune-411004.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

No. 1233/P. No. DG/IT(E)/M-113/35(1)(ii)/90-IT(E)

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 26 अक्टूबर 1994

प्रायकर

का.प्रा. 233.—इसाराणा ने प्राद्युम्ना सूचित किया जाना है कि निम्नलिखित संगठन को, प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उधारा (1) के अन्त (ii) के लिए, प्रायकर नियम के नियम 6 के अधीन विभिन्न प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गार्ड पर "पंस्थान" संकरे के आदेत प्रार्थनीय किया गया है :—

(1) संगठन प्राद्युम्नान कार्यों के लिए धारा से लेखा ब्रिगां रखेगा।

(2) यह प्राप्त बंजारिक प्राद्युम्नान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रयोक विविध वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक व शास्त्रीय व्युत्पादन विभाग, "प्रोटोग्राफी भवन", न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रस्तेक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) प्रायकर महानिदेशक (छूट), (ख) सर्विष, वैज्ञानिक तथा श्रीवंशित प्राद्युम्नान विभाग और (ग) प्रायकर आयुक्त/प्रायकर महानिदेशक (छूट) किंतु वैज्ञानिकार में उपर संगठन पड़ता है और प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई विवरण कार्यों सम्बन्धी छूट के गार्ड में लेखा-परीक्षित प्राय-प्रय हिंगाव को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

न्यूट्रोजन ऑमायटा एफ इंडिया,
नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ न्यूट्रोजन,
पो. ओफिस जमाई ऑमानिया,
हैदराबाद-7 (ए.पी.)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अधिकि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त गार्ड (1) "संघ" जैसा भवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ावे के लिए प्रायकर आयुक्त/प्रायकर निवेशक (छूट) जिनके सेवाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से प्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रायोदय करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ावे के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां संचित, वैज्ञानिक और शास्त्रीय अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1234 /एफ सं. भ.नि./प्रा.क. (छूट)/एपी-13/35 (1) (ii)]

आर सिंह, उप निवेशक, प्रायकर (छूट)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 233.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Nutrition Society of India,
National Institute of Nutrition,
P.O. Jamai Osmania,
Hyderabad-7 (A.P.).

This notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1234/E. No. DG/IT(9)/AP-13/35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

आयकर

का.आ. 324 :— संवर्गाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गतीय पर “संस्थान” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हरी शंकर मिलानिया
एलास्टोमर एन्ड टायर रिगर्च इंस्टी-न्यूटूट,
जयके ग्राम, पी.ओ. टायर फैक्टरी,
313342 गाँवोली डिस्ट्रिक्ट, राजसमन्द, राजस्थान

यह अधिसूचना दिनांक 1-3-94 में 31-4-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होता।

2. संगठन को सुमात्र दिया जाता है कि वे अनुमोदन को अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1235/एफ. संम.नि./आ.क. (छूट)/
आर-13/35 (1) (ii)/94]

आर सिंह, उप निदेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 234.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Hari Shankar Singhania
Elastomer and Tyre Research Institute,
Jaykaygram, PO-Tyre Factory, 313342,
Kankroli Dist. Rajsamand,
Rajasthan.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1235/E. No. DG/IT(E)/R-13/35(1)(ii)/94-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

Calcutta, the 26th October, 1994

आयकर

का०प्रा० 215.—संस्थाधारण को प्रतिक्रिया सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के मध्येत विहित प्राप्तिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संबंध के भावीन अनुमोदित किया गया हैः—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए भलग लेखा बहिर्भास रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक व्यापक विवरण प्रत्येक विस्तृत वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-पराक्रिय वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-पराक्रिय आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

गुजरात इंडस्ट्रियल रिसर्च डिवलपमेंट एजेसी,
इंडस्ट्रियल रिसर्च लेबोरेटरी,
साइंस कलेज कम्पाउन्ड,
बड़ौदा-390002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा मंचन के लिए लागू नहीं होगा।

2. नोट्टन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अपेक्षा बढ़ाने के लिए आयकर मायूस/आयकर निदेशक (छूट) जिनके भेत्रधिकार में संगठन पड़ता है के विषय से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की आवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों संलिप, वैज्ञानिक प्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग की प्रस्तुत करना है।

[मंस्त्रा 1236/एफ. सं. म. नि./शा. क. (छूट)/जी-18
35 (1) (ii)/89]

आर. सिंह, उप-निदेशक (आयकर छूट)

INCOME TAX

S.O. 235.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Gujarat Industrial Research and Development Agency, Industrial Research Laboratory Science College Compound, Baroda-390002.

This notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1236/F. No. DG/IT(E)/G-18/35(1)(ii)/89-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

आयकर

का०प्रा० 236.—संस्थाधारण को प्रतिक्रिया सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के मध्येत विहित प्राप्तिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संबंध के भावीन अनुमोदित किया गया है।

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए भलग लेखा बहिर्भास रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक व्यापक विवरण प्रत्येक विस्तृत वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) नविव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके अंतर्धिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च कार्यों सम्बन्धित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय विभाग को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

महाराष्ट्र मेडिकल रिमर्च सोसायटी,
778, शिवाजी नगर, विपरीत कमला नेहरू पार्क,
पुणे-411004.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :

- उपर्युक्त धारा (i) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
- संगठन को सुझाव विद्या जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके अंतर्धिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 1237/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छट)/एम-154/35 (1)(ii)/92]

आर. सिंह, उपनिदेशक आयकर (छट)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 236.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Maharashtra Medical Research Society,
778, Shivajinagar,
Opp. Kamla Nehru Park,
Pune-411004.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1237/F. No. DG/IT(E)/M-154/35(1)(ii)/92-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemps.)

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

आयकर

का.पा. 237:—संवैधानिक को गतदाता सचिव किया जाता है कि निम्ननिवित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपर्याग (1) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अंतर्निवित प्रायोगिक अनुसंधान विभाग, "प्रायोगिक संस्था" वर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए आवेदन लेखा विभाग रखेगा।

(ii) यह आवेदन वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रायोगिक संस्था," स्थ मेहराली रोड, नई विल्सी-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) नविव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके अंतर्धिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमर्च कार्यों मन्त्रित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय विभाग को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दम्भिच्युट आफ मैनेजमेन्ट इंश्नोपरेन्ट,
य.पी., सेक्टर 'ई' अलीगंज,
लखनऊ-226020

यह ग्रधिमूलना दिनांक १-४-१९९१ से ३१-३-१९९४ तक की प्रवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : १. उपर्युक्त नंतर (१) "सच" वैसा संबंध के लिए जागृ नहीं होता।

२. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (कूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (कूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की ६ प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : १२३८/एफ.सं. म.नि./आ.क. (कूट)/१००१०-८/
३५ (१) (iii)]

जारी किया, उप निदेशक आयकर (कूट)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME-TAX

S.O. 237.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Management Development
U.P., Sector, D' Alliganj,
Lucknow-226020.

This notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1994.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions). Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1238/F. No. DG/IT(E)/UP-8/35(1)(iii)/89-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

164 GI/95-2

कलकत्ता, २६ अक्टूबर, १९९४

आयकर

काठमाडौँ २३८.—सर्वेसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर प्रविनियम, १९६१ की आरा ३५ की उपधारा (१) के अन्दर (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम ६ के प्रधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित जातों पर "संस्थान" संबंध के प्रधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रस्तुत लेखा वहिया रखेता।

(ii) यह आगे वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वाचिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के ३१ मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रीधीमी अन्न' २४ मेरहीली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेता, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के ३१ अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वाचिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (कूट), (ब) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग; और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (कूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर प्रविनियम, १९६१ की आरा ३५(१) में दी गई रिसर्च किया जाया सम्बन्धित कूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-प्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेता।

संगठन का नाम

इंस्टीच्यूट आफ मैनेजमेन्ट डेवलोपमेन्ट,
पू.पी., सेक्टर 'डी' अलीगंज,
सखमऊ-२२६०२०

यह ग्रधिमूलना दिनांक १-४-१९९४ से ३१-३-१९९६ तक की प्रवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : १. उपर्युक्त नंतर (i) "सच" वैसा संबंध के लिए जागृ नहीं होता।

२. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (कूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (कूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की ६ प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की प्रस्तुत करता है।

[संख्या : १२३९/एफ.सं. म.नि./आ.क. (कूट)/१००१०-८/३५ (१) (iii) (Emp)-८९]

आर. सिंह, उप निवेशक, आयकर (कूट)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME-TAX

S.O. 238.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute of Management Development
U.P., Sector 'D' Aliganj.
Lucknow-226020.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1996.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1239/F. No. DG/IT(E)/UP-8/35(1)(iii)/89-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 26 अक्टूबर, 1994

आयकर

का. आ. 239.—सर्वाधारण को प्रकटारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अन्दर (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" मर्कर के प्रदीन सन्मोहित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियो रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वायिक विवरण प्रत्येक विभाग वर्ष के लिए प्रयोक्ता वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी अवान," न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 प्रकटार तक लेखा-परीक्षित वायिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ग) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ज) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके लेखाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्चे किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-प्रय रिपोर्ट को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

अन्नासाहब कल्याणी फाउन्डेशन,
ए-2, प्रियदर्शन आपार्टमेन्ट,
कोरिंगांव रोड, पुणे-411001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :— 1. उपर्युक्त धारा (1) "विधि" शब्द निम्न के विषय लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके लेखाधिकार में संगठन पड़ता है वे मात्रमें से आयकर महानिदेशक (छूट), इनका कोई तीन प्रतिवेदी में घावेवाल करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के मर्क्षण में किए आवेदन-पत्र की 10 पत्रिका संचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग वा अन्य कार्यालय है।

[संख्या : 1240/एफ.म. म.नि./आ.क. (छूट) एम-162/35 (1) (ii)/93]

आरो. मिस्ट्र. डा. निवेशक, आयकर (छूट)

Calcutta, the 26th October, 1994

INCOME-TAX

S.O. 239.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Annasaheb Kalyani Foundation,
A/2, Priyadarshan Apartment,
Koregaon Road,
Pune-411001.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1240/F. No. DG/IT(E)/M-162/35(1)(ii)/93-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 27 अक्टूबर, 1994

आयकर

कानून प्रा. 240—नवेंसाधारण को प्रतिवृद्धारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित मंगठन को, आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपशाखा (1) के बाइण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विभिन्न प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गर्वे पर 'संस्थान' संबंध के अधीन घनुमोदित किया गया है :—

- (i) मंगठन घनुसंधान कार्यों के लिए अधिक सेवा अद्यता देंगे।
- (ii) यह आयने वैज्ञानिक घनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विनायक वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संखित, वैज्ञानिक वा औद्योगिक घनुसंधान विभाग प्रीव्हेगिली भवन, न्यू मेहराली रोड, पई विल्सो-110016 की पंजेशा, ओटर
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक सेवा-पर्याप्ति-वार्षिक नेतृत्व का प्रति (क) आयकर महानिवेदक (छट), (ख) संचित, वैज्ञानिक सथा औद्योगिक घनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेदक (छट) जिनके विवादिकार में उक्त मंगठन पड़ता है और आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में वी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छट के बारे में सेवा-पर्याप्ति आय-ज्यव्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

मंगठन का नाम

दि इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग्स (इंडिया)
8, गोखले रोड, कलकत्ता-20

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त धारा (1) "सेवा" जैसा संबंध के लिए कानून नहीं होता।

2. मंगठन को सुमाव दिया जाता है कि वे घनुमोदित के प्रबंधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर मन्दिर (छट) जिनके विवादिकार में संगठन पड़ता है के साध्यम से आयकर महानिवेदक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में घनुमोदित करे, घनुमोदित की प्रबंधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियो संखित, वैज्ञानिक और औद्योगिक घनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 1241/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छट)
इल्यू बी-25/35 (1) (ii)/90]

मारू सिंह, उप नियेशक आयकर (छट)

Calcutta, the 27th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 240.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) I will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Institution of Engineers (India),
8-Gokhale Road, Calcutta-20.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1996.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1241/F. No. DG/IT(E)/WB-25/35(1)(ii)/90-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 27 अक्टूबर, 1994

आयकर

का.धा. 241—सर्वेसाहारण को एवंद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बाब्द (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गती पर “संस्थान” संवर्च के प्रधीन प्रमुखित किया गया है :—

(i) संगठन प्रनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेबा बहिर्या रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक प्रनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक प्रनुसंधान विभाग, श्रीधीरगिरी भवन, अ० महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेबा-परीक्षीत वार्षिक लेबा की प्रति (क) आयकर महानिवेदक (छूट), (क) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक प्रनुसंधान विभाग और (ग) आयकर प्राप्तकर्ता/आयकर महानिवेदक (छूट) जिनके लेबा-विकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई विसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेबा-परीक्षीत प्राप्त-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मेडिकल रिसर्च सेंटर आफ बम्बई होस्पीटल इंस्ट, 12,
मेरीन साइन्स,
बम्बई-400020

यह प्रधिसूचना विवाक 1-4-94 से 31-3-97 तक की प्रवधि के लिए प्रभावी है।

दिनांक :— 1. उपर्युक्त गती (i) “संघ” वैश्वा संवर्च के लिए सार्व नहीं होता।

2. संगठन को सूचित किया जाता है कि वे प्रत्येक वर्ष के लिए आयकर प्राप्तकर्ता/आयकर निवेदक (छूट) जिनके लेबा-विकार में संगठन पड़ता है के वाप्त्यम से आयकर महानिवेदक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, प्रनुसंधान की प्रवधि वहाँ से संवर्च में किए आवेदन-व्यव की 6 प्रतियो सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक प्रनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 1242/एफ०सं. नि./आ.क. (छूट) एम-1/
35(1) (ii)/89]

वार. सिंह, उप निवेदक आयकर (छूट)

Calcutta, the 27th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 241.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) I will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110010 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income-and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Medical Research Centre of Bombay Hospital Trust, 12, Marine Lines, Bombay-400020.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1242/F. No. DG/IT(E)/M-1/35(1)(ii)/89-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemps.)

कलकत्ता, 27 अक्टूबर, 1994

आयकर

का.धा. 242.—सर्वेसाहारण को एवंद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बाब्द (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गती पर “संस्थान” संवर्च के प्रधीन प्रमुखित किया गया है :—

(i) संगठन प्रनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेबा बहिर्या रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक प्रनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विसीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक प्रनुसंधान विभाग, “प्रोधीविकी भवन” अ० महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) भायकर महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग; और (ग) भायकर आयुक्त/भायकर महानिवेशक (छूट) जिनके लेखाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और भायकर मध्यनियम, 1961 की घारा 35(1) में दो गई रिसर्च कार्यों संबंधी छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यव हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इलेक्ट्रोकॉस रिसर्च एन्ड डेवलपमेन्ट सेन्टर,
पी-1, तारातला रोड,
कलकत्ता-700088

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अधिकारी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" वैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होता।

2. संगठन को सुनियोजित दिया जाता है कि वे अनुमोदन का अधिकार बदलने के लिए भायकर आयुक्त/भायकर निवेशक (छूट) विषयक लेखाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से भायकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को दीन प्रतियों में भावेन्द्र फार्म, अनुमोदन की अधिकारी बदलने के संबंध में किए भावेन्द्र-पत्र की 6 प्रतियो सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 1243 / एफ.सं. म.नि./प्रा.क. (छूट)
उल्लू अ/46 /35 (1) (ii)/91]

आर. सिंह, उच्चनिवेशक भायकर (छूट)

Calcutta, the 27th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 242.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- I will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Electronics Research and Development
Centre, P-1, Taratala Road,
Calcutta-700088.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1243/F. No. DG/IT(E)/WB-46/35(1)(ii)/91-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemps.)

कलकत्ता, 27 अक्टूबर, 1994

आयकर

का. अ. 243—संविधानारण को एवं इसका सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को भायकर मध्यनियम, 1961 की घारा 35 की उपाधा (1) के लिये भायकर नियम के नियम 8 के अधीन विहित प्राधिकारी घारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहिर्भूत रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग "प्रोटोग्राफी अवन" नं० १, मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) भायकर महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग; और (ग) भायकर आयुक्त/भायकर महानिवेशक (छूट) जिनके लेखाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और भायकर मध्यनियम, 1961 की घारा 35(1) में दो गई रिसर्च कार्यों से संबंधी छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यव हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कल्पसंस्कार डेवलपमेन्ट सेटर,
कुतुर्बौहोटल, अपार्टमेन्ट,
ई-1, स्यू मेहरोली रोड,
नई दिल्ली-110016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-97 तक की अधिकारी है।

टिप्पणी:— 1 उपर्युक्त मर्ते (1) "संच" जैसा संबोध के लिए साधु नहीं होता।

2 संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे प्रत्युमोदेश की प्रबंधि बड़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके लोकाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, प्रत्युमोदेश की प्रबंधि बड़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों संचित, वैज्ञानिक और औद्योगिक प्रत्युमोदेश विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या: 1244/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/एन
टी-93/35(1) (iii)/90]

आरो लिह, उपर्युक्त आयकर (छूट)

Calcutta, the 27th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 243.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110091 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income-and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Consultancy Development Centre
Qutab Hotel, Apartment E-I,
New Mehrauli Road, New Delhi-110016.

This notification is effective for the period from 1-4-1994 to 31-3-1997.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1244/F. No. DG/IT(E)/ND-93/35(1)(iii)/90-IT(E)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exempt.)

कलकत्ता, 27 अक्टूबर, 1994

आयकर

का. ना. 244—मर्चसाधारण ओ. एक्टुबरा भूषित किया जाता है कि निम्नलिखित नमूने की, आयकर विभाग, 1961 की वारा 35 की उपर्याग (1) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नविविध गती पद "संचाल" संबंध के अन्तर्गत प्रत्युमोदेश दिया गया है:—

(i) संगठन प्रत्यक्षान कार्यों के लिए भलग लेका दहिया रखना।

(ii) यह भलग वैज्ञानिक प्रत्युमोदेश संबंधी कार्यों का एक वैज्ञानिक विवरण प्रत्येक वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक व औद्योगिक प्रत्युमोदेश विभाग, "प्रौद्योगिकी सचन," यू. महरोली रोड, नई दिल्ली - 110016 को सेवेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 प्रत्युमोदेश तक लेका-परीक्षित वार्षिक लेका की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छूट), (ब) संचित, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अलंधार विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके लोकाधिकार में उस संगठन पड़ता है और आयकर विभाग, 1961 की वारा 35(1) में से नई रिसर्च कार्यों के संबंधित छूट के बारे में लेका-परीक्षित आवश्यक विवरण को जी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सोसायटी आफ पेस्टीसाइड साइन्स,
इंडिया, डिविजन आफ प्रैग्रीकल्चरल केमिकल्स,
आई.ए.आर.पाई.,
नई दिल्ली-12

यह अधिसूचना दिनांक 3-9-92 से 31-3-94 तक की प्रबंधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त गती (1) "संच" जैसा संबंध के लिए साधु नहीं होता।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे प्रत्युमोदेश की प्रबंधि बड़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके लोकाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, प्रत्युमोदेश की प्रबंधि बड़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों संचित, वैज्ञानिक और औद्योगिक प्रत्युमोदेश विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या: 1245/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)/एन
टी-97/35 (1) (ii)]

आरो लिह, उपर्युक्त आयकर (छूट)

Calcutta, the 27th October, 1994.

INCOME TAX

S.O. 244.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) I will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Society of Pesticides Science, India,
Division of Agril. Chemicals, J.A.P.I.
New Delhi-12.

This notification is effective for the period from 3-9-1992 to 31-3-1994.

Note.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1245/F. No. DG/IT(E)/ND-97/35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

कलकत्ता, 28 अक्टूबर, 1994

आमंत्रण

का.आ. 245.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित मंगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" मंवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए श्रवण सेवा कहिया रखेगा।

(ii) यह घोषने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विविध वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" स्थू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक सेवा परीक्षित वार्षिक लेख की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त मंगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित (छूट) के बारे में सेवा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दात्तमिया सेन्टर फॉर बायोटेक्नोलॉजी,
दूसरा तल्ला, इंडप्रकाश बिल्डिंग,
21, बारामुख्या गोड़,
नई दिल्ली-110001

यह घोषित सूचना दिनांक 6-8-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्याप्त शर्त (i) "मंवर्ग" जैव सशर्ण के लिए लागू नहीं होगा।
2. मंगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर नियंत्रणक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में मंगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की नीति प्रतियोगि आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियोगि मत्ति, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 1246/एफ०स. म.ति./आ.क. (छूट) एन डी-121/35 (1) (ii)]

मार. सिंह, उपनिदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 28th October, 1994

INCOME TAX

S.O. 245.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

(ii) I will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110019 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Dalmia Centre for Biotechnology,
2nd Floor, Indraprakash Building,
21, Barakhamba Road,
New Delhi-110001.

This notification is effective for the period from 6-8-1993 to 31-3-1995.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 1246/F. No. DG/IT(E)/ND-121/35(1)(ii)]

R. SINGH, Dy. Director of Income Tax (Exemp.)

आदेश

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1995

का. आ. 246 :—भारत सरकार के मंयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/138/94-सी.-श. 8 दिनांक 9-9-1994 को यह निर्देश जारी किया था कि श्री ओम प्रकाश शर्मा, 110 लोधी रोड कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारगार, निहाड़, नई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे विदेशी मुद्रा के संरक्षण के प्रतिकूल कोई भी कार्य करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस प्रायूषन, नई दिल्ली के ममक्ष हाजिर हों।

उक्त व्यक्ति इस भावेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस प्रायूषन, नई दिल्ली के ममक्ष प्रस्तुत हों।

[फा. सं. 673/138/94-सी. श. -8]

रूप चन्द, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 23rd January, 1995

S.O. 246.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/138/94-Cus. VIII dated 9-9-1994 under the said sub-section directing that Shri Om Prakash Sharma, 110, Lodhi Road Complex, New Delhi be detained and kept in custody in the Central Prison, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from indulging in activities prejudicial to the Conservation of Foreign Exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, New Delhi within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/138/94-CUS. VIII]
ROOP CHAND, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1995

का. आ. 247 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन आदेश फा. सं. 673/139/94-सी.-श. 8 दिनांक 9-9-1994 को यह निर्देश जारी किया था कि श्री दीपक खेडा, ए-141, डिफेंस नालोन, नई दिल्ली को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारगार, निहाड़, नई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे विदेशी मुद्रा के संरक्षण के प्रतिकूल कोई भी कार्य करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस प्रायूषन, नई दिल्ली के ममक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/139/94-सी. श. -8]

रूप चन्द, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 23rd January, 1995

S.O. 247.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/139/94-CUS. VIII dated 9-9-1994 under the said sub-section directing that Shri Deepak Khera, A-141, Defence Colony, New Delhi be detained and kept in custody in the Central Prison, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from indulging in activities prejudicial to the Conservation of foreign exchange Foreign Exchange resources in future.

2 Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed:

3. Now, therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, New Delhi within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/139/94-CUS. VIII]
ROOP CHAND, Under Secy

आदेश

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1994

स्टॉप

का. आ. 248 :—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा (9) की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इस शुल्क को माफ करती है जो आयास एवं नगर विकास निगम, नई दिल्ली द्वारा जारी किए जाने वाले मात्र चार सौ करोड़ रुपये मूल्य के, “204.50 करोड़ रुपये के 10.5 प्रतिशत झट्ट पत्रकर मुक्त हुड़को आण्ड श्रृंखला—iii और 195.50 करोड़ रुपये के 14 प्रतिशत झट्टपत्रकर योग्य हुड़को आण्ड श्रृंखला—iii के स्वरूप के बंधपत्रों पर उक्त अधिनियम के अंतर्गत प्रभार्य है। तथा भारत वित्त मंत्रालय राजस्व विभाग 24-2-94 में अधिसूचना संबंधी एम ओ 849 दिनांक 24-2-94 के द्वारा निम्नलिखित मंशोधन करती है:—

उक्त अधिसूचना में:—

(क) “300 करोड़” आंकड़ों तथा शब्दों के स्थान पर “204.50 करोड़” आंकड़े तथा शब्द पढ़ जाएँ।

(ख) “100 करोड़” आंकड़ों व शब्दों के स्थान पर “195.50 करोड़” आंकड़े व शब्द पढ़े जाएँ।

[म. 37/94—स्टाम्प फा. नं. 33/59/93—एम टो]

एन पी छत्तीरा, उप सचिव

ORDER

New Delhi, the 29th December, 1994

STAMPS

S.O. 248.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the Bonds in the nature of “10.5% Debentures—Tax free HUDCO Bond Series-III for Rs. 204.50 crores” and “14% Debentures—Taxable HUDCO Bond Series-III for Rs. 195.50 crores” of the value of rupees four hundred crores only to be issued by Housing and Urban Development Corporation, New Delhi are chargeable under the said Act and makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. S.O. 849 dated 24th February, 1994 with effect from 24th February, 1994, namely:—

In the said notification for the,—

- (a) figures and words “300 crores”, the figures and words “204.50 crores” shall be substituted; and
- (b) for the figures and words “100 crores”, the figures and words “195.50 crores” shall be substituted.

[No. 37/94-Stamps/F. No. 33/59/93-ST]

N. P. RUSTGI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1994

(आयकर)

का. आ. 249 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपखण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “दि इंस्टीट्यूट आफ दि फ्रांसिजकन आफ मैरी, सोसाइटी नं. 13, नीलगिरीज” को कर-निर्धारण वर्ष 1990-91 से 1992-93 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधारीन रहते हुए उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ श्राविभूति करती है, अर्थात्:—

- (1) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (2) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निधारण वर्षों से मंगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के दौरान धारा ii की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक से अधिक तंत्र अथवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी नियंत्रिति (जेवर-जवाहिरान, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का नियंत्रण नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;

(3) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9674/फा. सं. 197/152/94—आयकर नि.—1]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 30th December, 1994

(INCOME-TAX)

S.O. 249.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Institute of the Franciscan Missionaries of Mary, Society No. 13, Nilgiris" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1990-91 to 1992-93 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9674/F. No. 197/152/94-ITA-I]
SADHNA SHANKER, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1994

(आयकर)

का. आ. 250 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपर्युक्त (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वेन्ट्रीय सरकार एवं द्वारा "सोसाइटी ऑफ दि कांसिजकन (हास्पिटलर) सिस्टर्स, बम्बई" को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94, 1994-95 और 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधोन रहते हुए उक्त उपर्युक्त के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अधिकारी की आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संवर्धन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर-निर्धारिती ऊपर उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की लिसी भा अद्यधि के द्वारा धारा 11 की उपधारा (5) अधिनियम द्वारा किसी एक अधिकारी एक से अधिक दो अधिकारी स्तरीयों से भिन्न तरीयों से इसकी नियम (जेवर-उवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का नियेष नहीं करेगा अधिकारी उसे जमा नहीं करवा सकता;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9679/फा. सं. 197/150/94—आयकर नि.—1)

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 30th December, 1994

(INCOME-TAX)

S.O. 250.—In exercise of the powers conferred by the clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Society of the Franciscan (Hospitaler) Sisters, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94, 1994-95 and 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gain of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9679/F. No. 197/150/94-ITA-I]
SADHNA SHANKER, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1994

(आयकर)

का. आ. 251 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23-ग) के उपर्युक्त (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वेन्ट्रीय सरकार एवं द्वारा "श्री दुर्गाना समिति, अमृतसर को कर-निर्धारिक वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के

लिए निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपचारउ के प्रयोगनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निधीरण इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है ;
- (ii) कर-निधीरिती क्षमता-उत्तिवित कर-निधीरण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों को किसी भी अवधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विविहिषित किसी एक अथवा एक से अधिक वर्ग अधबा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-अवाहिरात, फर्नीचर, आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-खात्र में स्वैच्छिक अंशदान सेभिस) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकता ;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जोकि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निधीरिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोदार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तकाएं नहीं रखी जाती हैं।

[अधिसूचना सं. 9675/फा. सं. 197/172/93—आयकर नि.-1]

साधना शंकर, अवर सचिव

New Delhi, the 30th December, 1994

(INCOME-TAX)

S.O. 251.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Durgiana Committee, Amritsar" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely:

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the object for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- (iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9675/F. No. 197/172/93-ITA-II]

SADHNA SHANKER, Under Secy.

अदेश

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1995

का. आ. 252 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव, ने जिन विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/155/94 सी. शु.-8 दिनांक 19-9-1994 को यह निर्देश जारी किया था कि श्री दीपक मेघानी, सुपुत्र श्री किशन लाल मेघानी, 19-E सरत बोस रोड, फ्लैट नं. 3-10, कलकत्ता—20 को निरुद्ध कर लिया जाए और कन्द्रीय कारागार, प्रेसीडेंसी जेल, अलीपुर, कलकत्ता में अंतर्राष्ट्रीय राजपत्र में रखा जाए ताकि उसे भविष्य मामले की तस्करी करने और तस्करित माल के छिपाने या रखने का काम करने से अन्यथा तस्करित माल का व्यवहार करने से रोका जा सके।

2. कन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति करारहो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब कन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, कलकत्ता के सामने उपस्थित हो।

[फा. सं. 673/155/94—सी. शु.-8]

जमना दास, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 23rd January, 1995

S.O. 252.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/155/94-Cus. VIII dated 19-9-1994 under the said sub-section directing that Shri Deepak Meghani S/o Shri Kishanlal Meghani, R/o 19A Sarat Bose Road, Flat No. D-10, Calcutta-20 be detained and kept in custody in the Presidency Jail, Alipore, Calcutta with a view to preventing him from smuggling goods and dealing in smuggled Goods otherwise than by engaging in concealing or keeping smuggled goods in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Calcutta within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/155/94-CUS.VIII]

JAMNA DASS, Under Secy.

भारतीय रिजर्व बैंक

ग्रामीण आयोजना और ऋण विभाग

बम्बई, 11 जनवरी, 1995

का. आ. 253 :—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 42 की उपधारा (1) के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और 15 दिसम्बर, 1994 की अपनी अधिसूचना भारतीय सीसीआई संबंधी 87/07.02.03/94-95 में आंशिक संशोधन करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक एतद्वारा निर्देश देता है कि विवेशी मुद्रा विनियम का कारोबार करने हेतु प्राधिकृत प्रत्येक अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक दिनांक 21 जनवरी 1995 से प्रारंभ होने वाले पखाड़े से रिजर्व बैंक में अतिरिक्त औसत दैनिक शेष रखे जिसकी राशि विवेशी मुद्रा (अनिवासी) खाता (बैंक) योजना के अंतर्गत उसकी जमा देयताओं का 15% (पन्द्रह प्रतिशत) से कम नहीं होनी चाहिए।

[ग्रा. आ. ऋ. वि. सं. बीसी. 107/07.02.03/94-95]
कु. आई. टी. वाज, कार्यपालक निदेशक

RESERVE BANK OF INDIA
(Rural Planning and Credit Department)
Bombay, the 11th January, 1995

S.O. 253.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Sub-Section (1) of Section 42 of the RBI Act, 1934 (2 of 1934) and in partial modification of Notification RPCD. N. BC 87/07-02-03/94-95 dated 15 December 1994, the Reserve Bank of India hereby directs, that every Scheduled State Co-operative Bank which is an Authorised Dealer in Foreign exchange shall with effect from the fortnight beginning 21st January, 1995 maintain with the Bank an additional average daily balance, in amount of which shall not be less than 15 per cent (fifteen percent) of its deposit liabilities under the Foreign Currency (Non-Resident) Accounts (Banks) Scheme.

[RPCD. No. BC. 107/07-02-03/94-95]
Ms. I. T. VAZ, Executive Director

बम्बई, 11 जनवरी, 1995

का. आ. 254 :—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 42 की उपधारा (1) के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक एतद्वारा निर्देश देता है कि विवेशी मुद्रा विनियम का कारोबार करने हेतु प्राधिकृत प्रत्येक अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक दिनांक 21 जनवरी, 1995 से प्रारंभ होने वाले पखाड़े से रिजर्व बैंक में अतिरिक्त औसत दैनिक शेष रखे जिसकी राशि अनिवासी (अप्रत्यावर्त्तीय) रूपया जमा योजना के अंतर्गत उसकी जमा देयताओं का 7-5% (साड़े सात प्रतिशत) से कम नहीं होनी चाहिए।

[ग्रा. आ. ऋ. वि. सं. बीसी 108/07.02.03/94-95]
कु. आई. टी. वाज, कार्यपालक निदेशक
Bombay, 11th January, 1995

S.O. 254.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Sub-Section (1) of Section 42 of the RBI Act, 1934 (2 of 1934) the Reserve

Bank of India hereby directs, that every Scheduled State Co-operative Bank which is an Authorised Dealer in foreign exchange shall with effect from the fortnight beginning 21 January, 1995 maintain with the Bank an additional average daily balance, the amount of which shall not be less than 7.5% (seven and half per cent) of its deposit liabilities under Non-Resident (Non-Repatriable) Rupee Deposit (NRNR) Scheme.

[RPCD. No. BC. 108/07-02-03/94/95]
Ms. I.T. Vaz, Executive Director

वित्त मंत्रालय

(आंशिक कार्य विभाग)

बैंकिंग प्रभाग

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का. आ. 255.—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, प्राथिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की 3 नवम्बर, 1992 की अधिसूचना सं. 7/24/92-बी. ओ. में आंशिक संशोधन करते हुए, केन्द्र सरकार, एतद्वारा, श्री डी आर. मेहता, भारतीय प्रशासनिक सेवा (राज स्थान : 61) की भारतीय रिजर्व बैंक के उप-गवर्नर के रूप में नियुक्ति की अवधि को तत्काल अमेलन के आधार पर 30 जून, 1977 तक के लिए बढ़ाती है।

[म. एफ. 20/13/92-बीओ I]
के. अनिवासन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
Banking Division

New Delhi, the 17th January, 1995

S.O. 255.—In partial modification to Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division's) notification No. 7/24/92-B.O.I. dated 3rd November, 1992 the Central Government hereby extends the tenure of appointment of Shri D.R. Mehta, IAS (Raj: 61) as Deputy Governor, Reserve Bank of India upto 30th June, 1997 on immediate absorption basis.

[F. No. 20/13/92-B.O.I.]
K. SRINIVASAN, Jt. Secy

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1995

का. आ. 256.—राष्ट्रीय बैंक (प्रबंध और प्रकोर्ण उपबंध) स्कीम 1970 के खण्ड 9 के साथ पठित खंड 3 के उपखण्ड (ग) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से सलाह करने के पश्चात् एतद्वारा, श्री एम एल गाला, वर्तमान अध्यक्ष फैडरेशन आफ बैंक आफ इंडिया अधिकारी संघ (मुख्य अधिकारी, वाणिज्यक और संस्थागत ऋण विभाग बैंक आफ इंडिया, प्रधान कार्यालय, बम्बई के रूप में कार्यरत) को दिनांक 19 जनवरी, 1995 से 18 जनवरी 1998 तक के लिए या जब तक वे बैंक आफ इंडिया के एक अधिकारी के रूप में अपनी सेवा छोड़ नहीं देते हैं, इनमें से जो भी पहले हो, श्री एस. आर. सेनगुप्ता के स्थान पर बैंक आफ इंडिया के निदेशक मण्डल में निदेशक नियुक्त करती है।

[म. एफ. 9/18/94 बी ओ.]
के. के. मंगल, अवर सचिव

New Delhi, the 19th January, 1995

S.O. 256.—In pursuance of Sub-clause (c) of clause 3 read with clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri M.L. Gala, presently President of Federation of Bank of India Officers' Associations (working as Chief Officer, Commercial and Institutional Credit Department, Bank of India, Head Office, Bombay) vice Shri S.R. Sengupta, as a Director on the Board of Bank of India with effect from the 19th January, 1995 and upto 18th January, 1998, or until he ceases to be an officer of Bank of India, whichever is earlier.

[F. No. 9/18/94-B.O.I.]
K.K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1995

का. आ. 257 राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) की धारा 6 के खण्ड (ङ) के उप खण्ड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के साथ परामर्श करने के पश्चात् एतद्वारा श्री सी. रामचन्द्रन, आई. ए. एस. (तमिलनाडु : 63) विशेष सचिव बैंकिंग प्रभाग, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को श्री आर छही, गुप्ता के स्थान पर राष्ट्रीय आवास बैंक के निदेशक के रूपमें नियुक्त करती है।

[सं. 9/9-94-बी ओ I]
के.के. मंगल, प्रबन्ध सचिव

New Delhi the 20th January, 1995

S.O. 257.—In pursuance of clause (e) of subsection (1) of section 6 of the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987), the Central Government, in consultation with the Reserve Bank of India hereby appoints Shri C. Ramachandran, IAS (TN : 63), Special Secretary, Banking Division, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, as a Director on the Board of Directors of the National Housing Bank vice Shri R.V. Gupta.

[No. 9/9/94-B.O.I.]
K.K. MANGAL, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1995

का. आ. 258—सरकार ने निर्णय लिया है कि बैंकिंग प्रभाग आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय के वर्तमन विशेष सचिव, सर्वथी श्री रामचन्द्रन, आई.ए.एस. (तमिलनाडु : 63) 20 जनवरी, 1995 से अलग आदेश जारी होने तक अपने

वर्तमान कार्यभार के अतिरिक्त समवर्ती रूप से राष्ट्रीय आवास बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के पद का कार्य भार भी सम्भालेंगे।

[सं. 7/1/95 बी.ओ.]
के.के. मंगल, प्रबन्ध सचिव

ORDER

New Delhi, the 20th January, 1995

S.O. 258.—Government have decided that Shri C. Ramachandran, IAS (TN : 63) presently special Secretary, Banking Division, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, will concurrently hold additional charge of the post of Chairman and Managing Director, National Housing Bank, in addition to his own duties, with effect from the 20th January, 1995 and until further orders.

[F. No. 7/1/95-B.O.I.]
K.K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1995

का.आ. 259 भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) की धारा 19 के खण्ड (ङ) की शर्तों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग के विशेष सचिव श्री सी. रामचन्द्रन, आई. ए. एस., (तमिलनाडु : 63) को श्री आर. छही गुप्ता के स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक के केन्द्रीय मंडल (बोर्ड) में निदेशक के रूप में नामित करती है।

[सं.एफ 9/9/94-बी ओ(1)]
के.के. मंगल, प्रबन्ध सचिव

New Delhi, 20th January, 1995

S.O. 259.—In terms of clause (e) of section 19 of the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955), the Central Government hereby nominates Shri C. Ramchandran, IAS (TN : 63), Special Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Banking Division, New Delhi, as a Director on the Central Board of the State Bank of India vice Shri R.V. Gupta.

[F. No. 9/9/94-B.O.I.(i)]

K.K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1995

का. आ. 260.—भारतीय औदोगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, एतद्-

द्वारा, वित्त मंत्रालय, आधिकारिक कार्यविभाग (वैकाश प्रभाग), नई दिल्ली के विशेष सचिव, श्री सी०, रामचन्द्रन, आई.ए.एस. (तमिल नाडु : 63) को श्री आर० बौ० गुप्ता के स्थान पर भारतीय औद्योगिक विभाग बैंक के निदेशक बोर्ड में निदेशक के रूप में नामित करती है।

[एक सं. 9/9/94-वी अ० I(ii)
के. के. मंगल, अवर सचि]

New Delhi, the 20th January, 1995

S.O. 260.—In terms of clause (c) of sub-section (1) of section 6 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Central Government hereby nominates Shri C. Ramachandran, IAS (TN : 63), Special Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Banking Division, New Delhi as a Director on the Board of Directors of Industrial Development Bank of India vice Shri R.V. Gupta.

[F. No. 9/9/91-B.O.I.(ii)]
K.K. MANGAL, Under Secy.

(व्यव विभाग)

नई दिल्ली 19 दिसम्बर, 1994

का.ग्रा. 261.—भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 8 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि उक्त अधिनियम के उपबंध (धारा 6-क को छोड़कर), उक्त अधिनियम को ग्रन्तुर्बी में वित्तिरिहर्ष “एस०एन०बोस नेशनल सेंटर फार बैसिक साइंसिस” के कर्मचारियों के लाभार्थ स्थापित भविष्य निधि के लिए श्री लागू होंगे।

[सं. 4(1)-संस्था V/92 (ii)]
बी. शेकर, निदेशक

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 19th December, 1994

S.O. 261.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 8 of the Provident Fund Act, 1925 (19 of 1925), the Central Government hereby directs that the provisions of the said Act (except section 6-A) shall apply to the Provident Fund established for the benefit of the employees of the ‘S. N. BOSE NATIONAL CENTRE FOR BASIC SCIENCE’ specified in the Schedule of the said Act.

[No. 4(1)-EV/92 (II)]
V. SEKAR, Director

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 1994

का.ग्रा. 262.—भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 8 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार

एतद्वारा उक्त अधिनियम की ग्रन्तुर्बी में निम्न लिखित सार्वजनिक संस्थान का नाम ग्रामिन करता है, अर्थात् :—

“एस० एन० बोस नेशनल सेंटर फार बैसिक साइंसिस”

[सं. 4(1)-संस्था V/92 (I)]

बी० शेकर, निदेशक

New Delhi, the 19th December, 1994

S.O. 262.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 8 of the Provident Fund Act, 1925 (19 of 1925), the Central Government hereby adds to the Schedule to the said Act the name of the following public institution, namely :—

“S. N. BOSE NATIONAL CENTRE FOR BASIC SCIENCES”

[No. 4(1)-EV/92 (I)]

V. SEKAR, Director

उच्चोग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1994

का. ग्रा. 263.—फेन्ड्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकोंप्रय प्रधोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के ग्रन्तुरण में डा. बी. आर. अंबेडकर ग्रामीण प्रोद्योगिकी एवं प्रबंध संस्थान, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, नानिक, जिसके 80 प्रतिशत कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को अधिसूचित करती है।

[सं. ई-12012/2/91-Hindi]

श्रीमती प्रतिभा करण, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 15th December, 1994

S.O. 263.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies Dr. B. R. Ambedkar Institute of Rural Technology and Management, Khadi and Village Industries Commission, Nasik whose 80% staff have acquired working knowledge of Hindi.

[No. E-12012/2/91-Hindi]
SMT. PRATIBHA KARAN, Jr. Secy.

बाणिज्य मंत्रालय
(दिव्यापार महानिवेशालय)
आदेश
नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1994

का. आ. 264.—मैं, इंटरनेशनल टोबाको क. लि., भारतियाबाद-201001 को निर्यात संबंधी पूँजीगत माल के अंतर्गत पूँजीगत माल के आयात के लिए 65,02,552 (पेंस्ट लाख दो हजार पाँच सौ और बाबन रुपए के लिए) के लिए एक आयात लाइसेंस सं. पी/सी जी/2133463 दिनांक 8-9-1994 के लिए मंजूर किया गया था।

फर्म ने सीमाशुल्क तथा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति भी दूसरी प्रति जारी करने के लिए इस अधिकार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन और विनिमय नियंत्रण प्रति उनके द्वारा डाकीय प्राधिकारियों से प्राप्त की गई थी। यह भी बताया गया है कि लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन और विनिमय नियंत्रण प्रति किसी सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं कराई गई थी और सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति के मूल्य का बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं किया गया है।

2. अपने तर्क के समर्थन में लाइसेंसधारी ने नोटरी बलब, वर्षाई के समक्ष विविहत् ग्रापथ लेकर स्टाम्प पत्र पर एक हलफनामा दाखिल किया है। तबनुसार मैं संतुष्ट हूँ कि फर्म से आयात लाइसेंस से पी/सीजी/2133463 दिनांक 8-9-1994 की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन तथा विनिमय नियंत्रण प्रति भी गई है अथवा इधर-उधर हो गई है और यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 के अन्तर्गत प्रकृत शक्तियों का प्रयोग करते हुए भी, इंटरनेशनल टोबाको क. लि., भारतियाबाद-201001 को जारी किया गया मूल सीमा, शुल्क प्रयोजन और विनिमय नियंत्रण प्रति सं. पी/सी जी 2133463 दिनांक 8-9-1994 को एतद्वारा निरस्त किया जाता है।

3. पार्टी को उक्त लाइसेंस को सीमाशुल्क प्रयोजन और विनिमय नियंत्रण प्रति की दूसरी प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[फा. सं. 18/480/ए एम 95/ ई पीसीजी-2/ 346]
माया डी. केम, उप महानिवेशक

MINISTRY OF COMMERCE
(Directorate General of Foreign Trade)
ORDER

New Delhi, the 20th December, 1994

S.O. 264.—M/s. International Tobacco Co. Ltd. Ghaziabad-201001 were granted an Import Licence No. P/CG/2133463 dated 8-9-94 for Rs. 65,02,552 (Rupees sixty five

lakhs two thousand five hundred and fifty two only) for import of C.G. under EPCG scheme.

1. The firm has applied for issue of Duplicate copy of Customs and Exchange Control purpose copy of the above mentioned licence on the ground that the original customs purpose and Exchange control copy of the licence has not been received by them from Postal authorities. It has further been stated that the Customs purpose and Exchange Control copy of the licence was not registered with any Customs Authority and as such the value of Customs purpose copy has not been utilised at all.

2. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary Public, New Delhi. I am accordingly satisfied that the original Customs purpose and Exchange Control copy of import licence No. P/CG/2133463 dated 8-9-94 has been lost or misplaced by the firm and in exercise of the powers conferred under sub-clause (9)(CC) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original Customs purpose and Exchange control copy No. P/CG/2133463 dated 8-9-94 issued to M/s. International Tobacco Co. Ltd, Ghaziabad-201001 is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs purpose and Exchange Control copy of the said licence is being issued to the party separately.

[F. No. 18/480/AM'95/EPCG-II/346]
MRS. MAYA D. KEM, Dy. Director General
of Foreign Trade

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1995

का. आ. 265.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मर्सर्स इन्स्पेक्शन इंडिया, 8 तथा 9, तिलजाला रोड, कलकत्ता-46, को छले हुए लोहे के मलनाल तथा फिटिंग्स का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए इन गर्मों के अधीन अभिकरण के स्वयं में मान्यता देती है उक्त अभिकरण छले हुए लोहे के मलनालों तथा फिटिंग्स का निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1971 के नियम 4 के उपनियम (4) अंतर्गत निरीक्षण प्रमाण-पत्र देने के लिए उक्त अभिकरण द्वारा अपनाई गई पद्धति की जांच करने के संबंध में निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा मनोनीत किसी भी अधिकारी को पर्याप्त सुविधाएं देगा।

[फा. सं. 5/32/94-ई.आई. एड ई पी]
कुमारी सुमा सुब्बना, निदेशक

New Delhi, the 11th January, 1995

S.O. 265.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby recognises for a period of three years from the date of publication of this Notification M/s. Inspection India 8 and 9 Tiljala Road, Calcutta-46, as an agency for the inspection Cast Iron Soil Pipes and Fittings prior to export subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by the said agency in printing the certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Cast Soil Pipes and Fittings (Inspection) Rules, 1971.

[File No. 5/32/94-EI&EP]
KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1995

का. आ. 266.—केन्द्रीय सरकार, नियंत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स इंस्पेक्शन इंडिया, 8 तथा 9, तिलजाला रोड, कलकत्ता-46, को स्टील ट्रंक के नियंत्रण से पूर्व निरीक्षण के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए इन शर्तों के अधीन अभिकरण के रूप में मान्यता देती है कि उक्त अभिकरण स्टील ट्रंक के नियंत्रण (निरीक्षण) नियम, 1967 के नियम 4 के उप नियम (4) के अंतर्गत नियंत्रण प्रमाण-पत्र देने के लिए उक्त अभिकरण द्वारा अपनाई गयी पद्धति की जांच करने के संबंध में नियंत्रण नियंत्रण परिषद द्वारा मनोनीत किसी भी अधिकारी को पर्याप्त सुविधाएं देगा।

[फाइल सं. 5/32/94-ई श्राई एण्ड ईपी]
कुमारी सुमा सुब्बना, निदेशक

New Delhi, the 11th January, 1995

S.O. 266.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of three years from the date of publication of this Notification M/s. Inspection India, 8 and 9 Tiljala Road, Calcutta-46, as an agency for inspection of Steel Trunks prior to exports subject to the condition that the said Agency shall give adequate facilities to any officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by the said agency in granting the certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Steel Trunks (Inspection) Rules, 1967.

[File No. 5/32/94-EI&EP]
KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1995

का. आ. 267.—केन्द्रीय सरकार, नियंत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स इंस्पेक्शन इंडिया, 8 एण्ड 9, तिलजाला रोड, कलकत्ता-46 को इससे उपावद्ध अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट वाणिज्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित संख्या का.आ. 895 विनांक 21-2-1976 के लघु अभियांत्रिक उत्पाद सिवाय स्टोव, लाइटेन तथा ल्योलैंप के नियंत्रण से पूर्व नियंत्रण के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए इन शर्तों के अधीन अभिकरण के रूप में मान्यता देती है कि उक्त अभिकरण नष्टु अभियांत्रिक उत्पाद के नियंत्रण (नियंत्रण) नियम 1976 के नियम 4 के उप नियम (5) के अंतर्गत नियंत्रण प्रमाण-पत्र देने के लिए उक्त अभिकरण द्वारा अपनाई गई पद्धति की जांच करने के संबंध में नियंत्रण नियंत्रण परिषद द्वारा मनोनीत किसी भी अधिकारी को पर्याप्त सुविधाएं देगा।

[फाइल सं. 5/22/94-ई श्राई एण्ड ईपी]

कुमारी सुमा सुब्बना, निदेशक

New Delhi, the 11th January, 1995

S.O. 267.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of three years from the date of publication of this Notification M/s. Inspection India 8 and 9 Tiljala Road, Calcutta-46 as an agency for inspection of Light Engineering Products (other than stoves, Lantern and blow lamps) specified in the Annexure-I annexed to Ministry of Commerce Notification No. S.O. 895 dated 21-2-1976 prior to export subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by the said agency in granting the certificate of inspection under sub-rule (5) of rule 4 of the Export of Light Engineering Products (Inspection), 1976.

[File No. 5/32/94-EI&EP]
KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1995

का.आ. 268.—केन्द्रीय सरकार, नियंत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स इंस्पेक्शन इंडिया, 8 एण्ड 9, तिलजाला रोड, कलकत्ता-46 को छले हुए लोहे के मैम्होल के छक्कनों तथा फ्रेमों के नियंत्रण से पूर्व नियंत्रण के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए इन शर्तों के अधीन अभिकरण के रूप में मान्यता देती है कि उक्त अभिकरण छले हुए लोहे के मैम्होल के छक्कनों तथा फ्रेमों के नियंत्रण (नियंत्रण) नियम, 1971 के नियम 4 के उप नियम (4) के अन्तर्गत नियंत्रण प्रमाण-पत्र देने के लिए उक्त अभिकरण द्वारा अपनाई गई पद्धति की जांच करने के संबंध में नियंत्रण नियंत्रण परिषद द्वारा मनोनीत किसी भी अधिकारी को पर्याप्त सुविधाएं देगा।

[फाइल सं. 5/32/94-ई श्राई एण्ड ईपी]

कुमारी सुमा सुब्बना, निदेशक

New Delhi, the 11th January, 1995

S.O. 268.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of three years from the date of publication of this Notification M/s. Inspection India 8 and 9 Tiljala Road, Calcutta-46 as an agency for the inspection of Cast Iron Manhole Cover and Frames prior to export subject to the condition that the said agency shall give adequate facilities to any officers nominated by the Export Inspection Council, in this behalf to exercise the method of inspection followed by the said agency in granting the certificate of inspection under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of Cast Iron Manhole Cover and Frames (Inspection) Rules, 1971.

[File No. 5/32/94-EI&EP]
KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1995

का.आ. 269.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 3975 तारीख 20-12-1965 से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट खनिज तथा अयस्क ग्रुप का जामनगर में निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स थेरेप्यूटिक्स कैमिकल रिसर्च कार्पोरेशन, 4 पंचवटी सोसायटी, निकट डाकघर, बेदी रोड, जामनगर-361002 में स्थित जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय शिव इंडस्ट्रियल इस्टेट, दूसरी एवं तीसरी मंजिल क्रान्तिकारी भाई बालमुकुन्द मार्ग, वाईकूला गुडस डिपो के निकट, चिंचपोकली, बम्बई-400012 को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए निम्न शर्तों के अधीन एतद्वारा मात्रता देती है, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स थेरेप्यूटिक्स कैमिकल रिसर्च कार्पोरेशन, निर्यात निरीक्षण परिवद द्वारा इस संबंध में नामित अधिकारी को अपने द्वारा अपनाई गयी निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं देगा ताकि खनिज तथा अयस्क ग्रुप I के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4, के अन्तर्गत निरीक्षण प्रमाणपत्र दिया जा सके।
- (2) मैसर्स थेरेप्यूटिक्स कैमिकल रिसर्च कार्पोरेशन, इस अधिसूचना के अधीन अपने कृत्यों के पालन में ऐसे निर्देशों द्वारा आवश्य होगा जो निदेशक (निरीक्षण एवं क्वालिटी नियंत्रण) समय-समय पर लिखित रूप में देंगे।

[फा.सं. 5/33/94-ई.आई.एंड.ई.पी.]

कुमारी सुमा सुब्रह्मणा, निदेशक

New Delhi, the 11th January, 1995

S.O. 269.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises, for a period of three years from the date of publication of this notification, M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation located at 4, Panchavati Society, Near Post Office, Bedi Road, Jamnagar-361002 and having their registered office at Shiv Industrial Estate-2nd and 3rd Floor, Krantiveer Bhai Balmukund Marg, Near Byculla Goods Depot, Chinchpokli, Bombay-400012, as an agency for inspection of Minerals and Ores (Group-I) specified in Schedule annexed to Ministry of Commerce Notification No. S.O. 3975 dated 20th December, 1965, prior to export, at Jamnagar, subject to the following conditions, namely :—

- (i) that M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by them in granting the certificate of inspection under rule 4 of the Export of Minerals and Ores Group-I (Inspection) Rules, 1965;
- (ii) that M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as

the Director (Inspection and Quality Control) may give in writing from time to time.

[File No. 5/33/94-EI & EP]
KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1995

का.आ. 270.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 3978 तारीख 20-12-1965 से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट खनिज तथा अयस्क ग्रुप-II का जामनगर में निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स थेरेप्यूटिक्स कैमिकल रिसर्च कार्पोरेशन, 4 पंचवटी सोसायटी, निकट डाकघर, बेदी रोड, जामनगर-361002 में स्थित जिनका पंजीकृत कार्यालय शिव इंडस्ट्रियल इस्टेट, दूसरी एवं तीसरी मंजिल क्रान्तिकारी भाई बालमुकुन्द मार्ग, वाई कुला गुडस डिपो के निकट चिंचपोकली बम्बई-400012 को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए निम्न शर्तों के अधीन एतद्वारा मात्रता देती है, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स थेरेप्यूटिक्स कैमिकल रिसर्च कार्पोरेशन, निर्यात निरीक्षण परिवद द्वारा इस संबंध में नामित अधिकारी को अपने द्वारा अपनाई गयी निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं देगा ताकि खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-II) के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के अन्तर्गत निरीक्षण प्रमाणपत्र दिया जा सके।
- (2) मैसर्स थेरेप्यूटिक्स कैमिकल रिसर्च कार्पोरेशन, इस अधिसूचना के अधीन अपने कृत्यों के पालन में ऐसे निर्देशों द्वारा आवश्य होगा जो निदेशक (निरीक्षण एवं क्वालिटी नियंत्रण) समय-समय पर लिखित रूप में देंगे।

[फा.सं. 5/33/94-ई.आई.एंड.ई.पी.]

कुमारी सुमा सुब्रह्मणा, निदेशक

New Delhi, the 11th January, 1995

S.O. 270.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963, the Central Government hereby recognises, for a period of three years from the date of publication of this notification, M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation, located at 4, Panchavati Society, Near Post Office, Bedi Road, Jamnagar-361002 and having their registered office at Shiv Industrial Estate—2nd and 3rd Floor, Krantiveer Bhai Balmukund Marg, Near Byculla Goods Depot, Chinchpokli, Bombay-400012, as an agency for inspection of Minerals and Ores (Group-II) specified in Schedule annexed to Ministry of Commerce Notification No. S.O. 3978 dated 20th December, 1965, prior to export, at Jamnagar, subject to the following conditions, namely :—

- (i) that M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by them in granting the certificate of inspection under rule 4 of the Export of Minerals and Ores Group-II (Inspection) Rules, 1965;

(ii) that M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as the Director (Inspection and Quality Control) may give in writing from time to time.

[File No. 5/33/94-EI & EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1995

का.आ. 271—नियर्ति (क्रान्तिटी और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय मण्डल, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिगृहना ग. का.आ. 2265 तारीख 14-6-1986 से मंत्रमन्त्र अनुभूची में विनिर्दिष्ट उपमह ईटों का जामनगर में नियर्ति से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैमर्स थेगाप्यटिक्स कैमिकल रिसर्च कार्पोरेशन 4 पंचवटी मोसाइटी, निकट डाकघर, बेदी रोड, जामनगर-361002 में स्थित को जिनका पंजीकृत कार्यालय शिव इंडस्ट्रियल इंस्टेट, दूसरी पाँवं तीसरी मंजिल क्रान्तिटीर भाई बालमुकुन्द मार्ग, वाईकूला गुडम छिपो के निकट, चिचपोकली, बम्बई-400012 को इस अधिगृहना के प्रकाशन की तारीख में तीन वर्ष की अवधि के लिए निम्न शर्तों के अधीन एन्डडारा मान्यता देनी है, अर्थात् :—

- (i) मैमर्स थेगाप्यटिक्स रिसर्च कार्पोरेशन, नियर्ति निरीक्षण परिषद द्वारा इस संबंध में नामित अधिकारी को उनके द्वारा अपनाई गयी निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए पर्याप्त मुश्खियाएं देगा ताकि उपमदम ईटों के नियर्ति (निरीक्षण पाँवं क्रान्तिटी नियंत्रण) नियम, 1986 के अन्तर्गत निरीक्षण का प्रमाणपत्र दिया जा सके।
- (ii) मैमर्स थेगाप्यटिक्स कैमिकल रिसर्च कार्पोरेशन द्वारा अधिगृहना के ग्राहीन अपने द्वात्यों के पालन में ऐसे निर्देशों द्वारा आवश्य होगा जो निदंशक (निरीक्षण पाँवं क्रान्तिटी नियंत्रण) समय-समय पर लिखित रूप में देंगे।

[का.सं. 5/33/94-ईआईएडईपी]

कुमारा सुमा सुब्बना, निदंशक

New Delhi, the 11th January, 1995

S.O. 271.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises, for a period of three years from the date of publication of this notification, M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation located at 4, Panchavati Society, Near Post Office, Bedi Road, Jamnagar-361002 and having their registered office at Shiv Industrial Estate-2nd and 3rd Floor, Krantiveer Bhau Balmukund Marg, Near Byculla Goods Depot, Chinchpokli, Bombay-400012, as an agency for inspection of Refractory Bricks specified in Annexure to Ministry of Commerce Notification No. S.O. 2265 dated 14-6-1986, prior to export, at Jamnagar, subject to the following conditions, namely :—

- (i) that M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in

this behalf to examine the method of inspection followed by them in granting the certificate of inspection under rule 4 of the Export Refractory Bricks (Quality Control and Inspection) Rules, 1986;

- (ii) that M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as the Director (Inspection and Quality Control) may give in writing from time to time.

[File No. 5/33/94-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1995

का.आ. 272.—नियर्ति (क्रान्तिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय मण्डल, भारत सरकार में नियर्ति से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैमर्स थेगाप्यटिक्स कैमिकल रिसर्च कार्पोरेशन 4 पंचवटी मोसाइटी, निकट डाकघर, बेदी रोड, जामनगर-361002 में स्थित को जिनका पंजीकृत कार्यालय शिव इंडस्ट्रियल इंस्टेट, दूसरी पाँवं तीसरी मंजिल, आनंदीर भाई बालमुकुन्द मार्ग, वाईकूला गुडम छिपो के निकट, चिचपोकली, बम्बई-400012 को इस अधिगृहना के प्रकाशन की तारीख में तीन वर्ष की अवधि के लिए निम्न शर्तों के अधीन एन्डडारा मान्यता देती है, अर्थात् :—

- (i) मैमर्स थेगाप्यटिक्स रिसर्च कार्पोरेशन, नियर्ति निरीक्षण परिषद द्वारा इस संबंध में नामित अधिकारी वो अपने द्वारा अपनाई गयी निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए पर्याप्त मुश्खियाएं देगा ताकि अकार्यकालीन गमायन के नियर्ति (निरीक्षण) नियम, 1986 के नियम, 4 के अन्तर्गत निरीक्षण प्रमाण पत्र दिया जा सके।
- (ii) मैमर्स थेगाप्यटिक्स कैमिकल रिसर्च कार्पोरेशन, इस अधिगृहना के ग्राहीन अपने द्वात्यों के पालन में ऐसे निर्देशों द्वारा आवश्य होगा जो निदंशक (निरीक्षण पाँवं क्रान्तिटी नियंत्रण) समय-समय पर लिखित रूप में देंगे।

अनुमूल्य

1. एल्प्रमिनियम बनोगाहड़
2. एल्प्रमिनियम आक्साइट
3. एल्प्रमिनियम मरफेट (नान फैरिक)
4. एल्प्रमिनीनो फैरिक
5. एल्प्रमिनियम एल्प्रम
6. एल्प्रमिनियम क्लोरोगाहड़
7. वेरियम कार्बोनेट
8. वेरियम क्लोरोगाहड़
9. ब्लॉचिंग पाउडर
10. बोरेवम
11. कैल्शियम कार्बोनेट
12. कैल्शियम डिवाइक्सिक फ्लॉपेट

13. काल्सिक पोटाश
14. काल्सिक सोडा
15. कापर मल्केट
16. फेरिक ग्ल्यूम
17. हाईड्रोक्लोरिक प्रॉमिड
18. हाईड्रोजन पैशेक्याइड
19. मैग्नीज ब्रायस्माइड (प्राकृतिक को छोड़कर)
20. मैग्नीज मल्केट
21. मरकरीक आनमाइड
22. पोटाश ग्ल्यूम
23. पोटारियम कार्बनिट
24. पोटारियम क्लोरेट
25. पोटारियम डिक्रोमेट
26. पोटारियम परमेग्नेट
27. रेड कामफोर्म
28. मिल्नीकोन कार्बोडि
29. मॉर्डियम ब्राइ-कार्बनिट
30. मॉडियम कार्बनिट
31. मॉडियम डाइक्रोमेट
32. मॉडियम हाईड्रोमल्केट
33. मॉडियम हाईड्रोमल्फाइट
34. मॉडियम मिल्नीकोट
35. मॉडियम मॉर्फेट
36. मॉडियम द्रोपाली फामफेट
37. जिक मल्केट

[फाइल सं 5/33/94/ई आर्ट एन्ड एस ए पी]
कुमारी सुमा मुकुरणा, निषेशक

New Delhi, the 11th January, 1995

S.O. 272 :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises, for a period of three years from the date of publication of this notification, M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation located at 4, Panchayati Society, Near Post Office, Bedi Road, Jamnagar –361 002 and having their registered office at Shiv Industrial Estate— 2nd and 3rd floor, Krantiveer Bhai Balmukund Marg, Near Byculla Goods Depot, Chinchpokli, Bomby-400012 as an agency for inspection of Inorganic Chemicals specified in Schedule annexed hereto, prior to export, at Jamnagar, subject to the following conditions, namely:—

- (i) that M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by them in granting the certificate of inspection under rule 4 of the Export of Inorganic Chemicals (Inspection) Rules, 1966;
- (ii) that M/s. Therapeutics Chemical Research Corporation, in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as the Director (Inspection and Quality Control) may give in writing from time to time.

SCHEDULE

1. Aluminium Chloride
2. Aluminium Oxide
3. Aluminium Sulphate (non-ferric)
4. Alumino Ferric
5. Ammonium Alum
6. Ammonium Chloride
7. Barium Carbonate
8. Barium Chloride
9. Bleaching Powder
10. Borax
11. Calcium Carbonate
12. Calcium Diabasic Phosphate
13. Caustic Potash
14. Caustic Soda
15. Copper Sulphate
16. Ferrie Alum
17. Hydrochloric Acid
18. Hydrogen Peroxide
19. Manganese Dioxide (other than natural)
20. Manganese Sulphate
21. Mercuric Oxide
22. Potash Alum
23. Potassium Carbonate
24. Potassium Chlorate
25. Potassium Dichromate
26. Potassium Permanganate
27. Red Phosphorous
28. Silicon Carbide
29. Sodium Bicarbonate
30. Sodium Carbonate
31. Sodium Dichromate
32. Sodium Hydrosulphite
33. Sodium Hydrosulphite
34. Sodium Silicate
35. Sodium Sulphate
36. Sodium Tripoly Phosphate
37. Zinc Sulphate

[File No. 5/33/94 EI & EP]
KUM SUMA SUBBANNA, Director

(विनेश अयापार महानिदेशालय)

[दी ई प्र०-3 इंजीनियरिंग प्रनुसार]

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1995

का. आ. 273—मै. फर्निट्यर माइक्रो इंडस्ट्रीज
(पी.) नि., डी-139(क) फॉकल प्लाई, लूधियाना-
141010 को डीर्हमी बुकम. 022617 दिनांक 11-1-93
महित, 1,40,54,909.00/-रु. (4,81,652/-प्रमाणीकी
डालर) के विराट आभार के साथ 1,00,39,220.00/-रु
(3,36,180,00 प्रमाणीकी डालर) के लागत बोमा भाड़ा
मूल्य के लिये, एक अधिकतात्परम स. पो/प्र०/152 1839

दिनांक 11-1-93 मजूर किया गया था, जिसकी वैधता अवधि जारी करने की सारीख से 12 महीने थी। अब फर्म ने पूर्वोक्त अग्रिम लाइसेंस की डी ई ई सी बुक (भाग-2 नियान) की दूसरी प्रति इस आधार पर प्रदान करने के लिये आवेदन किया है कि यह खो गई है/इधर-उधर हो गई है। फर्म ने आवश्यक हलफनामा प्रस्तुत किया है जिसके अनुसार पूर्वोक्त अग्रिम लाइसेंस सौमाशुल्क प्राधिकारी, बम्बई से पंजीकृत कराया गया था। हलफनामे में इस आशय की एक घोषणा भी समाविष्ट की गई है कि उक्त डी ई ई सी बुक (भाग-2 नियान) का बाद में पता चलने पर या उसके मिलने पर उसे निर्गम प्राधिकारी को लौटा दिया जायेगा।

2. इस बात से संतुष्ट होने पर कि उक्त अग्रिम लाइसेंस की मूल डी ई ई सी बुक (भाग-2-नियान) खो गई है, अधोहस्ताक्षरी का यह निर्देश है कि आवेदक को डी ई ई सी बुक की दूसरी प्रति जारी की जाये। साथ ही अधोहस्ताक्षरी, विवेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा 9 के उपधारा (4) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए डी ई ई सी बुक सं. 022617 दिनांक 11-1-93 (भाग-2-नियान) की मूल प्रति को एतद्वारा निरस्त करते हैं।

[फाइल सं. 01/81/40/1642/ए एम-93/डी ई एस-3/
4346]

आर. के. सूद, उप महानिदेशक, विवेश व्यापार
कृते महानिदेशक, विवेश व्यापार

(Directorate General of Foreign Trade)

DES-III (Engg.) (Section)

New Delhi, the 24th January, 1995

S.O. 273 :—M/s. Frontier Cycle Industries (P) Lt., D—139 (A) Focal Point, Ludhiana-141010 were granted an Advance Licence No. P/L/1524889 dated 11-1-93 for CIF value of Rs. 1,00,39,220.00 (US\$-3,36,180.00) with an export obligation Rs. 1,40,54,909.00 (US\$ 4, 84,652.00) alongwith DEEC Book No 022617 dated 11-1-93 Part I (Import) & II (Export) with a validity of 12 months from the date of issue of the Licence. Now the firm have applied for grant of duplicate of DEEC Book (Part II—Export) of the said Advance Licence on the ground that the same has been lost/ misplaced. The firm have furnished necessary affidavit according to which the aforesaid Advance Licence was registered with Customs Authority at Bombay. A declaration has also been incorporated in the affidavit to the effect that if the said DEEC Book (Part-II—Export) is traced or found later on, it will be returned to the Issuing authority.

2. On being satisfied that the Original DEEC Book (Part-II—Export) of the said Advance Licence has been lost, the undersigned directs issuance of duplicate DEEC Book (Part-II—Export) to the applicant. The undersigned also, in exercise of the powers conferred in sub-clause (4) of Clause 9 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act,

1992, hereby cancel the original DEEC Book No. 022617 dated 11-1-93 (Part-II—Export).

[F. No. 01/81/40/1642/AM-93/DES-III/4346]

R.K. SOOD, Dy. Director General
of Foreign Trade
For Director General of Foreign
Trade.

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और
सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1995

का.आ. 274 —केन्द्रीय भरकार, राजभाषा (सभ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में, नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के नियंत्रणाधीन निम्नलिखित कार्यालयों, जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को एतद्वारा अधिसूचित करती है:

1. फरीदाबाद शाखा कार्यालय,
भारतीय मानक ब्यूरो,
प्लाट सं. 43, सेक्टर 16-ए,
मथुरा रोड, फरीदाबाद-121002
2. जमशेदपुर निरीक्षण कार्यालय,
भारतीय मानक ब्यूरो,
एफ-10 ए, नामडीह रोड,
वर्मी माइन्स पोस्ट ऑफिस
जमशेदपुर-831007

[संख्या ई-11012/2/94-हिन्दी]
राम तिलक पाण्डेय, निवेशक

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES,
Consumer Affairs & Public Distribution

New Delhi, the 16th January, 1995

S.O. 274 :—In pursuance of Sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices under the control of Ministry of Civil supplies, Consumer Affairs and Public Distribution, where more than 80% of the staff have acquired Working knowledge of Hindi :—

Bureau of Indian Standards,
Faridabad Branch Office,
Plot No. 43 Sector 16-A,
Mathura Road,
Faridabad-121002

Bureau of Indian Standards,
Jamshedpur Inspection Office,
F-10A, Naamdeeh Road,
Verma Mines Post Office,
Jamshedpur-831007

[No. E-11012/2/94-Hindi]
R.T. PANDEY, Director

भारतीय मानक व्यूरो

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1995

का.आ. 275—भारतीय मानक व्यूरो नियम 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खण्ड “ख” के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूरो प्रदद्धारा अधिसूचित पारता है कि नीचे दिए गए मानक(कों) में संशोधन किया गया है/किए गए हैं।

अनुमूल्य

क्रम संख्या	संशोधित भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन वाग् होने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	ग्राइण्स 14001 : 1994	संशोधन सं. 1, दिसम्बर, 1994	31 दिसम्बर, 1994
2.	ग्राइण्स 14002 : 1994	संशोधन सं. 1, दिसम्बर, 1994	31 दिसम्बर, 1994
3.	ग्राइण्स 14003 : 1994	संशोधन सं. 1, दिसम्बर, 1994	31 दिसम्बर, 1994

इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक व्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, और ओटीय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़ तथा भद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद बंगलार, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद जयपुर, कानपुर, पटना, और त्रिवेन्द्रम, गजियाबाद, तथा फरीदाबाद में विक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[संख्या के प्रति/13 : 5]
पी.एस. दास, अपर महानिदेशक

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, 18 January, 1995

S.O. 275.—In pursuance of clause(b) of Sub-rule(1) or Rule 7 of Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule here annexed has/have been issued.

THE SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standard amended	No. and date of the amendment	Date from which the amendment shall have effect.
1	2	3	4
1.	IS : 14001 : 1994	Amdt. No. 1, December 1994	31 December, 1994
2.	IS : 14002 : 1994	Amdt. No. 1, December 1994	31 December, 1994
3.	IS : 14003 : 1994	Amdt. No. 1, December 1994	31 December, 1994

[No. CMD/13 : 5]

P.S. DAS, Addl. Director Gen.

भारतीय मानक व्यूरो

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1995

का.आ. 276.—भारतीय मानक व्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) की खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूरो एनदब्ल्यूआर अधिसूचित करता है कि जिसका जन भारतीय मानक/मानकों का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है वह वे स्थापित हो गया है/हो गए हैं।

अनुसूची

क्रम	स्थापित भारतीय	नए भारतीय मानक द्वारा	स्थापित तिथि
ग्रं.	मानक(कों) की गणक्या वर्ष और गोपनीक	प्रतिशतमिक भारतीय मानक अथवा मानकों विदि कोई हो, की सं. और वर्ष	
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आईएम : 1287—1993 बिजली के टाइटर—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएम : 1287—1966	1993-11-30
2.	आईएम : 448 (भाग 143)—1993 पेट्रोलियम तथा इसके उत्पादों के परीक्षण की पद्धति भाग 143 पर्यावरण अवचृपण द्वारा सफोद खर्चिज तेलों का मूल्यांकन	—	1993-11-30
3.	आईएम : 1493 (भाग 7)—1993 लोह अयस्कों के यासायनिक विशेषण की पद्धति भाग 7 सीमा तथा/अथवा जम्मा श्रंखला करता—ज्ञाला पर्याप्तिक अवश्योपण सॉक्यू मोटरी पद्धति (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएम : 1493—1959	1993-09-30
4.	आईएम : 1528 (भाग 5)—1993 ऊर्जामह सामग्रियों के नमूने तें की और भौतिक परीक्षण पद्धतियां भाग 5 परिवेश ताप पर विदारण मापांक ज्ञात करना (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएम : 1528—1974	1993-11-30
5.	आईएम : 2071 (भाग 1)—1993—उच्च बोल्टना परीक्षण तकनीक भाग 1 सामान्य परिभाषा और परीक्षण अपेक्षाएं (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएम : 2071 (भाग 1)—1974	1993-10-31
6.	आईएम : 3250—1993—मिथाइल आयोनोन विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएम : 3250—1982	1993-11-30
7.	आईएम : 4151—1993 मोटरसाइकिल चालकों के लिए सरकारी हैल्पेट—विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएम : 4151—1982	1993-10-31
8.	आईएम : 4247 (भाग 1)—1993 पृष्ठीय जल पावर स्टेशन के मंचनात्मक डिजाइन की रीति संहिता भाग 1 डिजाइनों का आवादा (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएम : 4247—1984	1993-11-30

(1)	(2)	(3)	(4)
9.	आईएग : 4570 (भाग 13/प्रत्. 2) — 1993 फिल्स्टल इकाई होल्डर—विशिष्टि भाग 13 स्वचालित प्रहस्तन के लिए क्वार्टज की रूप-रेखा अनुभाग 2 धारा, सीनबन्द दो पिन वाले फिल्स्टल इकाई टाइप मीय 02	—	1993-11-30
10.	आईएस : 5052—1993—एल्यूमीनिम ओर उसकी मिथ्र धारा—टैम्पर अभिनाम (पहला पुनरीक्षण)	आईएग : 5052—1989	1993-10-31
11.	आईएस : 5290—1993—लॉडिंग वाल्व—विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 5290—1983	1993-11-30
12.	आईएस : 5753—1993—एल्का-एमाइल मिनीमिक ग्लैडीहाइड—विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 5763—1982	1993-11-30
13.	आईएस : 8339—1993 स्वचाल धारा—प्रतिवर्ती परावर्तक—विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 8339—1975	1993-11-30
14.	आईएस : 8815—1993—दंत चिकित्सा दांतों और ¹ मुख गुहा के क्षेत्रों के लिए पदनाम तंत्र (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 8815—1978	1993-10-31
15.	आईएस : 9871—1993—अन्तर्रीय जलयान नकाशी के आधे दरवाजे के आवरण—विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 9871—1981	1993-10-31
16.	आईएस : 10242 (भाग 2 प्रत्. 4) — 1993— जहाजों में विशृंत स्थापन—विशिष्टि भाग 2 संबंध डिजाइन अनुभाग 4 विशृंत और विशृंत द्रवचालित भित्तिगिरि गियर	—	1993-11-30
17.	आईएस : 10303—1993—मिट्टी उठाने की मशीनरी—परीक्षण और मंग्रहण (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 10303—1982	1993-10-31
18.	आईएस : 10689—1993—मिट्टी उठाने की मशीनरी—व्यूनतम अभिगम आयाम (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 10689—1993	1993-10-31
19.	आईएस : 10713—1993—तकनीकी ड्राइंग णकुओं के आयाम बनाना और अंतर निर्धारित करना (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 10718—1983	1993-11-30
20.	आईएस : 11113—1993—मिट्टी उठाने की मशीनरी—मीट मूचकोंक बिन्दु (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 11113—1985	1993-09-30
21.	आईएस : 11115—1993—मिट्टी उठाने की मशीनरी—चालक के मानव भौतिक आयाम और चालक के लिए व्यूनतम स्थान क्षेत्र (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 11115—1985	1993-09-30

(1)

(2)

(3)

(4)

22.	आईएस : 11670—1993—नक्नीकी ड्राइंग तकनीकी ड्राइंग में प्रयोग के लिए संक्षिप्त रूप और चिन्ह (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 11630—1986	1993-10-31
23.	आईएस : 13038—1993—पानीविनाइन क्लोराइड आईएस : 13038—1991 के जूते, नेल और बसा प्रतिरोधी—विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)		1993-11-30
24.	आईएस : 13537—1993—अपकेन्द्री पंपों की तकनीकी विशिष्टियाँ श्रेणी 2	—	1993-05-31
25.	आईएस : 13699—1993—मालशालक स्वचल में पहचान	—	1993-09-30
26.	आईएस : 13715 (भाग 1)—1993—प्रणालिक तंत्र स्थित भाग 1 वर्ग विशिष्ट	—	1993-09-30
27.	आईएस : 13728—विद्युत—प्रकाशिक क्ष-किरण प्रतिविम्ब तीव्रकों के प्रवेश क्षेत्र के आकार	—	1993-06-30
28.	आईएस : 13736 (भाग 3)—1993—पर्यावरण अवस्थाओं का वर्गीकरण भाग 1 पर्यावरण प्राचल और उनकी गम्भीरताएँ	—	1993-10-31
29.	आईएस : 13736 (भाग 3/अनु. 5)—1993 पर्यावरण अवस्थाओं का वर्गीकरण भाग 3 पर्यावरण पैगमीटर और उनका कठोरताओं के समूहों का वर्गीकरण अनुभाग 5 भूमि वाहन संरक्षण	—	1993-09-30
30.	आईएस : 13736 (भाग 3/अनु. 7)—1993 पर्यावरण अवस्थाओं का वर्गीकरण भाग 2 पर्यावरण पैगमीटर और उनका कठोरताओं के समूहों का वर्गीकरण अनुभाग 7 मुद्रात्मक और अभिकरण उपयोग	—	1993-07-31
31.	आईएस : 13742 (भाग 9)—1993—कार्बाइड टिपदार एक नोक बालं औजार भाग 9 वेधन और प्रफलक औजार (आईएसओ) 9	—	1993-10-31
32.	आईएस : 13770—1993—घुले विद्युत्समय के लिए विद्युत रोधन फोम—भर्ति नलियाँ और ठोस सरिए	—	1993-10-31
33.	आईएस : 13829—1993—कीटनाशी—कृषि और खाद्य पदार्थों, मिट्टी एवं पानी में अवशिष्ट ज्ञात करने की पद्धति—ग्राहात्रिन एवं सिमाजिन	—	1993-10-31
34.	आईएस : 13832—1993—कीटनाशी—कृषि और खाद्य पदार्थों, मिट्टी एवं पानी में अवशिष्ट ज्ञात करने की पद्धति—डाइथियोकार्बमेट्स	—	1993-11-30
35.	आईएस : 13834 (भाग 5)—1993—क्रेन-वर्गीकरण भाग 5 शिरोपरि चलने वाली तथा पोर्टल ब्रिज क्रेन	—	1993-11-30
36.	आईएस : 13879—1993—वस्त्रादि मणीनरी एवं सहायकांग—करघे में हील्ड फेमों का संख्यांकत	—	1993-10-31

(1)	(2)	(3)	(4)
37.	प्राईएस: 13900—1993—विद्युत स्थैतिक फोकरा और विद्युत चुम्पकीय विभेद यूक्त रंगी चिक्कनली की मूल विशिष्टि	—	1993-11-30
38.	प्राईएस: 13905—1993—इस्पान बनाने के लिए इटिकाकृत स्पंज लोहा (एचबीआई—विशिष्टि	—	1993-11-30

इन मानकों को प्रतियां भारतीय मानक व्यूरो, मानक भवन 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़ और मद्रास तथा शाक्वा कार्यालयों, अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जधुपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेन्द्रम, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद में विक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[सं. के.प्र.वि/13 : 2]

पी.एस.दास, अपर महानिदेशक

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 18th January, 1995

S.O. 276.—In pursuance of clause(b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, The Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), Particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established on the date indicated against each.

THE SCHEDULE

Sl. No.	No. Year and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishment.
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 1287-1993 Electric toaster-specification (third revision)	IS : 1287:1966	93-11-30
2.	IS : 1448(P-143)-1993 Methods of test for petroleum and its products (P-143) evaluation of white mineral oils by ultraviolet absorption	IS : —	93-11-30
3.	IS : 1493 (Part 7)-1993 Method of chemical analysis of iron ores Part 7 determination of lead and/or zinc content flame atomic absorption spectrometric method (first revision)	IS : 1493-1979	93-09-30
4.	IS : 1828(Part 5)-1993 Method of sampling and physical tests for refractory materials Part 5 determination of modulus of rupture at ambient temperature (second revision)	IS : 1328-1974	93-11-30
5.	IS : 2071 (Part 1)-1993 High voltage test techniques Part 1 general definitions and test requirements (second revision)	IS : 2071(Part 1)-1974	93-10-31
6.	IS : 3250-1993 ethyl ionone-specification (second revision)	IS : 3250-1982	93-11-30
7.	IS : 4151-1993 Protective helmets for motorcycle riders-specification (first revision)	IS : 4151-1982	93-10-31

1	2	3	4
8.	IS : 4247 (Part 1)—1993 Structural design of surface hydroelectric power stations Part 1 data for design-code of practice (third revision)	IS : 4247—1984	93-11-30
9.	IS : 4570 (Part 13/Sec 2)—1993 Crystal unit holders—specification Part 13 quartz crystal unit holder outline for automatic handling section 2 metal, sealed, two pin crystal unit holder type CU 02	IS : —	93-11-30
10.	IS : 5052—1993 Aluminium and its alloys—temper designations (first revision)	IS : 5052—1869	93-10-31
11.	IS : 5290—1993 Landing valves—specification (third revision)	IS : 5290—1983	93-11-30
12.	IS : 5753—1993 Alpha-amyl cinnamic aldehyde—specification (second revision)	IS : 5753—1982	93-11-30
13.	IS : 8339—1993 Automotive vehicles reflex reflectors—specification (first revision)	IS : 8339—1976	93-11-30
14.	IS : 8815—1993 Dentistry—designation system for teeth and areas of the oral cavity (first revision)	IS : 8815—1978	93-10-31
15.	IS : 9871—1993 Inland vessels—wooden hatch covers—specification (first revision)	IS : 9817—1981	93-10-31
16.	IS : 10242 (Part 2/Sec 4)—1993 Electrical installations in ships specification Part 2 system design section 4 electric and electro-hydraulic steering gear.	—	93-11-30
17.	IS : 10303—1993 Earth-moving machinery preservation and storage (first revision)	IS : 10303—1982	93-10-31
18.	IS : 10689—1993 Earth-moving machinery minimum access dimension (first revision)	IS : 10689—1983	93-10-31
19.	IS : 10718—1993 Technical drawings Dimensions and tolerancing of cones (first revision)	IS : 10718—1983	93-11-30
20.	IS : 11113—1993 Earth-moving machinery—seat index point (first revision)	IS : 11113—1985	93-09-30
21.	IS : 11115—1993 Earth moving machinery human Physical dimensions of operators and minimum operator space envelope (first revision)	IS : 11115—1985	93-09-30
22.	IS : 11670—1993 Technical drawings—abbreviations symbols for use in technical drawings (first revision)	IS : 11670—1986	93-10-31
23.	IS : 13038—1993 Polyvinyl chloride boots, resistant to oils and fats—specification (first revision)	IS : 13038—1991	93-11-30
24.	IS : 13537—1993 Technical specification for centrifugal pumps—Class 2	—	93-05-31
25.	IS : 13699—1993 Freight containers—automatic identification	—	93-09-30
26.	IS : 13715 (Part 1)—1993 Fibre optic switches Part-1 generic specification	—	93-09-30
27.	IS : 13728—1993 Entrance field sizes of electrooptical X-ray image intensifiers	—	93-06-30
28.	IS : 13736 (Part 1)—1993 Classification of environmental conditions Part-1 classification of environmental parameters and their severities.	—	93-10-31

1	2	3	4
29.	IS : 13736 (Part 3/Sec 5)-1993 Classification of environmental conditions Part-3 classification of groups of environmental parameters and their severities Section 5 ground vehicle installations	—	93-09-30
30.	IS : 13736 (Part 3/Sec 7)-1993 Classification of environmental conditions Part-3 Classification of groups of environmental parameters and their severities Section 7 portable and non-stationery use	—	93-07-31
31.	IS : 13742 (Part 9)-1993 Carbide tipped single point tools-ISO series Part-9 boring and facing tool (ISO 9)-specification	—	93-10-31
32.	IS : 13770-1993 Insulating foam-filled tubes and solid rods for live working	—	93-08-31
33.	IS : 13829-1993 Pesticide-method for determination of residues in agricultural and food commodities, soil and water-atrazine and simazine	—	93-10-31
34.	IS : 13832-1993 Pesticide-method for determination of residues in agricultural and food commodities, soil and water-dithiocarbamates	—	91-11-30
35.	IS : 13834 (Part 5)-1993 Cranes-classification Part 5 overhead travelling and portal bridge cranes	—	93-11-30
36.	IS : 13879-1993 Textile machinery and accessories-numbering of heald frames in a loom	—	93-11-31
37.	IS : 13900-1993 Generic specification for colour picture tube with electrostatic focussing and electromagnetic deflection for colour television receivers	—	93-11-30
38.	IS : 13905-1993 Hot briquetted sponge iron(HBI) for steel making-specification	—	93-11-30

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Faridabad, Ghaziabad, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Lucknow Patna, Thiruvananthapuram.

[No. CMD/13 : 2]
P.S. DAS, Addl. Director General

भारतीय मानक व्यूरो

नई विली, 19 जनवरी, 1995

का.आ. 277—भारतीय मानक व्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) की खंड (ब) के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूरो एवं द्वारा प्रधिसूचित करता है कि जिस/जिन भारतीय मानक/मानकों, का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/दिए गए हैं, वह/वे स्थापित हो गया है/हो गए हैं।

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक(कों) की संख्या, वर्ष और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा प्रतिक्रियण मिति भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हों, की सं० और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 302-2-24 : 1994 घरेलू और सम्बद्ध विद्युत, साधनों की गुरुका भाग 2 विशेष प्रयोग भाग 24 रेफिजरेटर, खाद्य प्रशीलित तथा बर्फ तैयार करने वाले साधन	—	1994-06-30

(1)	(2)	(3)	(4)
2. आई एवं 959 : 1994 विजली के टांकिए की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस 959 : 1980		1994-07-31
3. आई एस 1626 (भाग 1) : 1994 एसबेस्टास सीमेंट के भवन निर्माण पाइप तथा फिटिंग गटर तथा गटर फिटिंग तथा निर्माण फिटिंग—विशिष्टि भाग 1 पाइप तथा पाइप फिटिंग (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 1626 (भाग 1) 1991		1994-08-31
4. आईएस 1926 (भाग 3) : 1993 एसबेस्टास सीमेंट के भवन निर्माण पाइप तथा फिटिंग गटर तथा गटर फिटिंग तथा छत निर्माण फिटिंग—विशिष्टि भाग 3 छत निर्माण फिटिंग (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 1626 (भाग 3) 1981		1994-09-30
5. आई एस 1683 : 1994 रबड़ उद्योग के लिए बैराइट्स—विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 1683 : 1973		1994-09-30
6. आई एस 1769 (भाग 1) : 1994 सिगार और चल्ट—विशिष्टि भाग 1 सिगार (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 1769 (भाग 1) 1973		1994-07-31
7. आई एस 2200 : 1994 क्षेत्रिज तकुप्रो वाली परिवर्त्य ऊंचाई की मेज वाली मिलिंग मशीनों के लिए परीक्षण चार्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 2200 : 1973		1994-08-31
8. आई एस 395 (भाग 2) : 1994 कंक्रीट चिनाई और प्लास्टर सतहों की पैटिंग—रीति संहिता, भाग 2 सूचियां (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 2395 (भाग 2) 1967		1994-07-31
9. आई एस 2556 (भाग 4) : 1994 कांचाम स्वरूपता चित्रों की विशिष्टि (कांचाम चीनी मिट्टी) भाग 4 वांश बेसिन की अपेक्षाएं (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस 2566 (भाग 4) 1972		1994-08-31
10. आई एस 3025 (भाग 47) : 1944 जल और अपशिष्ट जल के नमूने लेना (भौतिक एवं रासायनिक) तथा परीक्षण पद्धतियां भाग 47 सीमा (पहला पुनरीक्षण)	—		1994-10-31
11. आई एस 3612 : 1994 संच लन तथा घर्षण उपस्कर-यार्गीकरण मापने की क्षमता की पद्धतियां (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 3612 : 1966		1994-09-30
12. आई एस 4107 : 1974 वस्त्रादि—खादी का ऊनी ब्लैक फिटिंग कपड़ा—विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 4107 : 1967		1994-08-31
13. आई एस 4372 : 1994 वस्त्रादि—खादी का ऊनी रंगीन ट्रिवल कपड़ा—विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 4372 : 1967		1994-08-31
14. आई एस 4398 : 1994 बाल रोलर और बेयरिंग रेसों के निर्माण के लिए कार्बन कोमियम इस्पात—विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 4398 : 1972		1994-08-31

(1)	(2)	(3)	(4)
15.	आईएस 4410 (भाग 11/अनु 6) : 1994 नवी घाटी परि- योजनाओं सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दावली, भाग 11 जल विज्ञन अनुभाग 6 भूमिजल	आईएस 4410 (भाग 11/अनुभाग 6) 1985	1994-09-30
16.	आईएस 5452 : 1994 निर्जलीकृत लहसुन की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 452 : 1991	1994-09-30
17.	आईएस 5508 (भाग 24) : 1994 मछली पकड़ने के गियर की मार्गवर्णिका, भाग 24, 37.1 मी. बटरलफलाई ट्राल	--	1994-09-30
18.	आईएस 5572 : 1994 संकटमय थेतों का वर्गीकरण (खानों की छोड़कर) विद्युतीय संस्थापन के लिए ज्वलनशील गैस और वाष्प वाले (दूसरा पुनरीक्षण)	--	1994-08-31
19.	आईएस 5797 : 1994 वायुयानों में ईधन भरने तथा ईधन निकालने वाले रबड़ के होज—विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएस 5797 : 1989	1994-06-30
20.	आईएस 6192 : 1994 वस्त्रादि—एकाधात अनुकूलित उच्च पोलीइथाइली न टेप की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस 6192 : 1984	1994-09-30
21.	आईएस 8175 : 1994 तंत्र शब्द किया उपकरण—चिमटी, धमनी सीधी, तथा चपटे भाग पर से बक, हुग कैन के नमूने की आकृति एवं आयात (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 8175 : 1976	1994-09-30
22.	आईएस 8249 : 1994 जिक सल्फेट हेप्टाहाइड्रेट कृषि ग्रेड— विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 8249 : 1994	1994-08-31
23.	आईएस 8329 : 1994 पार्टी, गैस और मलजल के लिए उपक्रेमित ढले (स्पन) तथ्य लोहा के दाब पाइ—विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस 8329 : 1990	1994-10-31
24.	आईएस 8526 : 1994 वायरीय तरल पावर सिलिंडरों के बोर और पार्ट चूड़ियों के साइज—मिकारिशें (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 8526 : 1977	1994-07-31
25.	आईएस 8885 : 1994 चिकित्सीय विद्युत उपस्कर इलेक्ट्रो- मायोग्राफ—विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 8885 : 1978	1994-10-31
26.	आईएस 10431 : 1994 नोजल द्वारा संपीड़िकों और निर्वातकों का वायु प्रवाह मापन (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 1043 : 1983	1994-09-30
27.	आईएस 10923 : 1994 कार्बाइड टिपदार और ठोस कार्बाइड रीमर-तकनीकी पूर्ति शर्तें (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 10923 : 1984	1994-08-31
28.	आईएस 10983 : 1994 तरल पावर—सिलिंडर पारस्परिक अनुप्रयोगों में पिस्टन तथा छड़ सील के सिए पेटियां—आयाम तथा छूटें सिफारिशें (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 10983 : 1984	1994-06-30

(1)	(2)	(3)	(4)
29.	आईएस 13174 (भाग 2) : 1994 जीवन चक्र लागत भाग 2 पद्धति विज्ञान	—	1994-08-31
30.	आईएस 13416 (भाग 3) : 1994 कार्यस्थलों पर खतरों के विश्व एहतियाती उपाय—सिफारिशें भाग 3 मलबे का निपटान	—	1994-07-31
31.	आईएस 13730 (भाग 6) : 1994 कुंचलन तारों के विशेष प्रकारों की विशिष्टि भाग 6 ओलियो रेजिनास इनैमलकृत गोल एल्युमीनियम के तार वर्ग 105	—	1994-09-30
32.	आईएस 13730 (भाग 9) : 1994 कुंचलन सारों के विशेष प्रकारों की विशिष्टि भाग 9 पौलीएस्टर इनैमलकृत गोल एल्युमीनियम के तार, वर्ग 130	—	1994-09-30
33.	आईएस 13934 : 1994 पार्श्व अपवर्षण के लिए दो स्तम्भ वाली अपवर्षण भूमिका के परीक्षण चार्ट	—	1994-08-31
34.	आईएस 13951 : 1994 वायुयान/विमान प्रचालकों के लिए भारी वस्तु उठाने के लिए प्लेटफार्म—सामान्य अपेक्षाएं	—	1994-07-31
35.	आईएस 13969 : 1994 भूमिगत पानी के नमूने लेने के मार्गदर्शी सिद्धांत	—	1994-07-31
36.	आईएस 13970 (भाग 3) 1994 कृत्रिम अंग रोपण विज्ञान (प्रोस्टेटिक्स) तथा और्थोटिक्स शब्दावली भाग 3 वाहांग और्थोटिक्स से सम्बद्ध पारिभाषिक शब्द	—	1994-08-31
37.	आईएस 3990 : 1994 पूर्व ढासी प्रबलित प्लैक एवं जाइस्ट विशिष्टि	—	1994-08-31
38.	आईएस 13994 : 1994 पूर्व ढासी प्रबलित प्लैक एवं जाइस्ट से बनी फर्श एवं छत की डिजाइन एवं निर्माण—रीति संहिता	—	1994-09-30
39.	आईएस 14124 - 1994 मैलिक अम्ल, जायद प्रेष्ठ—विशिष्टि	—	1994-05-31
40.	आईएस 14141 : 1994 स्वच्छ वाहन—हवारोक धावन तंत्र—कार्यकारिता अपेक्षाएं	—	1994-07-31
41.	आईएस 14142 : 1994 पूर्व निर्मित ईंट पैनल एवं आंशिक पूर्वभलित जाइस्ट से बनी फर्श एवं छत के डिजाइन एवं निर्माण—रीति संहिता	—	1994-07-31
42.	आईएस 14147 (भाग 3) : 1994 पहचान कार्ड रिकार्ड करने की तकनीक भाग 3 पहचान कार्ड पर उचित्रण वर्ष का स्थान	—	1994-06-30
43.	आईएस 14151 (भाग 1) : 1994 सिचाई तंत्र के छिकाब यंत्र के लिए पालीइथाइलीन पाइप भाग 1 पाइप	—	1994-09-30
44.	आईएस 14157 : 1994 सिमाजिस, तकनीकी—विशिष्टि	आईएस	1994-06-30
45.	आईएस 14159 : 1994 कीटनाशक—कारतप हाइड्रो-क्लोरोइड, तकनीकी—विशिष्टि	—	1994-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)
46. आई एस 14161 : 1994 कीटनाशी-कृषि खाद्य वस्तु, मिट्टी एवं पानी में मैटालोकिसल ज्ञात करने की पद्धति	—		1994-07-31
47. आई एस 14178 : 1994 बोबकृत सिचाई उपस्कर पार-भाषिक शब्दावली	—		1994-10-31
48. आई एस 14187 : 1994 कीटनाशक-डेपा, तकनीकी, विशिष्टि	—		1994-10-31
49. आई एस 14193 : 1994 डिम्बक्षरण थर्ममीटर; विशिष्टि	—		1994-10-31
50. आई एस 14197 : 1994 द्रवचालित टरबाइनों के माडध-स्वीकरण परीक्षण की संक्रिता	—		1994-10-31
51. आई एस 14203 : 1994 आग प्रतिरोधी अभिलेख संरक्षण कैविनेट—विशिष्टि	—		1994-09-30
52. आई एस 14205 (भाग 1) : 1994 आग टरबाइन भाग 1 विशिष्टि	—		1994-08-31
53. आई एस 14216 : 1994 मिर्च और मसालों के प्रक्रमण इकाइयों के लिए स्वास्थ्यकर रीति संहिता	—		1994-09-30
54. आई एस क्यूसी 302401 : 1994 मुख्य ब्रदाय में संबोजन और विद्युत चुम्बकीय अक्सित्करण निरोध के लिए स्थिर संधारितों के लिए इलैक्ट्रानी उपस्कर खाली और श्रेत्रीय विशिष्टि में प्रयुक्त स्थिर संधारित्र लेवल 'ई' का निर्धारण	—		1994-09-30
55. आई एस क्यू सी 420000 : 1994 इनैच्ट्रानिक उपस्कर में उपयोग के लिए चररोधक सामान्य विशिष्टि	—		1994-09-30
56. आई एस क्यूसी 420100 : 1994 इनैच्ट्रानिक उपस्कर में उपयोग के लिए चररोधक-प्रोत्कर्ष निरोध चररोधकों की विधय विशिष्टि	—		1994-09-30
57. आई एस क्यूसी 420101 : 1994 इनैच्ट्रानिक उपस्कर में उपयोग के लिए निरोधक सिनिकान कार्बाइड प्रोत्कर्ष निरोध-चररोधकों की खाली विवरण विशिष्ट मूल्यांकन स्तर "ई"	—		1994-09-30

इन मानकों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली 110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों बम्बई, फ्लकना, चण्डीगढ़ तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुडाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और दिल्ली, गाजियाबाद तथा करीबाबाद में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 19th January, 1995

S.O. 277.— In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established on the date indicated against each :

SCHEDULE

Sl. No.	No. year and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the New Indian Standard	Date of Establishment
1	2	3	4
1.	IS :302-2-24 : 1994—Safety of household and similar electrical appliances Part 2 Particular Requirements Section 24 Refrigerators, Food-Freezers and Ice-Makers	—	1994-06-30
2.	IS : 959-1994—Specification for electric soldering irons (Third Revision)	IS : 959-1980	1994-07-31
3.	IS 1626(Part 1)-1994—Asbestos cement building pipes and pipe fittings, gutters and gutter fittings and roofing fittings—specification Part 1 Pipes and pipe fittings (Second Revision)	IS : 1626(Part 1)-1991	1994-08-31
4.	IS : 1626 (Part 3)-1994—Asbestos cement building types and pipe fittings, gutter and gutter fittings and roofing fittings—specification Part 3 Roofing Fittings (Second Revision)	IS 1626(Part 3)-1981	1994-09-30
5.	IS : 1683-1994—Barytes for rubber industry—specification (Second Revision)	IS : 1683-1973	1994-09-30
6.	IS : 1769 (Part 1)-1994—Cigars and cheroots—specification Part 1 Cigars (Second Revision)	IS : 1769(Part 1)-1973	1994-07-31
7.	IS : 2200-1994—Test chart for milling machines with table of variable height, with horizontal spindle (Second Revision)	IS : 2200-1973	1994-09-31
8.	IS : 2395 (Part 2)-1994—Painting of concrete, masonry and plaster surfaces—code of practice Part 2 Schedules (First Revision)	IS : 2395 (Part 2)-1967	1994-07-31
9.	IS : 2556 (Part 4)-1994—Vitreous sanitary appliances (Vitreous China)—Specification Part 4 Specific Requirements of Wash Basins (Third Revision)	IS : 2556(Part 4)-1972	1994-08-31
10.	IS : 3025 (Part 47)-1994—Methods of sampling and test (Physical and chemical) for water and waste water Part 47 Lead (First Revision)	IS —	1994-10-31
11.	IS : 3612-1994—Crushing and grinding equipment—classification and methods for measuring capacity (First Revision)	IS : 3612-1966	1994-09-30
12.	IS : 4107-1994—Textiles—Blanketing cloth, wool khadi—Specification (First Revision)	IS : 4107-1967	1994-08-31
13.	IS : 4372-1994—Textiles—cloth, Twill, wool Khadi, dyed—specification (First Revision)	IS : 4372-1967	1994-08-31

1	2	3	4
14.	IS : 4398—1994—Carbon-chromium steel for the manufacture of balls, rollers and bearing races—specification (Second Revision)	IS : 4398—1972	1994-08-31
15.	IS : 4410(Part 11/Sec 6)—1994—Glossary of terms relating to river valley projects Part 11 Hydrology Section 6 Ground Water	IS : 4410(Part 11/Sec 6) 1985	1994-09-30
16.	IS : 5452—1994—Spices and condiments—Dehydrated garlic—specification (First Revision)	IS : 5452—1991	1994-09-30
17.	IS : 5508 (Part 24)—1994—Guide for fishing gear Part 24 37.1m Butterfly Trawl	—	1994-09-30
18.	IS : 5572—1994—Classification of hazardous areas (other than mines) having flammable gases and vapours for electrical installation (Second Revision)	—	1994-08-31
19.	IS : 5797—1994—Rubber hose for aircraft refuelling and defuelling—Specification (Third Revision)	IS : 5797—1989	1994-06-30
20.	IS : 6192—1994—Textiles—Monoaxially oriented high density polyethylene tapes—Specification (Second Revision)	IS : 6192—1984	1994-09-30
21.	IS : 8175—1994—Neurosurgical instruments—Forceps, artery, straight and curved on flat, hugh cairn's pattern—shape and dimesnsions (First Revision)	IS : 8175—1976	1994-09-30
22.	IS : 8249—1994—Zinc sulphate heptahydrate, agricultural grade—Specification (First Revision)	IS : 8249—1994	1994-08-31
23.	IS : 8329—1994—Centrifugally cast (spum) ductile iron pressure pipes for water, gas and sewage—specification (Second Revision)	IS : 8329—1990	1994-10-31
24.	IS : 8526—1994—Sizes for bores and port threads for threads for pneumatic fluid power cylinders—Recommendations (First Revision)	IS : 8526—1977	1994-07-31
25.	IS : 8885—1994—Medical electrical equipment—electromycograph-Specificat 'on (First Revision)	IS : 8885—1978	1994-10-31
26.	IS : 10431—1994—Measurement of air flow of compressors and exhausters by nozzles (First Revision)	IS : 10431—1983	1994-09-30
27.	IS : 10923—1994—Carbide Tipped and solid carbide reamers—technical supply conditions (First Revision)	IS : 10923—1984	1994-08-31
28.	IS : 10983—1994—Fluid power-cylinders-housing for piston and rod seals in reciprocating applications dimensions and tolerances-recommendations (First Revision)	IS : 10983—1984	1994-06-30
29.	IS : 13174 (Part 2)—1994—Life cycle costing Part 2 Methodology	—	1994-08-31
30.	IS : 13416 (Part 3)—1994—Preventive measures against hazards at work-places-recommendat 'ons Disposal of debris	—	1994-07-31
31.	IS : 13730 (Part 6)—1994—Specification for particular types of winding wires Part 6 Oleo-resinous enamelled round aluminium wire, class 105	—	1994-09-30
32.	IS : 13730 (Part 9)—1994—Specification for particu- lar types of winding wires Part 9 Polyester enamelled round aluminium wire, Class 130	—	1994-09-30

1	2	3	4
33.	IS : 13934—1994—Test charts for surface grinding machines with two columns for grinding slideways	—	1994-08-31
34.	IS : 13951—1994—Heavy item lift platform for aircraft/airport operations—general requirements	—	1994-07-31
35.	IS : 13969—1994—Sampling of groundwaters—guidelines	—	1994-07-31
36.	IS : 13970 (Part 3)—1994—Prosthetics and orthotics—vocabulary Part 3 terms relating to external orthoses	—	1994-08-31
37.	IS : 13990—1994—Precast reinforced concrete planks and joints for roofing and flooring—Specification	—	1994-08-31
38.	IS : 13994—1994—Design and construction of floor and roof with precast reinforced concrete planks and joists—code of practice.	—	1994-09-30
39.	IS : 14124—1994—Malic acid, food grade—specification	—	1994-05-31
40.	IS : 14141—1994—Automotive vehicles electrical windshield washing systems—performance requirements	—	1994-07-31
41.	IS : 14142—1994—Design and construction of floors and roofs with prefabricated bricks panel—code of practice.	—	1994-07-31
42.	IS : 14147 (Part 3)—1994—Identification cards—recording technique Part 3 Location of embossed characters on ID-1 cards	—	1994-06-30
43.	IS : 14151 (Part 1)—1994—Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems Part 1 pipes	—	1994-09-30
44.	IS : 14157—1994—Simazine, Technical—Specification	—	1994-06-30
45.	IS : 14159—1994—Cartap hydrochloride, technical—specification	—	1994-07-31
46.	IS 14161 : 1994—Pesticides—determination of metalaxyl residues in agricultural, food commodities, soil and water.	—	1994-07-31
47.	IS : 14178—1994—Pressurized irrigation equipment—terminology.	—	1994-10-31
48.	IS : 14187—1994—Dcpa, technical—specification.	—	1994-10-31
49.	IS : 14193—1994—Ovulation thermometers—specification.	—	1994-10-31
50.	IS : 14197—1994—Code for model acceptance tests of hydraulic turbines	—	1994-10-31
51.	IS : 14203—1994—Fire resisting record protection cabinets—specification.	—	1994-09-30
52.	IS : 14205 (Part 1)—1994—Steam turbine Part 1 specification.	—	1994-08-31
53.	IS : 14216—1994—Code for hygienic practice for spices and condiments processing units.	—	1994-09-30
54.	IS : QC 302401—1994—Fixed capacitors for use in electronic equipment blank detail specification for fixed capacitors for electromagnetic interference suppression and connection to the supply mains assessment level D	—	1994-09-30
55.	IS QC 420000—1994—Varistors for use in electronic generic specification.	—	1994-09-30

1	2	3	4
56.	IS-QC 420100-1994—Varistors for use in electronic equipment—sectional specification for surge suppression varistors	—	1994-09-30
57.	IS QC 420101-1994—Varistors for use in electronic equipment—blank detail specification for silicon carbide surge suppression varistors—assessment level E	—	1994-09-30

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices: New Delhi, Calcutta, Chandigarh, Madras, Bombay and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Faridabad, Ghaziabad, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Lucknow, Patna, Thiruvananthapuram.

[No. CMD/13:2]

P.S. DAS, Addl. Director General

भारतीय मानक व्यूरो

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1995

का.आ. 278.—भारतीय मानक व्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) की खंड (य) के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिस/जिन भारतीय मानकों, का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/हो गए हैं, वह/वे स्थापित हो गया है/हो गए हैं :

अनुसूची

क्रम	स्थापित भारतीय मानक (कों) की मंख्या वर्षा और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित स्थापित तिथि
		भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हों, की सं. और वर्षा

1	2	3	4
1.	आई एस : 583-1994 भारी कार्य के प्रयोजनों के लिए टखने तक के बूट—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 583-1981	1994-01-31
2.	आई एस : 648-1994 चुस्कोय सर्किट के लिए गैर-दिशात्मक विद्युत-इस्पात की चढ़दरे एवं पत्तियां—विशिष्ट (चौथा पुनरीक्षण)	आई एस : 648-1980	1994-02-28
3.	आई एस : 1200 (भाग 13)-1994 भवन निर्माण और सिविल इंजीनियरी कार्यों की मापन पद्धतियां भाग 13 भवन सतहों की सफेदी, रंगीन पुताई, डिस्ट्रेम्पर व रोगन (पांचवा पुनरीक्षण)	आई एस : 1200 (भाग 13)-1987	1994-03-31
4.	आई एस : 1322-1993 जलतर और नमतर बनाने के लिए विद्युमेन नदेवे—विशिष्ट (चौथा पुनरीक्षण)	आई एस : 1322-1982	1993-12-31
5.	1891 (भाग 1)-1994 संयोजक और उत्थापक के लिए वस्त्रायि पट्टे बनाना—विशिष्ट भाग 1 सामान्य प्रयोजन के लिए पट्टे बनाना (चौथा पुनरीक्षण)	आई एस : 1891 (भाग 1)-1988	1984-02-28
6.	आई एस : 4738-1993 पट्टी, पेरिस के पलस्तर वाली—विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 4738-1989	1993-12-31

1	2	3	4
7.	आई एस : 7567-1993 पुनः बन्द होने वाले स्वचालित सर्किट की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 7567-1983	1993-12-31
8.	आई एस : 7611-1993 अतर्दृष्टि इंजन विकारक-विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 7611-1975	1993-12-31
9.	आई एस : 7646-1994 बेंजाइल-जे-अम्ल तकनीकी-विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 7646-1975	1994-02-28
10.	आई एस : 7917-1994 भारताही धारक-वायु/सतही (श्रृंतरमाडल) सामान्य प्रयोजन के धारक-विशिष्टि एवं परीक्षण (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 7917 (भाग 1 एवं 2)-1975	1994-03-31
11.	आई एस : 8236-1994 केन कैरियर के लिए स्लेट-विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 8236-1976	1994-01-31
12.	आई एस : 8345-1994 हृदय वाहिका शल्य किया उपकरण अनुप्रस्थिकिया प्रकार के बुलडांग ब्लेपरविशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 8345-1977	1994-02-28
13.	आई एस : 10043-1994 स्वचल बाहन स्कूटर और मोटर-साइकिल की नियन्त्रण युक्तियां, संकेतक और टैलेटेल के लिए प्रतीक (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 10043-1981	1994-02-28
14.	आई एस : 10350-1993 खिजाब पाउडर-विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 10350-1982	1993-12-31
15.	आई एस : 10881-1994 स्वचल बाहन मोपेड, स्कूटर तथा मोटर साइकिल-ईधन खपत के मूल्यांकन की पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 10881-1984	1994-02-28
16.	आई एस : 11000 (भाग 2/अनु 3)-1994 अग्नि जोखिम परीक्षण भाग 2 परीक्षण पद्धतियां अनुभाग 3 हीठों के द्विसंयोजन परीक्षण	--	1994-02-28
17.	आई एस : 11154 (भाग 2)-1994 नाम पटिकाएं-प्रायाम आई एस : 11154-1984 भाग 2 परिचालन नाम पटिकाएं (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 11154-1984	1994-02-28
18.	आई एस : 11154 (भाग 3)-1994 नाम पटिकाएं भाग 3 त्रिभुजीय नाम पटिकाएं (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 11154-1984	1994-02-28
19.	आई एस : 12032 (भाग 9)-1993 विद्युत तकनीकी क्षेत्र से संबंधित आरेखों के लिए ग्राफीय संकेत भाग 9 दूरसंचार स्विच तथा उपान्त उपस्कर	--	1994-12-31
20.	आई एस : 12735-1994 तार रस्से तथा क्षेत्र-उपयोग के लिए सुरक्षा मापदंड और निरीक्षण कार्यविधियां (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 12735-1989	1994-02-28
21.	आई एस : 13736 (भाग 2/चंड 1)-1993 पर्यावरण अवस्थाओं का वर्गीकरण भाग 2 प्रकृति में दिखाई देने वाली पर्यावरण अवस्थाएं अनुभाग 1 तापमान और ग्राद्दता	--	1993-10-31
22.	आई एस : 13737-1993 सूचना प्रौद्योगिकी सूचना विनियम के लिए 130 एम एम पुनर्निवनीय प्रकाशिक डिस्क कार्ट्रिज सूचना विनियम	--	1993-12-31

1	2	3	4
23.	आई एस : 13768-1993 मिट्टी उठाने की मशीनरी- लुढ़कतो हुई मशीन और गिरती वस्तुओं से संरक्षी संरचनाओं का प्रयोगगाला मूल्यांकन विक्षेप सीधानिधारण आदतन की विशिष्टि	--	1993-12-31
24.	आई एस : 13002-1993 तट से दूर प्लेटफार्म पाइपलाइन के लिए मसूद्रतल हंजीनियरी (भू-भौतिकी) सर्वेक्षण क. आयोजना और कार्य निष्पादन मार्ग दर्शी सिद्धांत	--	1993-12-31
25.	आई एस : 13848-1993 अन्तर्राष्ट्रीय जलयान रबड़ के हजन छाज विशिष्टि	--	1993-11-30
26.	आई एस : 13866-1994 वस्त्रादि मशीनरी एवं सहावकांग कुड़लन-मूलशब्द	--	1994-02-28
27.	आई एस : 13868-1993 सूचना प्रक्रमण तंत्रों के लिए आंकड़े संचारण में कार्यक्रम सेवा परिभाषा	--	1993-12-31
28.	आई एस : 13873-1993 कार्मिक और पर्यावरणीय मानीटरों के लिए तापसंबोधि मानाभिति	--	1993-11-30
29.	आई एस : 13930-1994 पोतनिमणि जहाज के मुख्य हंजन के ताप पानी के शीतलतंत्र रीति संहिता	--	1994-01-31
30.	आई एस 13939-1994 फार्म जल निकास बागान के लिए जल अवरोधक नाली बनाने की मार्गदर्शिका।	--	1994-02-28
31.	आई एस 13946 (भाग 1)-1994 शैल प्रतिबल ज्ञात करना-रीति संहिता भाग 1 द्रवचालित विमंजन तकनीक का उपयोग करते हुए	--	1994-02-28
32.	आई एस 13954-1994 द्वि अनप्त लघुकृत विद्युत अपघटनी टिनप्लेट चद्धर-विशिष्टि	--	1994-03-31
33.	आई एस 13960-1994 तापसुष्ठृद्य परिपट्टन-विशिष्टि	--	1994-02-28
34.	आई एस 14000 (भाग 4)-1994 गुणता प्रबंध तथा गुणता ग्रास्यासन मानक भाग 4 निर्भरणीयता कार्यक्रम प्रबंध की मार्गदर्शिका	--	1994-03-31
35.	आई एस : 14004 (भाग 3)-1994 गुणता प्रबंध तथा गुणता तंत्र घटक भाग 3 संसाधित सामग्री के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत	--	1994-03-31
36.	आई एस 14004 (भाग 4)-1994 गुणता प्रबंध तथा गुणता तंत्र घटक भाग 4 गुणता सुधार के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत	--	1994-03-31
37.	आई एस अंगूषी 390000-1994 इलैक्ट्रोनिकी उपस्कर में उपयोग के लिए जड़ित फिल्म प्रतिरोधक नेटवर्क की सामान्य विशिष्टि	--	1994-02-28
38.	आई एस : अंगूषी 750107-1994 अध्यचालक युक्तियां विशिष्ट युक्तियां—दो ध्रुवीय ट्रांजिस्टर उच्च बारम्बारता अनुप्रयोगों के लिए केस रेटिट दो ध्रुवीय ट्रांजिस्टर की खाली विवरण विशिष्टि	--	1994-02-28

इन मानकों की प्रतियां भारतीय मानक व्यूरो, मानक भवन, १ बहादुरगाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-११०००२ और क्षेत्रीय कार्यालयों अस्वर्द्ध, कलकत्ता, चंडीगढ़ तथा मद्रास और शाक्वा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जगपुर, कानपुर, पटना और तिवेन्द्रम, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद में विकी हेतु उपलब्ध हैं।

S.O. 278.—In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established on the date indicated against each:

THE SCHEDULE

Sl. No.	No. and year and Title of the Indian Standard(s)	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishment
1	2	3	4
1.	IS : 583-1994 Ankle boots for heavy duty purposes—specification (third revision)	IS : 583-1981	1994-01-31
2.	IS : 648-1994 Non-oriented electrical steel sheets and strips for magnetic circuits—specification (fourth revision)	IS : 648-1980	1994-02-28
3.	IS : 1200 (Part 13)-1994 Method of measurement of building and civil engineering works Part 13 white washing, colour washing, distempering and painting of building surfaces (fifth revision)	IS : 1200(Part 13)-1987	1994-03-31
4.	IS : 1322-1993 Bitumin felts for water-proofing and damp-proofing -specification (fourth revision)	IS : 1322-1982	1993-12-31
5.	IS : 1891 (Part 1)-1994 Conveyor and elevator textile belting—specification Part 1 general purpose belting (fourth revision)	IS : 1891 (Part 1)-1988	1994-02-28
6.	IS : 4738-1993 Bandage, plaster of paris—specification (second revision)	IS : 4738-1980	1993-12-31
7.	IS : 7567-1993 Automatic circuit reclosers—specification (second revision)	IS : 7567-1983	1993-12-31
8.	IS : 7611-1993 Internal combustion engines—radiators—specification (first revision)	IS : 7611-1975	1993-12-31
9.	IS : 7646-1994 Benzoyl J-acid, technical—specification (first revision)	IS : 7646-1975	1994-02-28
10.	IS : 7917-1994 Freight containers-air/surface (intermodal) general purpose containers—specification and tests (first revision)	IS : 7917 (Part 1&2)—1975	1994-03-31
11.	IS : 8236-1994 Slats for cane carriers—specification (first revision)	IS : 8236-1976	1994-01-31
12.	IS : 8345-1994 Cardiovascular surgery instruments—clamps, bulldog, cross action type—specification (first revision)	IS : 8345-1977	1994-02-28
13.	IS : 10043-1994 Automotive vehicles—symbols for controls, indicators and telltales for scooters and motorcycles (first revision)	IS : 10043-1981	1994-02-28
14.	IS : 10350-1993 Powder hair dyes—specification (first revision)	IS : 10350-1982	1993-12-31
15.	IS : 10881-1994 Automotives vehicles—mopeds, scooters and motorcycles—method of evaluation of fuel consumption (first revision)	IS : 10881-1994	1994-02-28

1	2	3	4
16.	IS : 11000 (Part 2/Sec 3)-1994 Fire hazard testing Part 2 test methods section 3 Bondconnection test with heaters	—	1994-02-28
17.	IS : 11154 (Part 2)-1994 Nameplates-dimensions Parts 2 circular nameplates (first revision)	IS : 11154-1984	1994-02-28
18.	IS : 11154 (Part 3)-1994 Nameplates-dimensions Part 3 triangular nameplates (first revision)	IS : 11154-1984	1994-02-28
19.	IS : 12032 (Part 9)-1993 Graphical symbols for diagrams in the field of electrotechnology Part 9 telecommunications switching and peripheral equipment.	—	1994-12-31
20.	IS : 12735-1994 Wire ropes slings-safety criteria and inspection procedures for use (first revision)	IS : 12735-1989	1994-02-28
21.	IS : 13736 (Part 2/Sec 1)-1993 Classification of environmental conditions Part 2 environmental conditions appearing in nature Section 1 temperature and humidity	—	1993-10-31
22.	IS : 13737-1993 Information technology-130mm rewritable optical disk cartridge for information interchange	—	1993-12-31
23.	IS : 13768-1993 Earth-moving machinery-laboratory evaluations or roll-over and falling object protective structures-specification for the deflection-limiting volume	—	1993-12-31
24.	IS : 13802-1993 Planning and execution of seabed engineering (geophysical) survey for offshore platforms and pipelines-guidelines.	—	1993-12-31
25.	IS : 13848-1993 Inland vessels-rubber fenders- specification	—	1993-11-30
26.	IS : 13866-1994 Textile machinery and accessories- winding-basic terms	—	1994-02-28
27.	IS : 13868-1993 Network service definition in data communications for information processing systems	—	1993-12-31
28.	IS : 13883-1993 Thermoluminescence dosimetry systems for personal and environmental monitoring.	—	1993-11-30
29.	IS : 13930-1994 Shipbuilding-ships' maintaining fresh water cooling system-code or practice	—	1994-01-31
30.	IS : 13939-1994 Farm drainage-interceptor drains for steep hill slopes under plantation crops-guidelines for laying.	—	1994-02-28
31.	IS : 13946 (Part 1)-determination of rock stress-code of practice part 1 using the hydraulic fracturing technique	—	1994-02-28
32.	IS : 13954-1994 Double cold-reduced electrolytic tinplate sheet-specification.	—	1994-03-31
33.	IS : 13960-1994 Thermoplastic strappings- specification	—	1994-02-28
34.	IS : 14000 (Part 4)-1994 Quality management and quality assurance standards Part 4 Guide to dependability programme management.	—	1994-03-31
35.	IS : 14004 (Part 3)-1994 Quality management and quality system elements Part 3 Guidelines for processed materials.	—	1994-03-31

1

2

3

4

36. IS : 14004 (Part 4)-1994 Quality management and quality system elements Part 4 Guidelines for quality improvement.	—	1994-03-31
37. IS : QC 390000-1994 Fixed film resistor networks for use in electronic equipment-generic specification	—	1994-02-28
38. IS : QC 750107-1994 Semiconductor devices-discrete devices-bipolar transistors-blank detail specification for case rated bipolar transistors for high frequency amplification.	—	1994-02-28

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Malik Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : Bombay, Calcutta, Chandigarh, and Madras and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Faridabad, Ghazabād, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Lucknow, Patna and Thiruvananthapuram.

[No. CMD/13 : 2]
P.S. DAS, Addl. Director General

भारतीय मानक व्यूरो
नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1994

का.आ. 279.—भारतीय मानक व्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) की खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूरो एतद्वारा प्रधिसूचित करता है कि जिस/जिन भारतीय मानक/मानकों का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/दिए गए हैं, वह/वे स्थापित हो गया है/हो गए हैं।

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हों, की सं. और वर्ष	स्थापित तिथि
----------	--	--	--------------

1

2

3

4

1. आईएस 1448 (भाग 142) - 1993 पेट्रोलियम और उसके उत्पादन-परीक्षण पद्धतियां भाग 142 सुदाहरण पृथक्करण भीटर द्वारा विभान्त टरबाइन इधन के जल पृथक्करण लक्षण ज्ञात करना	—	1993-07-31
2. आईएस 1885 (भाग 57) - 1993 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 57 विद्युत श्रौत चुम्बकीय परिपथ (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 1885-1992	1993-05-31
3. आईएस 1885 (भाग 62) - 1993 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 62 विद्युत रोधन इव, ठोस और गैस (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 1885-1985	1993-07-31
4. आईएस 1885 (भाग 73/अनु. 01) - 1993 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 73 भौतिकी और रसायन विज्ञान अनुभाग 1 भौतिकी अवधारणाएं	—	1993-07-31
5. आईएस 2653 : 1993 डिव्हीवल्ट निरापद दियासलाई-विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस 2653-1980	1993-07-31

1	2	3	4
6.	आईएस 3412 : 1993 विरनिवा—सिराहीन V बैलट, काट जैउ, पा, बी, बी, ही और ई तथा सिराहीन बे न बैलट, काट एस पी जैउ, एस पी बी और एस पी बी के लिए V—चांचेशार विरनिवा—विभिन्निट (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस 3142:1982	1993-07-31
7.	आईएस : 3873 : 1993 नहरों में सीमेंट कंकीट/पत्थर के स्त्रैब के अस्तर बिछाना—रीति विहिता (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस 3873 : 1993	1993-07-31
8.	आईएस : 3881:1993 टापाटर रथ—विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 3881 : 1966	1993-07-31
9.	आईएस : 4990 : 1993 कंकीट ग्राउंग कार्य के लिए ल्यार्डवुड : विभिन्निट (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 4990 : 1969	1993-08-31
10.	आईएस : 5223 : 1993 निःगहन पेरेन की मर्मीनरी—तेन निकर्वयन-परीधग निहिता (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 5223 : 1963	1993-07-31
11.	आईएस : 8308:1993 विशृत रोधित के बलों के एह्यु-मीनियम अंचालकों के संपीड़न टाइप नलिकाकार अंतस्थ शिरों की विभिन्निट (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 8308 : 1993	1993-07-31
12.	आईएस : 8309 : 1993 विशृत रोधित के बलों के एह्यु-मीनियम संतालकों के मंगीड़न टाइप के लाइनगत कनेक्टरों की विभिन्निट (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 8309 : 1976	1993-07-31
13.	आईएस : 8437 (भाग 1) : 1993 मानव शरीर में धारा के प्रवाहिन होने के प्रभावों की मार्गदर्शिका भाग 1 सामान्य पहलू (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 8437 : 1993	1993-07-31
14.	आईएस : 8437 (भाग 2) : 3993 मानव शरीर में धारा के प्रवाहिन होने के प्रभावों की मार्गदर्शिका भाग 2 किंवदं पहलू (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 8437 : 1983	1993-07-31
15.	आईएस 9025 : 1993 एकल अनृप्त लघुकृत टिन लेट और एकल अनृप्त लघुकृत काली लेट अपघटनी इन लेट कुंडली और काली लेट कुंडली, बाद में चढ़ार के स्वर्प में काटने के लिये (पहला पुनरीक्षण)	आईएस—	1993-03-31
16.	आईएस 9136 : 1993 कैलिंगम समिश्र ग्रीज—विभिन्निट (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 9136 : 1978	1993-05-31
17.	आईएस 9428 : 1993 पहले से बनी तुर्क कैलिंगम मिलिकेट नापरोधन (950. सें. तक के नापमान के लिये)—विभिन्निट (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 9428 : 1980	1993-03-31
18.	आईएस 9880 : 1993 सांस एवं मास उत्पाद—एक दिन का चुजा बुनियादी मांस (पहला पुनरीक्षण)।	आईएस—	1993-07-31
19.	आईएस 10189(भाग 2/अनु 1) : 1993 ओशोगिक प्रक्रम नियंत्रण वाल्व भाग 2 प्रवाह क्षमता अनुभाग 1 संरक्षण दण्डों के अन्वयन असंपीड़्य तरल प्रवाह के लिये साइज निर्धारित करने के समीकरण	--	1993-07-31
20.	आईएस 10210 : 1993 दरवाजों के लिये द्रव्यालित उच्चालकों के डिजाइन मापदंड (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 10210 : 1982	1993-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)
21.	आई एस 10286 : 1993 विरंजक सिनटेन—विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 10286—1986	1993-08-31
22.	आई एस 10635 : 1993 तटबंध बांधों में मुक्त बोर्ड अपेक्षाओं के मार्गदर्शी सिद्धांत (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 10635—1983	1993-07-31
23.	आई एस 10810 (भाग 62) : 1993 केबलों की परीक्षण प्रदत्तियां भाग 62 गुच्छेदार केबलों के लिये अग्नि प्रतिरोध परीक्षण	—	1993-07-31
24.	आई एस 10854 (भाग 6) : 1993 अन्तर्वेषी जलयाम कर्सक चूपण निकर्प घटक भाग 6 ढलवां स्पड सिलिंडर— सामान्य अपेक्षाएं	—	1993-07-31
25.	आई एस 11114 (भाग 3) : 1993 मिट्टी उठाने की मशीनरी—आयामों और सूखकों की परिभाषाएं भाग 3 उपस्कर (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 11114 (भाग 3) : 1985	1993-07-31
26.	आई एस 12370 : 1993 स्फोटन डिस्क और स्फोटन डिस्क युक्तियां (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 12370 : 1988	1993-05-31
27.	आई एस 12746 (भाग 1/अनु 2) : 1993 दूर नियंत्रण उपस्कर और तंत्र भाग 1 सामान्य तथ्य अनुभाग 2 विशिष्टियों की मार्गदर्शिका	—	1993-08-31
28.	आई एस 12746 (भाग 5/अनु 1) 1993) दूरनियंत्रण उपस्कर तथा तंत्र भाग 5 पारगमन नयाचार अनुभाग 1 पारगमन फ्रेम फार्मेट	—	1993-08-31
29.	आई एस 13720 : 1993 वस्त्रादि मशीनरी एवं सहायकांग- पटसन कताई फ्रेम के लिये दाबन रोलर समुच्चय— विशिष्टि	—	1993-08-31
30.	आई एस 13721 : 1993 वस्त्रादि मशीनरी एवं सहायकांग- पटसन कताई फ्रेम के लिये बांबिन रेल बॉस—विशिष्टि	—	1993-04-30
31.	आई एस 13730 (भाग 0/अनु 2) : 1993 कुंडलन तारों के विशेष प्रकारों की विशिष्टि भाग 0 सामान्य अपेक्षाएं अनुभाग 2 इनैमलकृत आयताकार तांबे के तार	—	1993-06-30
32.	आई एस 13731 (भाग 3) : 1993 मालधारक उपस्कर आंकड़े विनियम (सी ई ई ई एस) भाग 3 इंसैक्टानी आंकड़े अन्तरविनियम के लिये संदेश टाइप	—	1993-08-31
33.	आई एस 13733 : 1993 कृषि ट्रेलर और ट्रालित उपस्कर—विभंजन सिलिन्डर—विशिष्टि	—	1993-04-30
34.	आई एस 13739 : 1993 बाढ़ से हुई धूति के निर्धारण करने के मार्गदर्शी सिद्धान्त	—	1993-04-30
35.	आई एस 13340 : 1993 ए सी विशुत तंत्रों के लिये स्वतः ठीक होने वाले 650 वोल्ट की रेटिट बोल्टता के सेट संधारित्र—विशिष्टि	—	1993-08-31

(1)	(2)	(3)	(4)
36.	आई एस 13741 (भाग 1) : 1993 कार्बाइड टिप भाग 1 एक नोक वाले औजारों के लिये कार्बाइड टिप— विशिष्टि	—	1993-04-30
37.	आई एस 13741 (भाग 3) : 1993 कार्बाइड टिप भाग 3 सरकारी शीर्ष वाले स्वचलों के लिये एक नोक वाले ओजार ड्लेंकों के कार्बाइड टिप—विशिष्टि	—	1994-04-30
38.	आई एस 13741 (भाग 4) : 1993 कार्बाइड टिप भाग 4 बहु नोक वाले औजारों के लिये कार्बाइड टिप—विशिष्टि	—	1994-04-30
39.	आई एस 13757 : 1993 पकी मिट्टी उड़नराख भवन निर्माण हॉटों की विशिष्टि	—	1993-04-30
40.	आई एस 13557 (भाग 6) : 1993 सूखना प्रक्रम संक्र शब्दावली भाग 6 डाटा तैयार करना और उसका प्रहस्तन	—	1993-11-30
41.	आई एस 13635 : 1993 मशीनी औजारों के संख्यात्मक नियन्त्रण—प्रतीक	—	1993-08-31
42.	आई एस 13742 (भाग 2) : 1993 कार्बाइड टिप्पार एक नोक वाले ओजार भाग 2 क्रेकीत खरादन और प्रफलक ओजार (आई एस ओ 2)—विशिष्टि	—	1993-08-31
43.	आई एस 13745 : 1993 परफोरेटर पद्धति नामक निकर्षण पद्धति द्वारा पार्टिकल बोर्ड में कार्मेल्डी हाइड अंग ज्ञात करना	—	1993-05-31
44.	आई एस 13754 : 1993 6% \leq 10% (प्रप ओ 116) जल अवशोधन वाली डस्ट प्रेस्ड सिरेमिक टाइपे—विशिष्टि	—	1993-07-31

इन मानकों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जकर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और
धोनीय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़ तथा मद्रास और शाहवा कार्यालयों अद्यमदावाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर,
गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेंद्रम, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद में विश्री हेतु उपलब्ध हैं।

[सं. के. प्र. वि. 13:2]
पी.एम. दास, अपर महानिदेशक

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 19th January, 1995

S.O. 279.—In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, The Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), Particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established on the date indicated against each:

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 1448 (P : 142) : 1993 Petroleum and its products—methods of test [P : 142] Determination of water separation characteristics of aviation turbine fuels by portable separometer	—	1993-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)
2.	IS : 1885 (Part 57) : 1993 Electrotechnical vocabulary Part 57 electric and magnetic circuits (first revision)	IS : 1885—1982	93-05-31
3.	IS : 1885 (Part 62) : 1993 Electrotechnical vocabulary Part 62 insulating solids, liquids and gases (first revision)	IS : 1885—1985	93-07-31
4.	IS : 1885 (Part 73/Sec 1)—1993 Electrotechnical vocabulary Part 73 physics and chemistry Section 1 physical concepts	—	93-07-31
5.	IS : 2653—1993 Safety matches in boxes—specification (second revision)	IS : 2653—1980	93-07-31
6.	IS : 3142—1993 Pulleys V-grooved pulleys for endless V-Belts sections Z, A, B,C, D and E and endless wedge belts sections SPZ, SPA, SPB and SPC—Specification (second revision)	IS : 3142—1982	93-07-31
7.	IS : 3873—1993 Laying cement concrete/stone slab lining on canals—code of practice (second revision)	IS : 3873—1993	93-07-31
8.	IS : 3881—1993 Tomato juice—specification (first revision)	IS : 3881—1966	93-07-31
9.	IS : 4990—1993 Plywood for concrete shuttering work—specification (second revision)	IS : 4990—1969	93-08-31
10.	IS : 5223—1993 Oilseeds milling machinery—oil expellers—test code (first revision)	IS : 5223—1963	93-07-31
11.	IS : 8308—1993 Compression type tubular in-line connectors for aluminium conductors of insulated cables—specification (first revision)	IS : 8308—1993	93-07-31
12.	IS : 8309—1993 Compression type tubular terminal ends for aluminium conductors of insulated cables—specification (first revision)	IS : 8309—1976	93-07-31
13.	IS : 437 (Part 1)—1993 Guide on effect of current passing through the human body—Part I General aspects (first revision)	IS : 8437—1993	93-07-31
14.	IS : 8437 (Part 2)—1993 Guide on effects of current passing through the human body Part 2 Special aspects (first revision)	IS : 8437—1993	93-07-31
15.	IS : 9025—1993 Single cold reduced tinplate and single cold-reduced blackplate-electrolytic triplate coil and blackplate coil for subsequent cutting into sheet form (first revision)	—	93-03-31
16.	IS : 9136—1993 Calcium complex grease—specification (first revision)	IS : 9136—1978	93-05-31
17.	IS : 9428—1993 Preformed calcium silicate insulation (for temperature up to 950°)—Specification (first revision)	IS : 9428—1980	93-03-31
18.	IS : 9800—1993 Meat and meat products-day-old chicks (layers and broilers) basic requirements (first revision)	IS :	93-07-31
19.	IS : 10189 (Part 2/Sec 1)—1993 Industrial process control valves Part 2 flow capacity Section 1 Sizing equations for Incompressible fluid flow under installed conditions	—	93-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)
20.	IS : 10210—1993 Criteria for design of hydraulic hoists for gates (first revision)	IS : 10210—1982	93-07-31
21.	IS : 10286—1993 Bleaching syntans—specification (second revision)	IS : 10286—1986	93-08-31
22.	IS : 10635—1993 Freeboard requirement in embankment dams—guidelines (first revision)	IS : 10635—1983	93-07-31
23.	IS : 10810 (Part 62)—1993 Method of tests for cables Part 62 flame retardance test for bunched cables	—	93-07-31
24.	IS : 10854 (Part 6)—1993 Inland vessels—cutter suction dredge components Part 6 Cast spud cylinder—general requirements	—	93-07-31
25.	IS : 11114 (Part 3)—1993 Earth-moving machinery—definitions of dimensions and symbols Part 3 Equipment (first revision)	IS : 11114 (Part 3)—1985	93-07-31
26.	IS : 12370—1993 Bursting discs and bursting disc devices (first revision)	IS : 12370—1988	93-05-31
27.	IS : 12746 (Part 1/Sec 2)—1993 Telecontrol equipment and systems Part 1 General consideration Section 2 Guide for specifications	IS.—	93-08-31
28.	IS : 12746 (Part 5/Sec 1)—1993 Telecontrol equipment and systems Part 5 transmission protocols Section 1 transmission frame formats	—	93-08-31
29.	IS : 13720—1993 Textile machinery and accessories—pressing roller assembly for jute spinning frame—specification	—	93-08-31
30.	IS : 13721—1993 Textile machinery and accessories—bobbin rail boss for jute spinning frame—specification	—	93-04-31
31.	IS : 13730 (Part 0/Sec 2)—1993 Specifications for particular types of winding wires Part 0 general requirements Section 2 enamelled rectangular copper wire	—	93-06-30
32.	IS : 13731 (Part 3)—1993 Freight containers—container equipment data exchange (codex) Part 3 message types for electronic data interchange	—	93-08-31
33.	IS : 13733—1993 Agricultural trailers and trailed equipment—braking cylinders—specifications	—	93-04-30
34.	IS : 13739—1993 Guidelines for estimation of flood damages	—	93-04-30
35.	IS : 13340—1993 Power capacitors of self-healing type for ac power systems having red voltage up to 650V—Specification	—	93-08-31
36.	IS : 13741 (Part 1)—1993 carbide tips Part 1 carbide tips for single point tools—specification	—	93-04-30
37.	IS : 13741 (Part 3)—1993 Carbide tips Part 3 carbide tips for single point tools blanks for sliding head type automats—specification	—	93-04-30
38.	IS : 13741 (Part 4)—1993 carbide tips part 4 carbide tips for multi point tools—specification	—	93-04-30

(1)	(2)	(3)	(4)
39.	IS : 13757—1993 Burnt clay fly ash building bricks—specification	—	93-04-30
40.	IS : 13557 (Part 6)—1992 Information processing systems—vocabulary part 6 preparation and handling of data	—	93-11-30
41.	IS : 13635—1993 Numerical control of machines—symbols	—	93-08-31
42.	IS : 13742 (Part 2)—1993 carbide tipped single point tools—ISO series Part 2 cranked turning and facing tool (ISO 2)—specification	—	93-08-31
43.	IS : 13745—1993 Method for determination of formaldehyde content in particle board by extraction method called perforator method	—	93-05-31
44.	IS : 13754—1993 Dust-pressed ceramic tiles with water absorption of 6% > E > 10% (Group B IIb)—specification	—	93-07-31

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Faridabad, Ghaziabad, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Lucknow, Patna, Thiruvananthapuram.

[No. CMD/13 : 2]
P.S. DAS, Addl. Director General

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1995

का.आ. 280.—भारतीय मानक व्यू. नियम 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खड़ “ख” के अनुसरण में भारतीय मानक व्यू. एनदब्ल्यूएग्रा अधिभूति करता है कि नीचे दिये गये मानक (को) में संशोधन किया गया है/किये गये हैं।

अनुभूति

(1)	(2)	(3)	(4)
1. आई.एस 285 : 1992	संशोधन सं. 1, अगस्त 1994	1994-08-31	
2. आई.एस 302-2-21 (1992)	संशोधन सं. 2, सितम्बर 1994	1994-09-30	
3. आई.एस 302-2-30 (1992)	संशोधन सं. 2, मई 1994	1994-05-31	
4. आई.एस 1258 : 1987	संशोधन सं. 3, मई 1994	1994-05-31	
5. आई.एस 1528 (भाग 15) : 1993	संशोधन सं. 1, सितम्बर 1994	1994-09-30	
6. आई.एस 1891 (भाग 4) : 1978	संशोधन सं. 2, मई 1994	1994-05-31	
7. आई.एस 1919 : 1982	संशोधन सं. 2, जुलाई 1994	1994-07-31	

(1)	(2)	(3)	(4)
8. आई एस 2047: 1992	संशोधन सं. 1, अगस्त 1994	1994-08-31	
9. आई एस 2080: 1980	संशोधन सं. 1, जुलाई 1994	1994-07-31	
10. आई एस 2887: 1993	संशोधन सं. 1, अगस्त 1994	1994-08-31	
11. आई एस 2980: 1986	संशोधन मं. 4, मई 1994	1994-05-31	
12. आई एस 3175: 1974	संशोधन सं. 1, मई 1994	1994-05-31	
13. आई एस 3347 (भाग 4/प्रान्तभाग 2): 1982	संशोधन मं. 3, प्र०प्र० 1994	1994-04-30	
14. आई एस 3854: 1988	संशोधन सं. 4, मितम्बर 1994	1994-09-30	
15. आई एस 5290: 1993	संशोधन सं. 1, जून 1994	1994-06-30	
16. आई एस 5594: 1983	संशोधन मं. 2, जुलाई 1994	1994-07-31	
17. आई एस 6221: 1971	संशोधन सं. 3, जुलाई 1994	1994-07-31	
18. आई एस 6222: 1971	संशोधन सं. 2, जुलाई 1994	1994-07-31	
19. आई एस 6224: 1980	संशोधन सं. 2, जुलाई 1994	1994-07-31	
20. आई एस 7924: 1976	संशोधन सं. 2, मितम्बर 1994	1994-09-30	
21. आई एस 8013: 1985	संशोधन सं. 1, मई, 1994	1994-05-31	
22. आई एस 8074: 1990	संशोधन सं. 1, मई 1994	1994-05-31	
23. आई एस 8336: 1977	संशोधन सं. 3, मई 1994	1994-05-31	
24. आई एस 8492: 1985	संशोधन सं. 2, मितम्बर 1994	1994-09-30	
25. आई एस 9155: 1979	संशोधन सं. 1, मई 1994	1994-05-31	
26. आई एस 9371: 1980,	संशोधन सं. 4, मई 1994	1994-05-31	
27. आई एस 9452 (भाग 1): 1993	संशोधन सं. 1, मई 1994	1994-05-31	
28. आई एस 9471 (भाग 3): 1980	संशोधन सं. 2, मितम्बर 1994	1994-09-30	

(1)	(2)	(3)	(4)
29.	प्राई एस 9975 (भाग 3) : 1984	संशोधन सं. 1, मई 1994	1994-05-31
30.	प्राई एस 10008 : 1992	संशोधन सं. 1, मई 1994	1994-05-31
31.	प्राई एस 10111 : 1992	संशोधन सं. 2, मितम्बर 1994	1994-09-30
32.	प्राई एस 10243 : 1993	संशोधन सं. 1, मई 1994	1994-05-31
33.	प्राई एस 10267 : 1982	संशोधन सं. 1, मई 1994	1994-05-31
34.	प्राई एस 10350 : 1993	संशोधन सं. 1, मितम्बर 1994	1994-09-30
35.	प्राई एस 10538 : 1983	संशोधन सं. 2, मितम्बर 1994	1994-09-30
36.	प्राई एस 10539 : 1983	संशोधन सं. 1, मितम्बर 1994	1994-09-30
37.	प्राई एस 11009 : 1984	संशोधन सं. 2, जुलाई 1994	1994-07-31
38.	प्राई एस 11875 : 1926	संशोधन सं. 1, मई 1994	1994-05-31
39.	प्राई एस 11876 : 1976	संशोधन सं. 1, मई 1994	1994-05-31
40.	प्राई एस 12016 : 1987	संशोधन सं. 2, जुलाई 1994	1994-07-31
41.	प्राई एस 12897 : 1990	संशोधन सं. 1, मई 1994	1994-05-31
42.	प्राई एस 12931 : 1990	संशोधन सं. 1, जुलाई 1994	1994-07-31
43.	प्राई एस 13172 : 1991	संशोधन सं. 1, जुलाई 1994	1994-07-31
44.	प्राई एस 13329 : 1992	संशोधन सं. 1, जुलाई 1994	1994-07-31
45.	प्राई एस 13331 : 1992	संशोधन सं. 1, जुलाई 1994	1994-07-31
46.	प्राई एस 13333 : 1992	संशोधन सं. 1, जुलाई 1994	1994-07-31
47.	प्राई एस 13403 : 1982	संशोधन सं. 2, जुलाई 1994	1994-07-31
48.	प्राई एस 13727 : 1993	संशोधन सं. 1, अगस्त 1994	1994-08-31
49.	प्राई एस 13775 (भाग 1) : 1993	संशोधन सं. 1, मई 1994	1994-05-31
50.	प्राई एस 13929 : 1993	संशोधन सं. 1, मई 1994	1994-05-31

इन संशोधनों की प्रतिया भारतीय मानक बूरो, मानक भवन, 9, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, विंगलीर, भोगत, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेंद्रम, गजियाबाद तथा फरीदाबाद में विकी हैं तात्परता है।

New Delhi the 20th January, 1995

S.O. 1280.—In pursuance of clause (b) of Sub-ral. (1) of Rule 7 of Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed has/have been issued.

SCHEDULE

Sl. No. and year of the Indian Standard No. amended	No. and date of the amendment	Date from which the amendment shall have effect	
(1)	(2)	(3)	(4)
1. IS 285 : 1992	Amendment No. 1, August 1994	1994-08-31	
2. IS 302-2-21 (1992)	Amendment No. 2. September 1994	1994-09-30	
3. IS 302-2-30 (1992)	Amendment No. 2, May 1994	1994-05-31	
4. IS 1258 : 1987	Amendment No. 3, May 1994	1994-05-31	
5. IS 1528 (Part 15) : 1993	Amendment No. 1, September 1994	1994-09-30	
6. IS 1891 (Part 4) : 1978	Amendment No. 2, May 1994	1994-05-31	
7. IS 1919 : 1982	Amendment No. 2, July 1994	1994-07-31	
8. IS 2047 : 1992	Amendment No. 1, August 1994	1994-08-31	
9. IS 2080 : 1980	Amendment No. 1. July 1994	1994-07-31	
10. IS 2887 : 1993	Amendment No. 1, August 1994	1994-08-31	
11. IS 2980 : 1986	Amendment No. 4, May 1994	1994-05-31	
12. IS 3175 : 1974	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31	
13. IS 3347 (Part 4/Sec 2) : 1982	Amendment No. 3, April 1994	1994-04-30	
14. IS 3854 : 1988	Amendment No. 4, September 1994	1994-09-30	
15. IS 5290 : 1993	Amendment No. 1, June 1994	1994-06-30	
16. IS 15594 : 1983	Amendment No. 2, July 1994	1994-07-31	
17. IS 6221 : 1971	Amendment No. 3, July 1994	1994-07-31	
18. IS 6222 : 1971	Amendment No. 2. July 1994	1994-07-31	
19. IS 16224 : 1980	Amendment No. 2, July 1994	1994-07-31	
20. IS 7924 : 1976	Amendment No. 2. September 1994	1994-09-30	
21. IS 8013 : 1985	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31	
22. IS 8074 : 1990	Amendment No. 1. May 1994	1994-05-31	

(1)	(2)	(3)	(4)
23.	IS 8336 : 1977	Amendment No. 3, May 1994	1994-05-31
24.	IS 8492 : 1985	Amendment No. 2, September 1994	1994-09-30
25.	IS 9155 : 1979	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
26.	IS 9371 : 1980	Amendment No. 4, May 1994	1994-05-31
27.	IS 9452 (Part 1) : 1993	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
28.	IS 9471 (Part 3) : 1980	Amendment No. 2, September 1994	1994-09-30
29.	IS 9975 (Part 3) : 1984	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
30.	IS 10008 : 1992	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
31.	IS 10111 : 1982	Amendment No. 2, September 1994	1994-09-30
32.	IS 10243 : 1993	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
33.	IS 10267 : 1982	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
34.	IS 10350 : 1993	Amendment No. 1, September 1994	1994-09-30
35.	IS 10538 : 1983	Amendment No. 2, September 1994	1994-09-30
36.	IS 10539 : 1983	Amendment No. 1, September 1994	1994-09-30
37.	IS 11009 : 1984	Amendment No. 2, July 1994	1994-07-31
38.	IS 11875 : 1986	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
39.	IS 11876 : 1986	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
40.	IS 12016 : 1987	Amendment No. 2, July 1994	1994-07-31
41.	IS 12897 : 1990	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
42.	IS 12931 : 1990	Amendment No. 1, July 1994	1994-07-31
43.	IS 13172 : 1991	Amendment No. 1, July 1994	1994-07-31
44.	IS 13329 : 1992	Amendment No. 1, July 1994	1994-07-31
45.	IS 13331 : 1992	Amendment No. 1, July 1994	1994-07-31
46.	IS 13333 : 1992	Amendment No. 1, July 1994	1994-07-31
47.	IS 13403 : 1992	Amendment No. 2, July 1994	1994-07-31
48.	IS 13727 : 1993	Amendment No. 1, August 1994	1994-08-31
49.	IS 13775 (Part 1) : 1993	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31
50.	IS 13929 : 1993	Amendment No. 1, May 1994	1994-05-31

Copies of the Amendments are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Calcutta, Chandigarh, Madras, Bombay and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Faridabad, Ghaziabad, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Lucknow, Patna, Thiruvananthapuram.

[No. CM/13/5]
P.S. DAS, Addl. Director General

कोयला मंकालय

नईदिल्ली, 19 जनवरी, 1995

का. आ. 281 --केन्द्रीय सरकार ने कोयला भारक भेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई और भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 29 फरवरी, 1992 में प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंकालय की अधिसूचना संख्यांक 668, तारीख 20 फरवरी, 1992 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट परिक्षेत्र में भूमि और अधिकारों को अंजित करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम कीधारा 8 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दी है;

और केन्द्रीय सरकार का, पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और महाराष्ट्र सरकार से परामर्श करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि इससे संलग्न अनुसूची में अंजित 190.82 हेक्टर (लगभग) या 471.51 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि अंजित की जानी चाहिए।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम कीधारा 9 की उपधारा (i) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में अंजित 190.82 हेक्टर (लगभग) या 471.51 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि अंजित की जाती है।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले भेत्र के रेखांक सं. सी. आई. (ई.)/III/जे. जे. आर./538-0793, तारीख 8 जुलाई, 1993 का निरीक्षण कलमटर, चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, कारंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या बेस्टन कोलफील्ड्स वि. (राजस्व विभाग), कोल इस्टेट, सिक्किम लाइन्स, नागपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची

तेलवासा खंड

मजरी धौत्र

जिजा चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)

[रेखांक सं. सी. आई. (ई.)/III/जे. जे. आर./538-0793, तारीख 8 जुलाई, 1993] सभी अधिकार

क्रम संख्यांक	ग्राम का नाम	पटवारी संकेत संख्यांक	नहमील	जिजा	हेक्टर धौत्र में	टिप्पणियां
1.	धोरवासा	28	भद्रावती	चन्द्रपुर	100.94	भाग
2.	तेलवासा	28	भद्रावती	चन्द्रपुर	89.88	भाग

कुल 190.82 हेक्टर (लगभग)

या

471.51 एकड़ (लगभग)

ग्राम घोरवासा में अंजित किए जाने वाले प्लाट संख्याएँ :—26 से 29, 30/1-30/2, 31/1-31/2-31/3, 32 से 45, 46 भाग, 47, 48, 51 से 53, 55 से 58, 59/1-59/2-59/3-59/4, 60, 61/1-61/2-61/3, 62/1-62/2-62/3, 63/1-63/2 भाग, 65, 66/1-66/2, नाला ।

ग्राम तेलवासा में अंजित किए जाने वाले "प्लाट संख्यांक" :— 4 से 7, 6/1, 6/2, 9, 10, 11/1-11/2, 11/3, 12, 13/1-13/2-13/3-13/4, 14, 15/1-15/2-15/3, 16/1-16/2-16/3-16/4, 17, 18/1-18/2-18/3-18/4, 19/1-19/2-20/1-20/2-20/3-20/4, 21 भाग, 22 से 26, 66 से 68, नाला भाग

सीमा वर्णन :—

क—ख

रेखा बिन्दु "क" से आरंभ होती है और प्लाट संख्यांक 4, 5, 66 की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम तेलवासा से होकर जाती है, फिर प्लाट संख्यांक 68, 20/1-20/2-20/3; 20/4 की बाहरी सीमा के माथ-माथ आगे बढ़ती है, फिर प्लाट संख्यांक 21 से होकर जाती है और प्लाट संख्यांक 21 में प्लाट संख्यांक 20/1; 20/2; 20/3; 20/4 की बाहरी सीमा के साथ-साथ आगे बढ़ती है और प्लाट संख्यांक 21, 26 की बाहरी सीमा के साथ-साथ आगे बढ़ती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।

ख—ग

रेखा प्लाट संख्यांक 26 और प्लाट संख्यांक 46 की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम घोरवासा से होकर जाती है, फिर प्लाट संख्यांक 46, 51 की बाहरी सीमा के माथ-माथ आगे बढ़ती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।

ग—घ

रेखा प्लाट संख्यांक 63/1-63/2 में प्लाट संख्यांक 53, नाला, प्लाट संख्यांक 62/1-62/2-62/3 की बाहरी सीमा के साथ-साथ ग्राम घोरवासा से होकर जाती है, फिर प्लाट संख्यांक 65, 66/1-66/2 की बाहरी सीमा के साथ-साथ आगे बढ़ती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ—ड

रेखा ग्राम चारगांव और घोरवासा की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ड" पर ग्राम घोरवासा, चारगांव, और तेलवासा के संगम बिन्दु पर मिलती है।

ड—क

रेखा भागत: ग्राम तेलवासा और चारगांव की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है फिर प्लाट संख्यांक 15/1-15/2-15/3, 14, 13/1-13/2-13/3-13/4, 12, 11/1-11/2-11/3, 8/1-8/2, 7, 4 की बाहरी सीमा के साथ माथ ग्राम तेलवासा से होकर आगे बढ़ती है और आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 43015/17/89—एस. एस. डब्ल्यू.]

नरेन्द्र भगत, निवेशक

MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 19th January, 1995

S.O. 281.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 668, dated the 20th February, 1992 issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in Part-II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, dated the 29th February, 1992, the Central Government gave notice of its intention to acquire lands and rights in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government.

And whereas the Central Government after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Maharashtra is satisfied that the lands measuring 190.82 hectares (approximately) or 471.51 acres (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the lands measuring 190.82 hectares (approximately) or 471.51 acres (approximately) described in the said Schedule are hereby acquired.

The plan bearing No. C-I(E)/III/JJR/538-0793, dated the 8th July, 1993 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Chardrapur (Maharashtra) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur (Maharashtra).

SCHEDULE

Telwasa Block

Majri Area

District Chandrapur (Maharashtra)

(Plan No. C-J(E)/III/JJR/538-0793 dated the 8th July, 1993)

All Rights

Serial number	Name of village	Patwari circle number	Tehsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Dherwasa	28	Bhadrapati	Chandrapur	100.94	Part
2.	Telwasa	28	Bhadrapati	Chandrapur	89.88	Part
Total : 190.82 hectares (approximately) or 471.51 acres (approximately)						

Plot numbers acquired in village Dherwasa :

26 to 29, 30/1-30/2, 31/1-31/2-31/3, 32 to 45, 46 part, 47, 48, 51 to 53, 55 to 58, 59/1-59/2-59/3-59/4, 60, 61/1-61/2-61/3, 62/1-62/2-62/3, 63/1-63/2 part, 65, 66/1-66/2, nallah.

Plot numbers acquired in village Telwasa :

4 to 7, 8/1, 8/2, 9, 10, 11/1-11/2-11/3, 12, 13/1-13/2-13/3-13/4, 14, 15/1-15/2-15/3, 16/1-16/2-16/3-16/4, 17, 18/1-18/2-18/3-18/4, 19/1-19/2, 20/1-20/2-20/3-20/4, 21 part, 22 to 26, 66 to 68, nallah part.

Boundary description :

- A-B Line starts from point 'A' and passes through village Telwasa along the outer boundary of plot numbers 4, 5, 66, crosses nallah, then proceeds along the outer boundary of plot numbers 68, 20/1-20/2-20/3-20/4, then passes through plot number 21 and proceeds along the outer boundary of plot number 20/1-20/2-20/3-20/4, in plot number 21 and passes along the outer boundary of plot numbers 21, 26, then proceeds along the common boundary of plot numbers 21 and 29 and meets at point 'B'.
- B-C Line passes through village Dherwasa along the outer boundary of plot number 26 and in plot number 46, then proceeds along the outer boundary of plot numbers 48, 51 and meets at point 'C'.
- C-D Line passes through village Dherwasa along the outer boundary of plot number 53, nallah, plot number 62/1-62/2-62/3 in plot number 63/1-63/2, then proceeds along the outer boundary of plot numbers 65, 66/1-66/2 and meets as point 'D'.
- D-E Line passes along the common boundary of villages Chargaon and Dherwasa and meets at junction point of villages Dherwasa, Chargaon and Telwasa at point 'E'.
- E-A Line passes along the common boundary of villages Telwasa and Chargaon partly then proceeds through village Telwasa along the outer boundary of plot numbers 15/1-15/2-15/3, 14, 13/1-13/2-13/3-13/4, 12, 11/1-11/2-11/3, 8/1, 8/2, 7, 4 and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/17/89-LSW]
N. BHAGAT, Director

पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंडालय

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का. आ. 282.—पत: पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का आ. सं. 736, तारीख 8-3-94 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में बिनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय कर दिया था।

और यतः सभ्यम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप-लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का अप्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गैस अथांस्टी ओफ इंडिया लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में बोरिणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होमा।

अनुसूची

एच. बी. जे. अफसेंसन पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	मौजा	गाठा संख्या	अर्जित क्षेत्र . घोषा/एकड़िहिकट .	अन्य विवरण
1	2	3	4	5	6	7
मध्यग	चौरसाड़	चौरसाड़	बमनई खुर्द	345	0.1400	
				346	0.0120	
				344	0.2920	
				343	0.1420	
				342	0.0120	
				341	0.0840	
				354	0.0080	
				359	0.3000	
				297	0.0060	
				294	0.2072	
				287	0.0382	
				293	0.1886	
				289	0.0080	
				292	0.1748	
				290	0.0180	
				291	0.0128	
				285	0.0060	
				284	0.1856	
				276	0.0704	
				278	0.1880	
				277	0.3880	
				268	0.0060	
				261	0.2880	
				262	0.1996	
				263	0.0300	
				231	0.2124	
				232	0.0480	
				233	0.0120	
				234	0.1350	
				235	0.0060	

1	2	3	4	5	6	7
				237	0.1680	
				198	0.2920	
				196	0.0720	
				197	0.1200	
				181	0.0060	
				162	0.1840	
				161	0.1900	
				160	0.1540	
				159	0.2640	
				158	0.0060	
				156	0.2900	
				154	0.0960	
				1	0.3230	
			योग	43	5.5856	हेक्टेअर
			या		13.796	एकड़
			या		22-01-09	बीघा

[सं. पल-14016/22/93-जी.पी.]
प्रधानमंत्री से, निदेशक

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 17th January, 1995

S.O. 282.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 736 dated 8-3-94 under sub-section (1) of section of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

CASE SCHEDULE

H.B.J. Upgradation Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired area in Bigha/Acre	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Agra	Kheragarh	Kheragarh	Bamnai-Khurd	345 346 344	0.1400 0.0120 0.2920	

1	2	3	4	5	6	7
		343		0.1420		
		342		0.0120		
		341		0.0840		
		354		0.0080		
		359		0.3000		
		297		0.0060		
		294		0.2072		
		287		0.0382		
		293		0.1886		
		289		0.0080		
		292		0.1748		
		290		0.0180		
		291		0.0128		
		285		0.0060		
		284		0.1856		
		276		0.0704		
		278		0.1880		
		277		0.3880		
		268		0.0060		
		261		0.2880		
		262		0.1996		
		263		0.0300		
		231		0.2124		
		232		0.0480		
		233		0.0120		
		234		0.1350		
		235		0.0060		
		237		0.1680		
		198		0.2920		
		196		0.0720		
		197		0.1200		
		181		0.0060		
		162		0.1840		
		161		0.1900		
		160		0.1540		
		159		0.2640		
		158		0.0060		
		154		0.0960		
		1		0.3230		
		156		0.2900		
Total		43		5.5856		
		OR		13.796 Acres		
		OR		22-01-09 Bigha		

[No. L-14016/22/93-GP]
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का. आ. 283 :—यतः पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) प्रधिनियम 1962 (1962 का 50) को धारा 3 उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. आ. सं. 742, तारीख 8-3-94 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में यिनिहार्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों की बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय कर दिया था।

और, यतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार वो रिपोर्ट दे दी है।

और, आगे, यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने वा विनिश्चय किया है।

अब, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद-द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिलाने के प्रयोग के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे, उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए गैस अथारिटी प्राप्त इण्डिया लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषिणा के प्रकाशन की इस तारीख को निर्धारित होगा।

आदानपूर्ची

एच. बी.जे. अप्रेलेशन पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	पौ.ना	गटा संख्या	अर्जित क्षेत्र वीधा/एकड़/हेक्टेयर	ग्रन्थ
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
आगरा	खीरागढ़	खीरागढ़	खीरागढ़	14 15 12 11 10 9 7 6 5 3 2 1 4	0.0160 0.0870 0.3220 0.1200 0.1540 0.0080 0.0780 0.1420 0.1800 0.0336 0.0708 0.0072 0.0100	
				सम्पूर्ण योग	13	1.2266
						हेक्टेयर
				या	3.029	एकड़
				या	0.416.19	बीघा

[संभा.प्र. 14016/22/93 जी.पी.]
प्रधानमंत्री, निर्देशन

notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And, further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

New Delhi, the 17th January, 1995

S.O. 283.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 742 dated 8-3-94 under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this

CASE SCHEDULE

H.B.J. Upgradation Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired area in Bigha/Acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Agra	Kheragarh	Kheragarh	Khankhara	14 15 12 11 10 9 7 6 5 3 2 1 4	0.0160 0.0870 0.3220 0.1200 0.1540 0.0060 0.0780 0.1420 0.1800 0.0336 0.0708 0.0072 0.0100	
Grand Total				13	1.2226 Hactare	
				OR	3.029 Acres	
				OR	04-16-19 Bigha	

[F.No. L-14016/22/93-G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का.आ. 284.—यतः, पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारका अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का.आ. संख्या तारीख 741, 8-3-94 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय कर दिया था।

और, यतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और, आगे, यतः, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

ग्रब, ग्रतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची विनिर्दिष्ट उक्त उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देशदेतो है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गैस अवारिटी आफ इडिया लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

वाद अनुसूची

एच.बी. जे. अपग्रेडेशन पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	मौजा	गांठा संख्या	अर्जित क्षेत्र बीघा/एकड़/हैक्टेयर	अन्य विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
					1.47	0.6840

1	2	3	4	5	6	7
आगरा	खेरागढ़	खेरागढ़	सराय अहमद	143 140 139 137 138 124	0.0060 0.1920 0.4000 0.0480 0.0900 0.0020	
			योग	7	1.4220	हुक्टअर
			या		3.514	एकड़
			या		05-12-08	बीषा

[सं. एल-14016/22/93-जी. पी.]
प्रधान सेन, निदेशक

New Delhi, the 17th January, 1995

S.O. 284.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 741 dated 8-3-94 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

CASE SCHEDULE H.B.J. UP GRADATION PIPE LINE PROJECT

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired area in Bigha—Acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Agra	Kheragarh	Kheragarh	Saraj Ahmad	147 143 140 139 137 138 124	0.6840 0.0060 0.1920 0.4000 0.0480 0.0900 0.0020	
Grand Total				7 OR OR	1.4220 Hec. 3.514 Acres 05-12-08 Bigha	

[F. No. L-14016/22/93-G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का.आ. 285.—यतः पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) प्रधिनियम 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अंतीम भारत सरकार के पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना, का.आ. सं. 737 तारीख, 8-3-94 द्वारा केंद्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वित्तिविष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को विभाने के लिए अंजित करने का अन्त आग्रह प्रक्रिया था।

और यह: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अवीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संस्करण अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अंजित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संस्करण अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एवं द्वारा अंजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गैस प्रयारिटी एफ इंडिया लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

वाद-अनुसूची

एच बी० जे० अपग्रेडेशन पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	मौजा	गांठा सं.	चक सं.	अंजित क्षेत्रफल	अन्य विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
आगरा	खेरागढ़	खेरागढ़	जलालपुर	683	—	0.0028	
				682/2	48	0.1000	
			योग	2	2	0.1028	हैटेप्रर
			या	0.254		एकड़	
			या	0-8-2½		बीघा	

[सं. एल-14016/22/93-जी.पी.]
अर्धेन्दु सेन, निदेशक

New Delhi the 17th January, 1995

S.O. 285.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 737 dated 8-3-94 under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquire for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

CASE SCHEDULE H.B.J. Upgradation Pipe Line Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Chak No.	Plot No.	Acquired area in Hectares	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Agra	Kheragarh	Kheragarh	Jalalpur	—	683	0.0028	
				48	682/2	0.1000	
		Total		2	2	0.1028 Hect.	
					OR	0.254 Acres	
					OR	0-8-2½ Bigha	

[No. L-14016/22/93-G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का. आ. 286—भारत का राजपत्र दिनांक 19-3-94 के पृष्ठ संख्या 908 से 910 पर प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की खनिज पाइप लाइन के (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम संख्या 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई अधिसूचना संख्या 738 दिनांक 8-3-94 प्राप्त देवरी, परगना व तहसील—खेरागढ़, जनपद—आगरा की प्रकाशित सूची के स्तम्भ 5, 6 व 7 से निम्न प्रकार सही पड़ा जाये।

पूर्व प्रकाशित			सही पड़ा जाए		
5	6	7	5	6	7
—	729/2	0.0580	189	729/1	0.—
189	729/1	0.3360		728	0.3940
	728			670/1	
	670/1				
	661/3	0.3800	सी.एच. 18	661/1	0.0990
			115	681	0.1660
			—	681	0.1150
281	652	0.0480	181	652	0.0480
	653/1			653/1	
205	514	0.2790	200	514	0.3846
	515			515	
	495/2			513	
				495/2	
200	495/2	0.2540		496	
	496				
68	468	0.0840	69	468	0.0840
	489			489	

[संख्या एस -14016/22/93 जी.पी.ओ.]
अर्बन्दु सेन, निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi, 17th January, 1995

S.O. 286—In the Gazette of India Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 738 dated 8-3-94 published on 19-3-94 at page No. 910 to 912 sub-section (1) of section 3 of the Petroleum & Mineral Pipe Line (Acquisition of right of users in land) Act, 1962 (50 of 1962) of Village—DEVRI, Pargana & Tehsil:Kheragarh, Distt. Agra in column 5, 6 and 7 be read as follows :

As per gazette			Corrected as below		
5	6	7	5	6	7
—	729/2	0.0580	189	729/1 728 670/1	0.3940
189	729/1 728 670/1	0.3360			

	5	6	7	5	6	7
		661/3	0.3800	CH-18	666/1	0.0990
				115	681	0.1660
				—	681	0.1150
281		652	0.0480	181	652	0.0480
		653/1			653/1	
205		514	0.2790	200	514	0.3846
		515			515	
		495/2			513	
200		495/2	0.2540		495/2	
		496			496	
68		468	0.0840	69	468	0.0840
		489			489	

[No. L-14016/22/93.G.P.]
ARDHENDU SEN, Dir.

शुद्धि - पत्र

नई विल्सी, 17 जनवरी, 1995

का. आ. 287.—भारत सरकार का राजपत्र दिनांक 19-3-94 के पृष्ठ सं. 913-915 पर प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को खनिज पाइप लाइन के (भूमि के उपयोग के अधिकार का प्रर्जन) अधिनियम सं. 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गयी अधिसूचना सं. 739 दिनांक 8-3-94 आम जगत्तेर, परगना व नहसील ब्लैरगढ़, जनपद आगरा की प्रकाशित सूची के हिन्दी लिपि के स्तरम् 5,6,7 में निम्न प्रकार सही पढ़ा जाये।

	विभागीय			संशोधित विभागीय हेतु		
5	6	7	5	6	7	
340	2588/1	0.3900	रास्ता	2588/2	0.0180	
	2588/2		348	2588/1	0.3720	
	2588/3			2588/2		
	2590			2588/3		
				2590		
1158	2579	0.0960	सी. एच. -18	2589/4	0.0760	
	2589/4		सी. एच. -18	2589/5	0.0200	
122	2571	0.1200	222	2571/2	0.1200	
	2572			2572		
1083	2571/2	0.1379	1083	2573/1	0.1100	
	2576/2			2571/2		
				2567/1		
			137	2571/2	0.0279	
694	467	0.2200	1205	412	0.0400	
	414			467		
			1143	467	0.0200	
			658	414		
				467	0.0200	
				414		

5	6	7	5	6	7
			449	467	0.0200
				414	
			694	467	0.1200
				414	
				415	
1018	466/1	0.2800	1018	415	0.0880
	466/2		679	415	0.0460
913	415	0.0360	913	415	0.1240
1284	463	0.1160	1284	463	0.1520
	464			464	
				432/2	
932	461	0.2010	932	461	0.1510
				462	
				463	
				432/3	
				433	
			1185	433	0.0330
			चकरोड़	433	0.0060
880	434	0.1360	880	433	0.2000
	458/1			435	
				462	
				458/1	
			477	435	0.1200
				445	
				446	
1292	446	0.1180	1292	435	0.0480
	457			446	
	458/1				
			411	446	0.0100
			सी.एच.-18	447	0.0902
			सी.एच.-18	448	0.0160
402	436-457	0.0720	सी.एच.-18	592	0.1680
	448	0.1060	सी.एच.-18	588/1	0.0090
	548	0.1674	सी.एच.-18	589	0.0100
	492	0.1056	सी.एच.-18	591	0.2300
	588/1	0.0300	सी.एच.-18	590/1	0.0980
	589	0.1716	सी.एच.-18	590/2	0.0120
	588/2	0.0460	सी.एचसी-18	594/15	0.0210
	590/2	0.0420	761	594/8	0.2000
118	594/8	0.2576	118	594/8	0.0970
671	594/8	0.0192	नवी जंगल	594/14	0.0810
	404	0.0780		374/17	
	594/14				
1227	374/16	0.1020	1227	374/16	0.3080
	399			374/18	
				399	
			चकरोड़	399	0.0120

5	6	7	5	6	7
477	374/16 397	0.2310	477	399	0.0320
			738	399 398/1 397/397/1	0.0600
1249	388 397	0.1200	1249	397 388	0.0600
77	378	0.0840	78	388 384/2 386	0.1800
940	386 384 1 383	0.2240	950	384/1 383	0.0900
1213	383 4	0.0156	1313	383/4 383	0.0800
123	332 2	0.0270	128	382/1 382/2 383/4 381	0.0600
841	381 381 1	1.1200	841	380 381	0.0820
			546	380	0.0100
411	382 380	0.1736	411	382	0.0150
35	379	0.0064			
198	312/9 374/1 377 378 380	0.3420	198	374 1 377 378 380	0.2506
	312/7 312/8	0.0240	सी.एम.-18	312/9 312/7	0.0420 0.0240
		0.0400	सी.एच.-18	313/2	0.0100
	312/6	0.0240	303	312/4	0.0400
			सी.एच.-18	312/6	0.0310
			1211	172	0.0300
				174	
310	174 175 176 177	0.3000	310	174 175 176 177	0.2500
			1139	200'2 176 177	0.0500

CORRIGENDUM

New Delhi, 17th January, 1995

S.O. 287 --In the Gazette of India Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 739 dated 8-3-94 published on 19-3-94

at page No. 916 to 918 sub-section (1) of section-3 of the Petroleum & Mineral Pipe Line (Acquisition of right of users in land) Act, 1962 (50 of 1962) of village—Jagner, Pargana & Tehsil—Kheragarh, Distt.—Agra in column 5, 6 & 7 be read as follows :—

PUBLISHED			TO BE PUBLISHED NOW		
5	6	7	5	6	7
340	2588/1 2588/2 2588/2 2590	0.3900	Kachaa Road 348	2588/2 2588/1 2588/2 2588/3 2590	0.0180 0.3720
1158	2579 2589/4	0.0960	CH-18	2589/2 2589/5	0.0760 0.0200
122	2571 2572	0.1200	222	2571/2 2572	0.1200
1083	2571/2 2576/1	0.1379	1083	2573/1 2571/2 2567/1	0.1100
694	467 414	0.2220	137 1205 1143 658 449 694	2571/2 412 467 467 467 467 467 414 414 414 414 414 415	0.0279 0.0400 0.0200 0.0200 0.0200 0.1200 0.1200
1018	466/1 466/2	0.2800	1018 679	415 415	0.0880 0.0460
913	415	0.0360	913	415	0.1240
1284	463 464	0.1160	1284	463 464 432/2	0.1520
932	461	0.2010	932	461 462 463 432/3 433 1185 Chakroad	0.1510 0.0330 0.0060
880	434 458/1	0.1360	880 477	433 435 462 458/1 435 445 466	0.2000 0.1200

5	6	7	5	6	7
1292	446 457 458/1	0.1180	1292	435 446	0.0480
			411 CH-18 CH-18	446 447 448	0.0100 0.0902 0.0160
402	416-457 448 548 492 588/1 589 588/2 590/2	0.0720 0.1060 0.1674 0.1056 0.0300 0.1716 0.0460 0.0420	CH-18 CH-18 CH-18 CH-18 CH-18 CH-18 CH-18 761	592 588/1 589 591 590/1 590/2 594/15 594/8	0.1680 0.0090 0.0100 0.2300 0.0980 0.0120 0.0210 0.2000
118	594/8	0.2567	118	594/B	0.0970
671	594/8 404 594/14	0.0192 0.0780	River-Forest	594/14 374/17	0.0810
1227	374/16 399	0.1020	1227	374/16 374/18 399	0.3080
477	374/16 397	0.2310	Chakroad 477 738	399 399 399 396/1 397-398/1	0.0120 0.0320 0.0600
1249	388 397	0.1200	1249	397 388	0.6000
77	378	0.0840	78	388 384/2 386	0.1800
940	386 384/1 383	0.2240	950	384/1 383	0.0900
1213	383/4	0.0156	1313	353/4 383	0.0800
128.	382/2	0.0270	128	382/1 382/2 383/4 381	0.0600
841	381 381/1	0.1200	841	380 381	0.0820
411	382 380	0.1736	546 411	380 382	0.0100 0.0150
35	379	0.0064			
198	312/9 374/1 377 378 380 312/7 312/8	0.3420	198	374/1 377 378 380	0.2506
			CH-18	312/9 312/7	0.0420 0.0240
			CH-18		

5	6	7	5	6	7
			CH-18	313/2	0.0100
	312/6	0.0240	303	312/4	0.0400
			CH-18	312/6	0.0310
			1211	172	0.0300
				174	
310	174	0.3000	310	174	0.2500
	175			175	
	176			176	
	177			177	
			1139	200/2	0.0500
				176	
				177	

[F. No. 14016/22/93-G.P]
ARDHENDU SEN, Director

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का.आ. 288.—भारत का राजपत्र दिनांक 19-3-94 के भाग-2, खण्ड-3, उभयंड (2) के पृष्ठ संख्या 919 से 921 पर प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की खतिज पाइप लाइन के (भूमि के उपयोग के अधिकार का वर्णन) प्रधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रवीन जारी की गयी प्रधिसूचना संख्या 740 दिनांक 8-3-94 प्राम—बरगदां खुर्द, परगना ब तहसील—खोराह, जनपद—प्रायरा की प्रकाशित सूची के स्तम्भ 5, 6 व 7 में निम्न प्रकार सही पढ़ा जाय।

विकापित			संशोधित		
5	6	7	5	6	7
68	1518	0.3960	69	1521	0.1872
	1520			1522	
	1521			1507	
	1522				
	1534				
66	1535	0.3112	610	1534	0.5200
	1536			1535	
	1537			1536	
				1537	
				1519	
				1520	
				1521	
513	1411	0.6000	जंगल बंजर	1411	0.1040
	1390				
	1391				
	1392				
	1393				
	1394				
	1394				
	1395		293	1390	0.4960
				1391	

	5	6	7	5	6	7
					1392	
					1293	
					1394	
					1395	
38	1147	0.2946	38	1147	0.1626	
	1148			1148		
216	845/3	0.1360	316	845/3	0.1360	
	847/3		मजत गांव	847/3		
			पंचायत	1147	0.1320	
96	1147	0.1320	128	1147	0.1320	
	1155			1148		
781	719	0.2905	780	719	0.2105	
	756			746		
	757			747		
503	757	0.3600	508	757	0.1800	
	752			752		
			मजत गांव	719/1	0.3600	
			पंचायत	752		
				757		

[संख्या एल-14016/22/93-जी.पी.]
अधिकारी सेवा, निवेशक

CORIGENDUM

New Delhi, the 17th January, 1995

S.O. 288.—In the Gazette of India Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 740 dated 8-3-94 published on 19-3-94 at page No. 921 to 923 in sub-section (I) of section-3 of the Petroleum & Mineral Pipe Line (Acquisition of right of users in land) Act 1962 (50 of 1962) of Village-Bargawan Khurd, Pargana & Tehsil-Kheragarh, Distt. Agra in column 5, 6 & 7 be read as follows :—

	As per gazette			corrected as below		
5	6	7	5	6	7	
68	1519	0.3960	69	1521	0.1872	
	1520			1522		
	1521			1507		
	1522					
	1534					
66	1534	0.3112	610	1534	0.3200	
	1536			1535		
	1537			1536		
				1537		
				1519		
				1520		
				1521		
513	1411	0.6000	Banjar	1411	0.1040	
	1390		293	1390	0.4960	
	1391			1391		
	1392			1392		
	1393			1393		
	1394			1394		
	1395			1395		
-38	1147	0.2946	38	1147	0.1626	
	1148			1148		
96	1147	0.1320	128	1147	0.1320	
	1155			1148		

5	6	7	5	6	7
781	719 756 757	0.2905	780	719 746 747	0.2105
508	757 752	0.3600	508	757 752 G.S. Land	0.1800 0.3600
216	845/3 847/3	0.1360	316	845/3 847/3	0.1360

[NO. L-14016/22/93 G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का. ना. 289.—भारत का राजपत्र विनांक 19-3-94 के पृष्ठ संख्या 901 व 902 पर प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रो-लिथम एवं प्राकृतिक गैस मंसालय को खनिज पाइप लाइन के (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन आरी की गयी अधिष्ठूतता सं. 735 दिनांक 8-3-94 ग्रान्ट-इनाई कला, परगांव तहसील-बेरागड़, जनपद-ग्रागरा की प्रकाशित सूची के स्तम्भ 5, 6 व 7 में निम्न प्रकार सही पढ़ा जाय।

पूर्व प्रकाशित			शुद्ध पड़ा जाय		
5	6	7	5	6	7
121	211 212 213	0.1640	121	212 213	0.0610
पहाड़	210	0.5060	बंजर पहाड़	211	0.1000
82	219 220	0.1440	62	219 220	0.1440
157	220 222	0.0400	बचत ग्राम सभा	220 222	0.0400
175	222 223 224	0.2560	175	218 220 222 223 224	0.2560
184	191 192 194 224 191 192 193	0.1200	184	191 192 193 194 224	0.1930
303	190	0.0060	बचत ग्राम सभा	190 191	0.1380

[संख्या एल-14016/22/93 ओ.पी.]
अर्धेन्दु सेन, दिव्यांक

CORRIGENDUM

New Delhi, the 17th January, 1995

S.O. 289.—In the gazette of India Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 735 dated 8-3-94 published on 19-3-94 page No. 902 & 903 sub-section (1) of section 3 of the Petroleum & Mineral Pipe Line (Acquisition of right of users in land) Act, 1962 (50 of 1962) of Village-Barnmai Kalan, Pargana & Tehsil-Kheragarh, Distt.- Agra in column 5, 6 & 7 be read as follows :—

As per gazette			Corrected as below		
5	6	7	5	6	7
121	211 212 213	0.1640	121	212 213	0.0640
Hill 82	210 219 220	0.5060 0.1440	Hill-Rock 62	211 219 220	0.1000 0.1440
157	220 222	0.0400	G.S. Land	220 222	0.0400
175	222 223 224	0.2560	175	218 220 222 223 224	0.2560
184	191 192 194 224	0.1200	184	191 192 193 194 224	0.1980
	191 192 193	0.2100			
303	190	0.0060	G.S. Land	190 191	0.1380

[No. L—14016/22/93 G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

गुणि-पद

नई दिल्ली, 17 अनुबरी, 1995

S.O. 290.—मारत रेकार का राजपद विनांक 1-10-94 के पृष्ठ सं. 3835 पर ग्रामित मारती सरकार के पटोलियम एवं प्राइसिक गैस भवालय की खनिज पाइप लाइन के (भूमि के उपयोग के भविकार का अधिन) अधिनियम सं. 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपचारा (1) के अधीन आरी की गर्भः अधिसूचना सं. 2265 विनांक 13-9-94 ग्राम-सोष, परसना, तहसील ब विला-मथुरा की प्रकलित सूची के दिव्य नियि के स्थान 5 व 6 में निम्न प्रकार सही पढ़ा जाए।

1. गाडा सं. 313 खेतफल 0.5100 के स्थान पर खेतफल 0.3780
2. गाडा सं. 314 खेतफल 0.3600 के स्थान पर खेतफल 0.3460

3. गाडा सं. 315 खेतफल 0.6900 के स्थान पर खेतफल 0.9120
4. गाडा सं. 316 खेतफल 0.0200 शर ता जाए।
5. कुल योग 27 खेतफल 7.3340 के स्थान पर कुल योग 28 खेतफल 7.4300 हेतद्वारा या 18-115 एकड़ के स्थान पर 19-359 एकड़ या 28-19-14 बीचा के स्थान पर 29-07-10 बीचा पढ़ा जाए।

[संख्या ए.ल—14016/22/93-डॉ.पौड़े]

पर्याप्त सेन, विदेशी

CORRIGENDUM

New Delhi, the 17th January, 1995

S.O. 290.—In the gazette of India Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 2265 dated 13-9-94 published on 01-10-94 at page No. 3847 sub-section (1) of section-3 of the Petroleum & Mineral Pipe Line (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) of Village-Tosh, Pargana & Tehsil-Mathura, Distt. Mathura in column 5, 6 be read as follows :—

1	2
1. Plot No.	313
2. "	314
3. "	315
4. "	316
	Area 0.5100 ,, 0.3600 ,, 0.6900 ,, 0.0200
	To be read be also added
	Area 0.3780 0.3460 0.9120

5. To be read Grand Total 28 Area 7.4300 Hectare Or 18.359 Acre or 29-07-10 Bigha instead of Grand Total 27 Area 7.3340 or 18.115 or 28-19-14 Bigha.

[No. L—14016/22/93 G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1995

का०ग्रा० 291.—केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को अधिसूचना सं० का०ग्रा० 2279, तारीख 21 अक्टूबर, 1993 के नाथ पठित, पेट्रोलियम और अनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 वा० 50) की घारा 2 के खण्ड (क) के अनुसरण में नीचे दी गई अनुसूची के सम्बन्ध 1 में उल्लिखित प्राधिकारी को उन अनुसूची के सम्बन्ध 2 में की तरस्थानी प्रतिष्ठित में उल्लिखित धोखों के भीतर उक्त अधिनियम के अधीन सदूच प्राधिकारी के कुर्त्यों का पालन करने के लिए भी प्राधिकृत करती है, प्रथम् :—

अनुसूची	अधिकारी/प्राधिकारी का नाम और पद	अधिकारी/प्राधिकारी का भेद
1	2	3
केवार मल मुप्ता,	राजस्थान राज्य	
तहसीलदार (प्रतिनियुक्त पर)		
इडियन ओयल कॉर्पोरेशन निमिटेड		
विरमगम—चाकसू—पानीपत पाइपलाइन परियोजना,		
वी-21-ए, शिव मार्ग, बनी पांवं,		
जयपुर-302016 (राजस्थान)		

[सं० ग्रा०-31015/48/93-मा० आ०-१]

जे.के. मायल, मंत्री सचिव

New Delhi, the 19th January, 1995

S.O. 291.—In pursuance to clause (a) of section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), read with Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas Notification No.S.O. 2279 dated the 21st Oct. 1993, the Central Government hereby also authorises the authority mentioned in column 1 of the Schedule below to perform the functions of the Competent Authority under the said Act, within the areas mentioned in the corresponding entry in column 2 of the said Schedule, namely :—

Schedule

Name and Address of the Officer/authority	Area of jurisdiction
1	2
KEDAR MAL GUPTA Tehsildar on deputation with Indian Oil Corporation Limited, Viramgam-Cheksu-Panipat Pipeline Project, B-21-A, Shiv Marg, Banipark, Jaipur (Rajasthan)-302016.	State of Rajasthan

[No. R-31015/48/93-OR-I]
J. K. MAYALL, Under Secy.

स्वास्थ्य और वैदिकार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1995

का०ग्रा० ३९२.—केन्द्रीय सरकार, राजस्थान (संघ के ज्ञासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 वे नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारी द्वारा विनियोगित कार्यालयों वाले, जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का भारतीयाक भाषा पालन कर लिया है, अधिकृत करती है :—

1. राज्यीय क्षयरोग संस्थान, लंगनोर।
2. केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन, उत्तर प्रदेश कार्यालय (उत्तर प्रदेश) संवानक।
3. केन्द्रीय स्वास्थ्य विभाग, जयपुर।
4. होमियो कुटुंब प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भाला, गंगाधर, उडीसा।
5. केन्द्रीय निदेशक, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण का कार्यालय, तुळा।
6. देन्द्रीय जालमा कुटुंब और संस्थान साक्षात्कार, आगरा-282001।
7. देन्द्रीय जनजाति आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान (भा०ग्रा०प्र०परि०), आर एम भाग सी, बालानेंका, नागपुर रोड, जबलपुर-482003।
8. राजेन्द्र स्वास्थ्य विकास विभाग अनुसंधान संस्थान, आगरा फुला, उत्तरा-300 007।

[संख्या E. 11012/1/94 रा०मा०कार्या०]
शैलजा चन्द्र, संयुक्त सचिवMINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE
New Delhi, the 16th January, 1995

S.O. 292.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (User of Official Purposes of the Union) Rule, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices under the Ministry of Health & Family Welfare, 80 percent staff whereof have acquired working knowledge of Hindi :—

1. National Tuberculosis Institute, Bangalore.
2. Central Drug Standard Control Organisation Sub Zonal Office (U.P.) Lucknow.
3. Central Government Health Scheme, Jabalpur.
4. Regional Leprosy Training and Research Institute, Aska, Ganjam, Orissa.
5. Regional Office for Health and Family Welfare, Pune.
6. Central Jalma Institute for Leprosy, Taj Ganj, Agra-282001.
7. Regional Medical Research Centre for Tribals (ICMR), R M R C Complex, Nagpur Road, Jabalpur-482003.
8. Rajendra Memorial Research Institute of Medical Sciences, Agam Kuan, Patna-800007.

[No. E-11012/1/94-OLI]
SHAILAJA CHANDRA, Jt. Secy.

विद्युत् मंत्रालय
नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1995

का. शा. 293 :—सार्वजनिक परिसर (अप्राधिकृत अधिगियों को बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने एतद्वारा विद्युत् मंत्रालय में भारत सरकार के दिनांक 8 जुलाई, 1993 के का. शा. 1590 में निम्नलिखित संशोधन किए हैं, प्रति :—

उक्त अधिसूचना के नीचे तालिका में क. सं. 4 में कालम (1) की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी,

“श्री आर. यू. खान, विधि अधिकारी, कोरबा सुपर लाप विद्युत् परियोजना, मध्य प्रदेश।”

[का. सं. 8/6/92-यू. एस. (सी. टी.)]
रमेश चन्द्र, अवर सचिव

MINISTRY OF POWER
New Delhi, the 17th January, 1995

S.O. 293.—In exercise of the power conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby makes the following amendment to the notification of the Government of India in the Ministry of Power number S.O. 1590, dated the 8th July, 1993, namely :—

In the table below the said notification, for the entry in column (i) against serial number 4, the following entry shall be substituted, namely :—

“Shri R.U. Khan, Law Officer, Korba Super Thermal Power Project, Madhya Pradesh.”

[F.No. 8/6/92-US(CT)]
RAMESH CHANDER, Under Secy.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 जनवरी, 1995

का. शा. 294 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सैन्दूल वैंक आंफ हंडिया के प्रवर्धनतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, भनुवंश में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-1-95 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एग.—12012/3/89-डी II ए, आई. आर. बी-2]
वी. के. शर्मा, डैस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR
New Delhi, the 5th January, 1995

S.O. 294.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal,

Madras as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of CENTRAL BANK OF INDIA and their workmen, which was received by the Central Government on 5-1-95.

[No. L-12012/3/89-D IIA/1R(B-II)]
V.K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU MADRAS

Thursday, the 19th day of May, 1994.
PRESENT

THIRU—K. SAMPATH KUMARAN, B.A.B.L.,

INDUSTRIAL TRIBUNAL

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 46/89

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947, between the Workman and the Management of Central Bank of India, Madurai).

Between
Shri I.N. Nagamony,
Cherukural Puthen Veedu,
Kannumamoodu,
Edaikodu Village,
Villavancode Taluk,
Kanyakumari Distt.-629 702.

AND
The Regional Manager,
Central Bank of India,
Regional Office, P.B. No. 206,
2nd Floor, Work Shop Road,
(Simmakkal) Madurai-625 001.

REFERENCE : Order No. L—12012/3/89-D.II(A), dated 15-5-1989, Ministry of Labour, Govt of India, New Delhi.

This dispute coming on 1st day of March, 1994 for final hearing upon perusing the reference, claim and Counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Tvl. S. James, P.G. Thamaraiachelvi, Advocates appearing for the workman and of Tvl. T.S. Gopalan, P. Ibrahim Kalifulla, S. Ravindran and N.C. Srinivasa Varadhan, Advocates appearing for the Management, and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following

AWARD

This reference has been made for the adjudication of the following issue :

“Whether the action of the Management of Central Bank of India, in dismissing Shri I.N. Nagamony, Daffary-cum-Watchman from the service of the Bank is justified ? If, not, to what relief is the workman entitled.”

2. The petitioner filed the following Claim Statement: The petitioner joined Bank on 2-11-78 as a temporary watchman-cum-Peon and was subsequently confirmed. He

was served with charge sheet dated 3-7-86. Totally 5 charges were framed against him. The petitioner was not a member of any union, and there is nobody to defend the petitioner in the departmental enquiry. The petitioner faced the enquiry and his request for engaging a lawyer to help him was rejected by the respondent without reasons. The Enquiry Officer found that only the first 3 charges were proved against the petitioner. The Disciplinary Authority disagreed with the Enquiry Officer and came to the conclusion that alongwith first 3 charges, the 4th charge was also proved and issued a Show Cause Notice dated 27-5-87 seeking explanation of the petitioner as to why he should not be dismissed from service. The petitioner appeared before the Disciplinary Authority on 8-6-87 for personal hearing with regard to the proposed punishment and explained the matter. He submitted a written reply to the Show Cause Notice. The petitioner was dismissed from service by the order dated 17-6-87. The petitioner had no experience in departmental enquiry and the refusal of the respondent to permit him to engage a lawyer vitiated the whole enquiry. The enquiry officer was not a fair minded person. The request of the petitioner to change the Enquiry Officer was rejected. The whole enquiry is against natural justice. The charges were framed in the year 1986, whereas the charges relate to the period 1981-82. The charges were vague. Another employee of the bank was reinstated into service without enquiry. The first two charges relate to alteration of dates in the medical certificate produced by the petitioner for availing leave. These two medical certificates were produced in the year 1981 and 82. The respondent bank after due verification sanctioned leave for the period mentioned in the medical certificates. These documents were under the exclusive custody of the respondent-bank. After 5 years, the respondent-bank finds alteration in the dates. There is no evidence to show that such alteration was made by the petitioner. Therefore, the findings of the Enquiry Officer with regard to the first two charges have to be set aside. The 3rd charge relates to the availing of leave fare concession. The bank has not proved the charges. The petitioner went to Allahabad with his family, spent 3 days in Allahabad in Anand Nivas hotel for which he produced the bill. The petitioner claimed Rs. 775.60, but only Rs. 400 was allowed. The petitioner availed leave fare concession in the year 1982, and produced the bills in that year, which were verified by the branch as well as sanctioning authority and the internal auditors. All the tickets and vouchers with relevant records were in the custody of the respondent-bank. The Exhibits marked by the respondent as tickets were not that produced by the petitioner. There is no evidence to show that these tickets were produced by the petitioner in June, 1982.

3. Regarding charges 4 and 5, Enquiry Officer held that they were not proved. The reversion of the finding of the Enquiry Officer on Charge No. 4 by the Disciplinary Authority is vitiated. The complainant with regard to charge no. 4 was not examined for which there is no explanation. The conclusion of the Disciplinary Authority that there is some financial dealing between the petitioner and the complainant and hence, the charge of demand of money for sanction of loan is proved is quite illogical.

4. Assuming that the charges are proved, the punishment is excessive. Therefore, an award may be passed holding that the non-employment of the petitioner is not justified and directing the respondent to reinstate the petitioner with back wages, continuity of service and other benefits.

5. The respondent filed the following Counter :
The charges against the workman are :

1. That Thiru Nagamony vide his leave application dated 9-3-81 applied for leave on medical grounds from 9-3-81 to 16-3-81. He produced a discharge slip dated 16-3-81 issued by Military Hospital, Trivandrum. On the certificate the date of admission to the hospital has been altered as 9-3-81. On verification it is found that Thiru Nagamony was actually admitted in the hospital on 10-3-81. Thus, Nagamony produced a certificate which had been altered to give him the advantage of one more day's leave.

2. Mr. Nagamony submitted a leave letter dated 23-8-82 for 13 days sick leave from 23-8-82. He reported for duty on 6-9-82 and produced a discharge slip dated 25-8-82 issued by Military Hospital, Trivandrum. The date of discharge mentioned in this Certificate is found to have been altered as 4-9-82. On verification it was found that Nagamony who was admitted on 23-8-82 was discharged on 26-8-82. By producing the altered discharge certificate, Mr. Nagamony stayed away from duty beyond 26-8-82. (a) Nagamony submitted a leave fare concession bill for Rs. 775.60 in June 1982. In order to claim the bill under LFC facility he produced bus tickets nos. 256/YZD, 4823 and 246/YZD 3567 issued by Kerala Tourist Corporation for the journey from Kaliakavilai to Nagercoil and represented that these tickets were issued for the journey from Nagercoil to Trivandrum (b) the amount of bus ticket numbers 92695 and 92696 issued by Pallavan Transport Corporation Ltd., operating in Madras city only have been included to claim the fare for the journey from Nagercoil to Trivandrum. (c) Nagamony claimed Rs.34/- only per ticket for journey from Allahabad to Secunderabad whereas the prevailing rail fare was more. (d) In support of journey from Secunderabad to Renigunta, Nagamony produced two excess fare tickets No. 512461 for Rs. 142 and 512464 for Rs. 12. As per these tickets, the excess fare was collected at Warrangal for journey from Balharshah to Ranigunta. Thus he has not produced correct tickets for his journey. Further, he produced a bill issued by a lodge at Allahabad wherein the date of arrival and departure were given as 13-6-82 to 15-6-82. In the tickets 512461 and 512464 the date of journey has been altered to 13-6-82. Train No. 132 for which the excess fare tickets have been issued did not run from Secunderabad to Renigunta. Thus Nagamony submitted false bill under LFC facility, and committed gross misconduct.

4. Nagamony, while working at Puliyoorsalai branch demanded Rs. 500 from Thangappan stating that he would get a loan sanctioned to him. Thangappan refused to pay the amount on 25-10-84, when Thangappan was granted a loan of Rs. 5,000, Nagamony demanded Rs. 500 from him. On his refusal, he forcibly took away Rs. 500 from Thangappan. On 26-10-84, Nagamony went to the borrower's house and demanded Rs. 200 when the borrower was away.

5. Nagamony while working in Puliyoorsalai branch obtained Rs. 500 from K.Muthusamy, promising that he will get a loan.

6. During the enquiry, Nagamony stated that he will himself defend the case. But, he wanted proceedings to be recorded in Malayalam. The Enquiry Officer stated that the proceedings will be recorded in English only, and stated that Nagamony can take the assistance of the staff member, who is well versed in Malayalam and English. The Enquiry proceedings will show that the petitioner had skilfully cross-examined the Management's witnesses and the enquiry officer had translated the entire enquiry proceedings then and there, and that was accepted by the workman. Nagamony has also signed for having understood the entire proceedings.

7. The Enquiry Officer found that the charges 11 to 3 were proved and that the charges 4 and 5 were not proved. The disciplinary authority issued a Show Cause Notice dated 27-5-87 requesting the workman to appear on 8-6-87 with regard to the charge sheet dated 3-7-86. He had disagreed with the finding of the Enquiry Officer with respect to charge no. 4 and declared that the charge no. 4 was proved. He proposed a consolidated punishment of dismissal. The petitioner represented before the Disciplinary authority on 8-6-87. He was dismissed from service by the order dated 17-6-87.

8. After issue of the charge sheet, dated 3-7-86, the dismissed workman committed a major misconduct on 12-2-87 for which he was suspended. An enquiry was conducted against N.Raghunathan, Chief Cashier of Nagercoil branch and the Disciplinary Authority had already passed the punishment order against Raghunathan. He was reinstated into service after the infliction of the punishment. The dismissed workman was also issued the charge sheet dated 9-3-87 and the Enquiry was conducted. The disciplinary authority did not pass any order on the basis of the Enquiry report, since the workman had already been dismissed in view of the charge sheet dated 3-7-86.

9. Since the Presenting Officer was not a legally qualified person, the bank had declined his request for an advocate to represent his case in the departmental proceedings by letter dated 29-8-86. The case was represented by an Officer of the bank in his official capacity. Para 6(a) of the Sastry Award provides that the charge sheeted employee should be defended by a representative of a registered union of the bank or with bank's permission by a lawyer. Since the presenting Officer is not legally qualified and was not having any previous experience in conducting the domestic enquiry, the Management did not permit the worker to engage a lawyer. The Presenting Officer and the Enquiry Officer were not conversant with legal procedure and had not conducted any enquiry previously. The petitioner was given a reasonable opportunity. In the application submitted at the time of the employment in the bank Nagamony had stated that he can read and write English along with Hindi and Malayalam. These applications were written only in English and not in Malayalam. Enquiry proceedings were translated then and there into Malayam by the Enquiry Officer.

10. Even during the course of the personal hearing before the Disciplinary Authority or after the completion of the enquiry, the petitioner did not challenge the appointment of Enquiry Officer. The Disciplinary Authority by his letter dated 29-11-86 had replied that it is only a surmise that the friendship between the Enquiry officer and the former Branch Manager of Puliyoorsalai will influence the Enquiry Officer. He was also informed that there was no need to change the Enquiry Officer. Whatever, complaints/reports are received, they are thoroughly investigated and if there is a prima facie case, and after conducting the enquiry, the punishment is imposed. Naturally there will be time lag.

11. It is true that the petitioner submitted medical certificate with alterations. Only after verification of the records and after getting necessary certificates from the respective officials, charges were framed against workmen. On account of verification with the Government department, it has taken some time to frame charges. Only on the basis of the evidence produced in the enquiry,

the Disciplinary Authority reversed the findings of the Enquiry Officer. The punishment given by the Disciplinary Authority is reasonable, considering the offence committed by him. The person working in bank must act with utmost integrity. The Management may be permitted to lead evidence before this Court. Therefore, the claim may be dismissed.

12. The Issues that arise for consideration in this Industrial dispute are :

1. Whether the charges against the petitioner have been proved ?
2. Whether the enquiry against the petitioner has been fair and just ?
3. Whether the punishment imposed upon the petitioner is appropriate.

13. Issues 1 to 3 : The first charge is that the petitioner Nagamony gave his leave application (Ex.M. 17 dt. 9-3-81) seeking leave on medical grounds for 8 days from 9-3-81. He had stated that the medical certificate will be produced at the time of joining, but he had produced a discharge slip (Ex. M. 18 dated 16-3-81) from the Military Hospital, Trivandrum where in the date of admission has been altered from 10-3-81 to 9-3-81. It is evident from the mere perusal of Ex.M.18 that the date of admission found therein has been altered by overwriting as '9th. Thereupon the respondent bank wrote a letter to the Military hospital, Trivandrum requesting them to confirm whether the alteration of the date as 9-3-81 was authenticated alteration, and also requested them to give the date of admission of the petitioner-Nagamony. The reply (which is also a part of Ex. M.28) shows that the petitioner-Nagamony was admitted in the hospital only on 10-3-81. So, the respondent bank issued a memo found Ex. M. 29 dated 14-2-83 calling upon him to explain why he altered the date of admission in the discharge slip. The reply given by the petitioner is also a part of Ex.M.29 where in he has stated that since the original certificate and the copies of the relevant records were not shown and furnished to him, he is not able to recollect, that alongwith medical certificate issued by the Military hospital, he had attached a Medical certificate obtained from a local doctor pertaining to 9-3-81, that the said certificate appears to have been suppressed and that some miscreants have caused the correction in the medical certificate issued by the Military Hospital, Trivandrum. He has also stated that he had not done the correction. So, from this it is clear that he was admitted in the Military hospital only on 10-3-81, and according to him he had produced the discharge slip from the Military hospital for the period from 10-3-81 only, and that he had also produced a certificate from a local doctor for 9-3-81. so, it is clear that there is alteration in the date. The question is whether somebody else could have corrected it and whether there is any reason for anybody to do so. In the reply found in Ex.M.29, the petitioner has not named any person who could have done so. He has not given any reason for anybody to do so. MW7 Parameswaran examined on the side of the Management in the domestic enquiry spoke about the leave application, the discharge slip produced by the petitioner, about the memo issued to him and the reply given by the petitioner. The petitioner questioned MW7 Parameswaran as to whether he corrected the discharge slip and

Parameswaran replied in the negative. The petitioner suggested to him as follows :

I have seen that yourself and one Mr. A.M.J. Stanislas, Peon of this Office were altering discharge slip. What have to say in this.

To this he replied he did not do so.

If really the petitioner had seen Parameswaran and Stanislas correcting or altering the discharge slip he would not have kept quiet without giving a complaint against them. In the reply to the memo found in Ex. M.29 he has not mentioned the names of Stanislas and Parameswaran. He merely stated that it was some miscreant. Therefore, the suggestion that he had seen them correcting or altering the memo is unacceptable. It is the petitioner who will be interested in altering date. Though, he attempts to say that he had produced medical certificate from a local doctor, and that was suppressed, there was no such suggestion to Parameswaran. There is nothing to show that the petitioner had produced a certificate from a local doctor regarding 9-3-81. When the petitioner is an ex-serviceman, and when he has been taking treatment from the Military hospital, it is improbable also that he would have taken treatment from a local doctor on 9-3-81 only. So, his contention that he produced a medical certificate for 9-3-81 from a local doctor and therefore, there was no necessity to alter the discharge slip Ex. M.18 cannot at all be accepted. Therefore, taking into consideration all these facts, I find that it is clear that it is the petitioner who had altered the date as 9-3-81 in the discharge slip, since, there was no separate medical certificate to support his leave for that date. So, I find that the finding of the Enquiry Officer that the first charge is proved has to be accepted.

14. The second charge is that the petitioner-Nagamony gave a leave application dated 23-8-82 (Ex.M.21) wherein he has stated that he had to be admitted in the Military Hospital, Trivandrum and that he may be granted 13 days sick leave from 23-8-82. The petitioner produced the discharge slip dated 25-8-82 where the date of discharge mentioned in the certificate is found to have been altered as 4-9-82. The petitioner was charged that he was admitted in the hospital on 23-8-82, but was discharged on 26-8-82, and by producing discharge certificate with the date of discharge altered, he had stayed away from duty beyond 26-8-82. Ex.M.22 is the discharge slip issued by Military Hospital, Trivandrum, which bears the date of discharge as 4-9-82. A mere perusal of the Ex. M.22 shows that the date has been altered as 4-9-82 atleast on two places, i.e. at Column 7 and below the signature, and the seal found at the bottom. The fact that was overlooked at the time of altering this date is that the date of certificate mentioned there in at the bottom is 25-8-82. If the certificate is issued on 25-8-82, then the date of discharge cannot be 4-9-82. But, the date of discharge is mentioned as 4-9-82 and therefore, obviously the date of discharge cannot be 4-9-82 and must have been altered. As pointed out already, the petitioner has asked for 13 days sick leave from 23-8-82 and therefore naturally he is the person who will be interested in altering the date of discharge as 4-9-82. Here again, the bank had written a letter to Military Hospital, Trivandrum and has asked for the period of treatment as inpatient apart from other details. The reply of the Military Hospital, Trivandrum is also found in Ex.M.23 where in we find that the date of

admission is given as 23-8-82 and discharge as 26-8-82. In the memo issued by the bank to the petitioner M.25 dated 16-10-82, it has been mentioned that the petitioner applied for sick leave for 13 days from 23-3-82 to get himself admitted as inpatient in the Military Hospital, Trivandrum that he rejoined duty on 6-9-92, that he produced the discharge slip dated 25-8-82 issued by the Military Hospital, that the date of discharge is found erased and altered as 4-9-82, that the correct date of discharge from the hospital is 26-8-82, and also called upon him to explain as to why the alteration was done as 4-9-82. The petitioner has replied under Ex.M.26 dated 25-10-82 where he has stated that it is true that he submitted a medical certificate for 3 days issued by the Military Hospital, Trivandrum, that he had submitted another medical certificate for 10 days issued by the local doctor, that he had submitted these certificates to K.Parameswaran (MW7) who had suppressed certificate issued by the local doctor, and has tampered with and corrected the certificate issued by the Military Hospital to cause damage to him. As pointed out already, if Parameswaran had done it, and if the petitioner knew about it, certainly the petitioner would not have kept quiet, and would have complained against the said Parameswaran (MW7) without waiting till the memo is issued to him by the bank demanding for his explanation. One significant factor which goes against the petitioner is that in his evidence before this Tribunal, he stated that he joined the Military Hospital, Trivandrum after applying for sick leave, for 13 days from 23-8-82 that he did not get himself discharged on 29-8-82, and that he was there till 4-9-82. This is quite contrary to the reply found in Ex.M.26 where in he has stated that he has submitted a medical certificate for 3 days issued by the Military Hospital, Trivandrum and from a local doctor for 10 days. It means that he had not taken treatment at the Military hospital for the entire period from 23-8-82 to 4-9-82 whereas his statement before this Tribunal is that he took treatment from the Military Hospital from 23-8-82 to 4-9-82. So, it is evident that after having altered the date of discharge as 4-9-82 and then finding himself in trouble, the petitioner first stated that he had produced certificate from, Military hospital for 3 days only, that for the next 10 days he has produced a medical certificate from a local doctor and Parameswaran had tampered with it, but failing to establish the same, has stated before this Tribunal that he stayed there in the Military hospital from 23-8-82 to 4-9-82. So, taking into consideration all these factors, I find that the petitioner's case is not true and that it must be the petitioner who has altered the date of discharge as 4-9-82. Therefore, the finding of the Enquiry Officer that the petitioner altered the date in the discharge slip has to be sustained.

15. I will next deal with the 4th charge against the petitioner. The 4th charge is that the petitioner, while working at the Putiyorsalai branch, demanded Rs. 500 from Thangappan stating that he would get the loan sanctioned to Thangappan by the branch, that Thangappan was granted a loan of Rs. 5,000 on 25-10-84 that the petitioner demanded Rs. 500 from him, that when Thangappan refused to pay it, the petitioner forcibly took Rs. 500 from Thangappan. It is also alleged that on 26-10-84, he went to Thangappan's house, when he was away and demanded Rs. 200. Thangappan was examined as MW1 in the domestic enquiry. He stated in his evidence that he received a loan of Rs. 5,000 from Putiyorsalai branch of the respondent and that he has given a complaint against petitioner

(Ex. M. 7) regarding this charge. He stated that on 25-10-84, he availed this loan of Rs. 5,000 that before he left the office, the petitioner Nagamony came and demanded Rs. 500 that he refused to pay, that the petitioner caught hold of him and took Rs. 500 from him, that after he (MW1) left office, the petitioner Nagamony followed him and demanded Rs. 200/- which he refused, that in the evening of the next day, when he (MW1) was away, Nagamony came to his house in an intoxicated state alongwith others demanded Rs. 200 and threatened his family members. In cross-examination Thangappan stated that he was sentenced to pay a fine of Rs. 175 in a criminal case, that he was unable to remit it, that he was in the jail, that he wrote a letter to petitioner-Nagamony to pay the fine and get him released without knowledge of his (MW1's) family, but, the petitioner had explained everything to his family members, who came and got him released. But, no questions were put to him with regard to demand and taking of Rs. 500 (from him MW1 Thangappan). The Enquiry officer held that the evidence of MW1 is not trustworthy and the complaint is doubtful. But, the Disciplinary Authority issued a show cause memo dated 27-5-87 (Ex. M. 39) wherein he had disagreed with the findings of the Enquiry Officer and opined that there is evidence to show that there were certain money dealings between the petitioner and Thangappan and therefore, held that there is no justification in the conclusion of the Enquiry Officer and therefore held that this charge is proved. But, before giving this final finding the Disciplinary Authority had not called upon the petitioner to say whatever has got to say on this point, since he (Disciplinary Authority) was not in agreement with the finding of the Enquiry Officer on this charge. Without having done so, without giving an opportunity for the petitioner to put forward his case, the Disciplinary Authority held that this charge is proved and proposed the punishment of dismissal without notice. The finding of the Disciplinary Authority cannot at all be sustained. Even-though the petitioner had not put questions to Thangappan with regard to this, straight away, it is clear from the questions put to MW1 Thangappan that there is enmity between Thangappan and the petitioner in view of the petitioner's failure to get him released from jail, and in view of the fact that he had made the fact of MW1 Thangappan having been lodged in the jail known to his family. There is no acceptable evidence except the interested testimony of MW1 only in this regard, and in view of the animosity between them, his evidence alone cannot be accepted on this point. So, I find that this charge is not proved.

16. Now I will deal with the 3rd charge against the petitioner. The 3rd charge consists of 4 parts. Charge 3(a) is that Nagamony submitted a leave fare concession bill for Rs. 775.60 in June 1982, to claim the amount under the LFC facility, that he produced certain Bus tickets issued by Kattabomman Transport Corporation, for travel from Kaliyakavilai to Nagercoil representing as if these tickets were issued for journey from Nagercoil to Trivandrum.

17. Charge 3(b) is that he included the amounts covered by two tickets issued by Pallavan Transport Corporation operating at the City of Madras for claiming the fare for the journey from Nagercoil to Trivandrum.

18. Charge 3(c) is that the petitioner claimed only Rs. 34 as being the fare for journey from Allahabad to Secunderabad whereas, it must have been more.

19. Charge 3(d) is that in support of his journey from Secunderabad to Renigunta, the petitioner produced two excess fare tickets, one for Rs. 142 and other for Rs. 12/- but for this excess fare was collected at Warangal for journey from Balharsha to Renigunta. It is also alleged that he has produced the bill issued by a lodge at Allahabad where the date of arrival and departure have been given as 13-6-82 and 15-6-82 whereas in the excess fare tickets, the date of journey has been altered to 13-6-82. It is alleged that train no. 132 for which the excess fare tickets have been issued do not run from Secunderabad to Renigunta.

20. I will first deal with the charges 3(a) and (b) together which relate to the claim for travel from Nagercoil to Travandrum. Ex. M32 is a letter written by the respondent-bank to the Pallavan Transport Corporation requesting them to inform whether the tickets bearing Nos. 92695 & 92696 each for 40 paise are genuine tickets for travel between Nagercoil and Trivandrum. The reply by Pallavan Transport Corporation is also found in Ex. M. 32 wherein they stated that these tickets were sold in Madras City route no. 21, and that the Pallavan Transport Corporation bus tickets are not valid on other transport corporation routes. The respondent bank issued a memo Ex. M. 33 dated 10-1-84 to the petitioner regarding this charge. The petitioner has given a reply dated 21-1-84 found in Ex. M. 34 wherein he has stated that his claim was passed after careful verification of all the tickets given by him, and that Palamswaran, the Accountant, and Stanis las, the peon must have changed the tickets. The LFC with its enclosure submitted by him has been marked as Ex. M. 35 wherein he has mentioned ticket nos. 92696 and 92695 each for 40 paise as tickets for his travel from Nagercoil to Trivandrum. Obviously this cannot be correct. The tickets issued by the Pallavan Transport Corporation operating the buses in the Madras City cannot be used for travel from Nagercoil to Trivandrum. But, the learned Enquiry Officer has found that this must be due to some unknown mistake. The Disciplinary Authority though in general agreed with the finding of the Enquiry Officer, has not specifically discussed this aspect. The other part of this charge 3(a) is that the petitioner has given two tickets for travel from Kaliyakavilai to Nagercoil bearing numbers 256 and 246, and these are not correct tickets. The petitioner and his wife travelled by LFC facility. If both of them travelled together normally the tickets issued to them should bear consecutive numbers. But, from the mere fact that these two tickets do not bear consecutive ticket numbers, only, it cannot be stated that they are not true. So, while it must be stated that charge 3(a) is not proved, so far as charge 3(b) is concerned, the finding of the Enquiry Officer is that it must be a mistake, which has not been specifically dealt with by Disciplinary Authority. So, the petitioner cannot be punished for the alleged misconducts mentioned in the charges 3(a) and 3(b).

21. Charge 3(c) is that the petitioner Nagamony claimed a sum of Rs. 34 per ticket only for journey from Allahabad to Secunderabad whereas, this must be more. Here again there is no satisfactory evidence. MW9 Ramanathan, who was a Sub-Accountant at Nagercoil branch during 2-1-79 to 27-8-82 spoke about the LFC bill claimed by the petitioner. He stated that Nagamony has claimed a sum of Rs. 34 per ticket for journey from Allahabad to Secunderabad whereas, the then travelling rail fare was more than that. He stated it must have been

nearly about Rs. 74/- In cross examination he admitted that the tickets were verified by him at the time of passing the bill. It is not known why this objection was not raised then. From merely what this witness stated, it cannot be concluded that this is a false tickets. Therefore, I find this charge is not proved since no other evidence has been produced to show the correct face.

22. The charge 3(d) is that the petitioner had produced two excess fare tickets for Rs. 142 and 12 for journey from Secunderabad to Renigunta, and that from those tickets it is seen that these excess fares were collected at Warrangal for journey from Balharsha to Renigunta, and therefore, these tickets are not correct tickets. It is also alleged that the petitioner had produced a bill from a lodge at Allahabad for having stayed there from 13-6-82 to 16-6-82 whereas the two excess fare tickets mentioned show the date as 13-6-82 and that so, the date has been altered. It is also alleged that the train no. 132 for which the excess fare tickets have been issued do not run from Secunderabad to Renigunta. A perusal of the LFC bill produced by the petitioner (Ex. M. 35) shows that the date in the excess fare tickets has been changed as 13-6-82 from 17-6-82. It has been ascertained from the Railways under Ex. M. 38 that these excess fare tickets have been issued for travel from Balharsha to Renigunta. If this travel had been made on 13-6-82, then the petitioner could not have stayed in the lodge at Allahabad from 13-6-82 to 15-6-82. The petitioner has produced a bill from a lodge at Allahabad for his stay from 13-6-82 to 15-6-82. Therefore, this goes to prove that the dates in excess fare tickets have been changed from 17-6-82 to 13-6-82. So, the petitioner has committed these irregularities. So, this charge must be held to have been proved. So far as the charge no. 3 is concerned, both the Enquiry officer and Disciplinary Authority have held that this charge is not proved.

23. So far as the punishment is concerned, even the Disciplinary Authority had only proposed the punishment of stoppage of one increment for charges 1 and 2, and dismissal of charges 3 and 4. Ultimately, the petitioner was dismissed from service. But, in view of my finding that only charges 1, 2, and 3 have been proved, the punishment of dismissal from service under charge no. 4 cannot be sustained. The punishment of stoppage of increment under charges 1 and 2 has to be sustained and cannot be stated to be disproportionate, or excessive. So far as charge no. 3 is concerned, it is not the contention of the respondent-bank, and it is not the charge that the petitioner did not perform the travel by availing leave fare concession. The receipt from the lodge shows that he had gone to Allahabad and stayed there. He has also produced return tickets. Therefore, he had performed journey by availing the leave fare concession, but had only committed some irregularities, in producing the tickets, which did not relate to the travel. Therefore, in these circumstances, I am of the opinion that the punishment of dismissal from service is excessive, and instead of the punishment of dismissal, from service for this charge, stoppage of one increment for 1 year for this charge also can be imposed. So, for these charges 1, 2 and 3 the punishment of stoppage of one increment for 1 year for each of the 3 charges can be imposed.

24. The next question is whether the enquiry was fair and just? The petitioner contended that these charges relate to the incidents which are alleged to have taken

place during 1982, but charges were framed only on 3-7-86, and therefore, the charge sheet itself is vitiated and consequently the enquiry and the punishment also. But, we have to see that the charges relate to different aspects. These things had to be verified and then only the charges can be framed. The fact that the bank had immediately taken steps is also seen from Ex. M. 23, the letter written by the bank to the Military hospital, for ascertaining the details. In October, 1982 itself the bank had issued the memo seeking the explanation and had obtained his explanation. In December, 1982 the bank had addressed the Military hospital, as is evident from Ex. M. 28. But, it issued another memo to the petitioner under Ex. M. 29 on 14-2-83. With regard to the leave fare concession, the bank had addressed the Pallavan Transport Corporation in 1984. It had issued memo to him under Ex. M. 33, and he had given his explanation under Ex. M. 34 in January 1984. The bank had addressed the railways and ascertained certain details under Ex. M. 38 i.e. names of railway stations referred to in the excess fare tickets. With regard to the charges that the petitioner had received money from 2 persons on the ground that he will get the loan sanctioned to them are also concerned, it is seen that on receipt of the complaint Ex. M. 7 from Thangappan in November, 1984 the bank had issued a communication to Thangappan to come and establish the charges as is evident from Ex. M. 14 dated 15-5-85. Thangappan had written a letter Ex. M. 9 stating that he is unable to attend personally and that he had stated what all he wanted to say in his complaint. A memo was issued to the petitioner under Ex. M. 15 on 2-6-86, and the petitioner had given his explanation regarding these allegations, under Ex. M. 16 on 12-6-86. Therefore, the various types of allegations have been made against the petitioner, and when certain irregularities had come to the notice of the respondent-bank—the respondent-bank had naturally to investigate into the allegations and irregularities and then take action. Therefore, in these circumstances, it cannot be stated that there has been undue delay in framing the charges. It has also not been established that the petitioner has been prejudiced in any manner by the delay. It is not as if he is not able to produce some oral or documentary evidence in view of the delay. Therefore, it cannot be stated that the charge, enquiry and punishment are vitiated in view of the delay. So, this contention of the petitioner can not be accepted.

25. One other contention put forward by the petitioner is that the enquiry proceedings were recorded in English and that he does not know English. Of course, he has requested that the enquiry should be recorded in Malayalam but, that was not accepted. According to the respondent, the witnesses have given evidence in English, Tamil and Malayalam and wherever it is given in a language not known to him it was translated into Malayalam and his signatures have also been obtained in token of having understood what is recorded. A perusal of the enquiry proceedings shows that at several places, the enquiry officer has recorded that it was explained to him in Malayalam, that he has understood it, and has signed the enquiry proceedings. Further, it is not as if the petitioner does not know the English completely. The application sent by him for appointment in the bank has been filled up in English. The petitioner in his evidence before this Tribunal only attempted to say that he has not signed it, though, he has stated that what all has been written is in his own handwriting. This application is in English

and filled up in English. He only stated that certain portions are not in his handwriting. Even in the charge sheet, we find his signature is in English, in token of having received it. The manner in which he had cross-examined the witnesses also shows that he had understood what was deposed and had cross-examined the witness intelligently. Therefore the contention that he does not know English and that the deposition has been recorded in English and therefore, he has been prejudiced cannot be accepted. Even in the evidence given by him before this Tribunal, he stated that the enquiry was conducted in Tamil and Malayalam, that he could not understand that mixed language. Therefore, it is clear that the entire enquiry was not conducted in English, though, the deposition was recorded in English. So, this contention of the petitioner that he has been prejudiced in this behalf cannot be accepted.

26. Another contention put forward by him is that the documents were not given to him before the commencement of the enquiry, and therefore, he could not effectively cross-examine the witnesses. The Enquiry proceedings (Ex. M.3) shows that list of witnesses and documents were produced by the respondent on 15-12-86 itself, and a copy of the same had also been delivered to the petitioner. Of course, it is seen that the documents as such or the copies of the documents were not furnished to petitioner as and when they were marked as Exhibits. The petitioner had perused the originals at that time and only thereafter he had cross-examined the witnesses. Therefore, though copies of the documents were not given in entirety before the commencement of the enquiry, it is seen that the list was given earlier and copies were given when they were marked, that the petitioner had an opportunity to peruse the originals and that he had conducted cross-examination only thereafter. Therefore, in these circumstances, it cannot be stated that the petitioner is prejudiced in this behalf.

27. Another contention put forward by the petitioner is that he had requested the Enquiry Officer to permit him to engage a lawyer, and that this was refused and therefore, he has been prejudiced. But, I find from the Enquiry Proceedings that on 15-12-86, the Enquiry Officer asked the petitioner to state if, he was having any representative to defend. But, the petitioner had replied that he will himself defend. Therefore, the contention that he was not permitted to be defended by a lawyer has been raised now just to say that the enquiry is not fair. But, this cannot also stated to be a case where the services of a lawyer are called for in defending a case in domestic enquiry, where it is not shown that the Presenting Officer and Presiding Officer are legally trained persons. So, in these circumstances, this objection of the petitioner cannot also be accepted.

28. Therefore, taking into consideration all these points, I find that it cannot be stated that the enquiry was not conducted fairly and properly. Although, I have held that the Disciplinary Authority was not right in finding that the charge no.4 is proved, disagreeing with the finding of the Enquiry Officer, but without giving an opportunity to the petitioner, I find that charges 1 to 3 have been proved. I also find that the imposition of punishment of dismissal from service for charge no. 3 is disproportionate and has to be set aside.

Accordingly, it is set aside and instead the punishment of withholding one increment for 1 year has to be imposed, for this charge also. With regard to charges 1 and 2 punishment of stoppage of increments for one year on each charge is

imposed. So far each of the charges 1 to 3 the punishment of stoppage of one increment is imposed. In view of my finding that the Order of dismissal has to be set aside, the respondent has to be directed to reinstate the petitioner into service, while imposing the punishment of stoppage of increment. But in view of misconducts committed by the petitioner, and the circumstances of the case, I find that the petitioner should not be given back wages.

In the result, I find that the action of the respondent-bank in dismissing Shri I.N. Nagamoney, Daftary-cum-Watchman from the service of the bank is not justified, and accordingly, the same is set aside. Instead, the punishment of stoppage of increment for one year for each of the 3 charges which have been proved (i.e. stoppage of 3 increments in total) is imposed. The respondent is directed to reinstate the petitioner into service but without back wages. An award is passed accordingly. No costs.

Dated, this the 19th day of May, 1994.

K. SAMPATH KUMARAN,
Industrial Tribunal.

WITNESSES EXAMINED

For Workman

W.W.I. I.N. Nagamoney.

For Management

M.W.1 M.P. Joseph.

M.W.2 K. Raghuraman.

DOCUMENTS MARKED

For Workmen

Nil

For Management

Ex.M-1 Portions numbering twelve marked in red ink in the application form for the post of Peon applied by the petitioner-workman Thiru I.N. Nagamoney.

M-2 Signature of Petitioner-workman in the charge sheet.

M.3 Proceedings of the Enquiry Officer.

M.4 Signature of the Petitioner-workman.

M-5/3-7-86 Charge sheet issued to the Petitioner-workman.

M-6/28-2-87 Findings of the Enquiry Officer.

M-7/ Complaint by Thiru P. Thankappan against the petitioner-workman.

M-8/22-10-84 Loan application of Thiru P. Thankappan. Inland letter from Thiru P. Thankappan addressed to the Management.

M-9 Letter from Smt. A. Janammal, wife of Thiru P. Thankappan.

M-10/25-10-85 Complaint by Thiru K. Muthusamy against the Petitioner-workman (copy).

M-11/6-7-85 Term Loan Agreement executed by Thiru P. Thankappan for Rs. 5,000/-.

M-12/25-10-84 Debit voucher for Rs. 5,000/- issued by Central Bank of India, to Thiru P. Thankappan.

M-13/25-10-84 Letter from Management Bank, Puliyoor Branch to Thiru P. Thankappan.

M-15/2-6-86	Charge Memo issued to the Petitioner-workman (Xerox copy).	M-37/5-6-82	Letter from Management-Bank, Nagercoil Branch to the petitioner-worker granting leave for 15 days from 7-6-82 (Xerox copy).
M-16/12-6-86	Explanation by the Petitioner-Union to Ex.M-15 (Xerox Copy).	M-38/2-9-86 5-9-86	Letter from Management Bank to the Divisional Commercial Superintendent, Southern Railway, Divisional Office, Madurai and reply by Divisional Commercial Superintendent, Southern Railway (Xerox copy).
M-17/9-3-81	Leave letter from Petitioner-Workman to the Management Bank (Xerox copy)		
M-18/	Discharge slip dated 16-3-81 issued by Military Hospital, Trivandrum to Petitioner-Workman (Xerox copy).		
M-19/	Page No. 128 of Leave Ledger relating to the Petitioner-Workman (Xerox copy).	M-39/27-5-87	Show Cause Memo issued to Petitioner-workman
M-20	Muster roll sheets for the period from 9-3-81 to 18-3-81 (Xerox copy).	M-40	Proceedings of the Disciplinary Authority (Copy).
M-21/23-8-82	Leave letter from Petitioner-workman to the Management-Bank enclosing call up memo dated 11-8-82 received from Military Hospital, Trivandrum (Xerox copy).	M-41/17-6-87	Dismissal order issued to Petitioner-workman
M-22/25-8-82	Discharge slip issued to Petitioner-workman by Military Hospital, Trivandrum (Xerox copy).	M-42/26-12-74	Application for the post of peon applied by Petitioner-workman
M-23/11-9-82 16-9-82	Letter from Management -Bank to the military HospitalTrivandrum & reply by Military hospital.	M-43/9-3-87	Charge sheet s issued to Petitioner-workman (Xerox copy).
M-24/30-8-82	Withdrawal slip for Rs. 500/- issued by the Petitioner-workman (Xerox copy).	M-44	Proceedings of the Enquiry Officer (Xerox copy).
M-25/16-10-82	Memorandum issued by Management-Bank to the Petitioner-workman (Xerox copy).	M-45/30-9-87	Findings of the Enquiry Officer.
M-26/25-10-82	Explanation by Petitioner-workman to Fx-M-25 (Xerox copy).		
M-27/	Letter from Thiru K. Parameshwaran, Accountant to the Branch Manager, Central Bank of India, Nagercoil (Xerox copy).		
M-28/27-12-82 4-1-83	Letter from Management-Bank Nagercoil Branch to the Military Hospital & reply by the Military hospital, Trivandrum (Xerox copy).		
M-29/14-2-83	Memorandum issued by Management-Bank to the Petitioner-workman and reply-letter of petitionr-workman dated 25-2-83.		
M-30.	Page No. 49 of Leave Ledger relating to Peititioner-workman (Xerox copy).		
M-31/	Muster roll sheets for the period 23-8-82 to 25-8-82and 6-9-82 to 8-9-82 (Xerox copy).		
M-32/17-9-84	Letter from Management Bank, Nagercoil, Branch to the Pallavan Transport Corpn. Ltd., Madras and reply letter of Pallavan Transport Corpn. Ltd., Madras dt. 11-10-84 (Xerox copy).		
M-33/10-1-94	Memo issued to Petitioner-workman by Management-Bank (Xerox copy).		
M-34/	Letters from Petitioner-worker to the Management-Bank Nagercoil Branch, 12-8-84 and 21-1-84 (Xerox copy).		
M-35/	Leave Fare Concession Bill submitted by Petitioner-worker enclosing bus tickets and train tickets (Xerox copy).		
M-36/1-6-82	Application for leave fare concession by Petitioner-worker & debit voucher dated 2-6-82 for Rs. 600/- (Xerox copy).		

नई दिल्ली, 5 जनवरी, 1995

का. आ. 295.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूनियन बैंक औपच इंडिया के प्रबन्धतान्त्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-1-95 को प्राप्त हुआ था

[सं. एल.-12012/70/92-पाई. आर. (वी. II)]

वो. के. शर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th January, 1995

S.O. 295.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Union Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 5-1-95.

[F. No. L-12012/70/92-IR(B-II)]
V.K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABALPUR (M.P.)

CASE REF. NO. CGIT/LC(R)(214)/1992.

BETWEEN

Shri Maniram Ahirwar represented through the Executive Member, Union Bank Employees Union C/o Union Bank of India, Cantonment Branch, Sadar Bazar, Jabalpur (M.P.).

AND

The Regional Manager, Union Bank of India, Zonal Office, M.P. Zone, Bhadbada Road, T.T. Nagar, Bhopal (M.P.).

PRESIDED IN : By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For workman : None.

For Management : Shri S.K. Rao, Advocate.

INDUSTRY : Banking District : Jabalpur (M.P.)

AWARD

dated, December 20, 1994.

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-12012/70/92 Dated 12-10-1992 for adjudication of the following dispute;

THE SCHEDULE

"Whether the action of the management of Union Bank of India in demoting Sh. Maniram Ahirwar by an Order dtd 11-4-91 from the post of Bills collector to Peon is justified ? If not, to what relief is the workman entitled "

2. The workman has not filed the statement of claim. Management has filed an application that during the pendency of the dispute the workman was promoted vide order dated 22-2-1994 to the post of Dastry. Management has prayed that the dispute between the parties is settled and as such no dispute award be passed.

3. After the service of the notice the workman has not appeared nor he has filed the statement of claim and from the application filed by the management it is clear that the demand of the workman under the terms of reference is substantially accepted by the management and probably for this reason workman has not turned up even after service of notice. Consequently, no dispute award is passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 जनवरी, 1995

का. आ. 296 :—ओद्योगिता विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एन.आर्ड.सो. आंक इंडिया के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजक और उनके कर्मकारों के बीच, ग्रनुबंध में निर्दिष्ट ओद्योगिक

विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचाट द्वारा प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5 जनवरी, 1995 को प्राप्त हुआ था

[(सं. एल-17012/1/93-आर्ड.आर.)वी-II]

वी. के. शर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th January, 1995

S.O. 296.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of LIC of India and their workmen, which was received by the Central Government on 5-1-95.

[No. L-17012/1/93-IR(B-II)]
V.K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR
(M.P.)

CASE REF. NO. CGIT/LC(R)(99)/1993.

BETWEEN

Shri Ghanshyam S/o Shri Devi Singh Panoria, 265, Barigwal Toli, Indore (MP).

AND

The Divisional Manager, Life Insurance Corporation 19, M.G. Road, Indore (MP).

PRESIDED IN : By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman : Shri Sanjay Agarwal, Advocate.

For Management : Shri Gupta.

INDUSTRY : LIC DISTRICT : Indore (MP).

AWARD

Dated December 23, 1994.

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification no. L-17012/1/93-IRBII dated 12-5-1993 for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Life Insurance Corporation of India, Indore in discharging

Shri Ghanshyam S/o shri Devi Singh from the service of the Corporation with effect from 23-3-1991 is justified? If not, what relief, Shri Ghanshyam is entitled to?"

2. The case of the workman, Shri Ghanshyam, is that he was posted as a Probationary Development Officer in Branch No. 2, Indore vide order dated 1-4-1939 and after completion of his training period he was kept on probation for one year from 1-4-1989 to 31-3-90; that after the completion of the probationary period the management further extended the probationary period from 1-4-1990 to 31-3-1991; that during the second probationary period the workman remained on medical leave for two months and the management malafidely terminated his service on the ground that his services were not found satisfactory. The workman has alleged that the order of the management discharging his services from 23-3-1991 is bad in law and against the principles of natural justice; that the management did not give an opportunity to the workman to give any explanation. He is illegally terminated without holding enquiry. Management has neither given any notice of retrenchment nor paid any compensation to the workman and opportunity was not provided by the management to the workmen even though new persons were appointed on the post of Development Officer. Workman has claimed that he be reinstated in service with full back wages and allowances.

3. The management has not filed written statement or statement of claim. The management has filed an application that the workman preferred Misc. Petition No. 682/94 before the M.P. High Court, Jabalpur and the workman was allowed by the Hon'ble High Court to withdraw his claim pending before the Tribunal. The Hon'ble High Court in the said M.P. No. 682/94 vide its order dated 22-6-94 has observed that the compromise petition filed by the workman for withdrawal of his claim is accepted and the matter is disposed of in the light of the compromise petition filed by the Petitioner. The workman has filed an application on 12-9-1993 before the Tribunal that the management has promised that in the event of the withdrawal of the claim by the workman from the Central Government Industrial Tribunal, his case for reinstatement will be considered by the management. In view of the said order of the hon'ble High Court dated 22-6-1994 granting permission to the workman to withdraw this claim, the dispute raised under reference has come to an end.

4. Consequently, in view of the order dated 22-6-94 in M.P. No. 682/94 of Hon'ble High Court of M.P., Jabalpur no dispute award is hereby passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer.
164 GI/95—12.

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1995

का. आ. 297:—ओद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ओरियेन्टल बैंक ऑफ कामसे के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण चष्टीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-1-95 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/621/89-डी II(ए)/आई. आर.
(वी.-2)]

वी. के. शर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th January, 1995

S.O. 297.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Oriental Bank of Commerce and their workmen, which was received by the Central Government on 5-1-95.

[No. L-12012/621/89-DII/A/I R/(B-II)]
V.K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SH. M.S. SULLAR, PRESIDING
OFFICER CENTRAL GOVERNMENT,
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT, CHANDIGARH.

I.D. No.: 72/90

Davinder Kumar Vs. Oriental Bank of Commerce.
For the Workman : Sh. Sajal Koser
For the Management : Sh. N.K. Zakhmi.

AWARD

Dated the 10th October, 1994

The matrix of the facts, culminating in the commencement of the present reference are that, the petitioner was appointed clerk on temporary basis, for a specified period, against leave vacancies, leave arrangement, the details of which have been given in the written statement of the Management. The service of the workman was terminated by the Management. In the wake of Industrial disputes raised by the workman, the appropriate government vide No. L-12012/621-89-D. II A dated 24th May, 1990 referred the dispute for adjudication to this Tribunal, as to

'whether the action of the Management of Oriental Bank of Commerce, in terminating the services of the workman, is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled to ?'

The case set up by the workman, in brief, in so far as relevant is that, he was appointed as clerk after completing the required formalities in the branch of the Oriental Bank of Commerce, but no appointment letter was given to him. He had worked for less than 89 days. According to the workman, to accommodate some other person, the services of the workman was terminated without any termination order and without following the mandatory provisions of Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter referred to as the Act) awards/bipartite Settlement, as no compensation in lieu of his termination was paid to the workman. In all, it has been alleged by the workman, that his termination is illegal and against the mandatory provisions of law. On the footing of aforesaid pleadings, the workman claimed his reinstatement with back wages, and all other benefits arising there upon, and continuity of service.

The case was fixed for proper orders on 14-6-1994, as no Presiding Officer took over the charge and the case was slated for 24-8-1994. On that day, learned representative, appearing on behalf of the Management contended with some amount of vehemence, that reference/petition is not maintainable, and submitted that preliminary objection taken by the Management, in the written statement, in this direction, be decided first. Faced with the situation, learned representatives for workman, sought time for arguments on the question of the maintainability of the reference/petition.

Having heard the representative of the parties, having gone through the record of the case and after bestowal of thoughts on the entire matter, to my mind, there is no merit in the reference/petition which deserve dismissal.

The facts of the case are neither intricate, nor on dispute. According to the workman, his service has been terminated without complying with the mandatory provisions of law, and he was entitled for re-instatement under the Act. While on the other hand, according to the Management, the workman had put in continuous service of more than 89 days and his appointment was purely on temporary basis for a specific period. The workman had no industrial rights under the Act. The undisputed facts, rather admitted, case of the workman is that he had put in continuous service of more than 83 days.

Now, the short and significant questions, though important, arise for determination in this case is, whether the workman is entitled to any relief, as

contemplated under chapter V-A of the Act. Section 25-F of the Act postulates that no workman employed in any industry, who has been in continuous service for not less than one year under an employer, shall be retrenched by that employer unless (a) the workman has been given one month's notice in writing, indicating the reasons for retrenchment and the period of notice has expired, or the workman has been paid in lieu of such notice, wages for the period of the notice, (b) the workman has been paid, at the time of retrenchment, compensation, which shall be equivalent to fifteen days average pay for every completed year of continuous service or any part thereof in excess of six months; and (c) notice in the prescribed manner is served on the appropriate Government or such authority as may be specified by the appropriate Government by notification in the official gazette.

Section 25-H of the Act, provides that where any workmen are retrenched, and the employer proposes to take into his employment any person, he shall, in such manner as may be prescribed, give an opportunity (to the retrenched Workmen, who are citizen of India to offer themselves for re-employment, and such retrenched workmen) who offer themselves for re-employment shall have preference over other persons.

Chapter V-A of the Act deals with the retrenchment of an employee.

Section 25-B lays down that a workman shall be said to be in continuous service for a period if he has for that period in uninterrupted service, including service which may be interrupted on account of sickness or authorised leave or an accident or a strike which is not illegal, or a lock out or a cessation of work which is not due to any fault on the part of the workman. Sub Clause (2) of that section says that where a workman is not in continuous service within the meaning of Clause (1) for a period of one year, or six months he shall be deemed to be a continuous service under an employer for a period of one year. If the workman, during which calculation is to be made, has actually worked under the employer for not less 240 days.

The retrenchment has been defined under Section 2(oo) of the Act to mean the termination by the employer of the service of a workman for any reason what-so-ever, otherwise than as a punishment inflicted by way of disciplinary action but does not include (bb) termination of service of a workman as a non-renewal of contract between the employer and the workman concerned.

Thus it would be seen that a combined reading of the provisions mentioned above would go to show that retrenched person is that person, who had put in 240

days of continuous service. Admittedly, as mentioned above, none the workman has not completed more than 89 days, so, to my mind, he can not possibly be termed as retrenched so as to attract the benefits provided U/S 25-F, G&H of the Act.

The sole contention of the representative of the workman that since the workman was appointed by the management for specified period and his services was terminated without complying with the mandatory provisions of the Act, so he is entitled for re-instatement, is neither tenable nor the judgements relief upon by him in Hindustan Steel Ltd. Vs. State of Orissa & Others 1976 (33) FLR 257, Kurukshestra Co-op. Bank Ltd. and State of Haryana & Others in CWP No. 11261 of 1981 Rajbir Singh & Others Vs. State of Haryana, 1983(1) S.L.R. 38, the Municipal Committee Gobindgarh Vs. The Presiding Officer, Labour Court, Patiala 1993(3) S.L.R. 265 are applicable to the facts of the present case. The crux of the proposition of law, laid down in Hindustan Steel Ltd. Vs. State of Orissa & Others, Kuk shetra Co-op. Bank Ltd. and State of Haryana & Others and Rajbir Singh and Others Vs. State of Haryana case (Supra) is that, non compliance of Section 25-F would entitle the employee to be reinstated in service with full back wages and in his case, the workman had already completed more than 240 days of continuous service, with notional breaks, which was held to be unfair Labour practice. Possibly, no one can dispute about the proposition of law laid down in the aforesaid judgements. The same would not come to the rescue of the workman, as he had not completed more than 83 days of service in the present case and his appointment was for a specified period. In the above mentioned judgements, it had not been disputed that the retrenched had already completed 240 days of his service. It is now well settled that, if a workman had not put in 240 days of service, he has no industrial rights under the Act, and can not, therefore, avail of the machinery under the Act, for the settlement of his dispute. The policy of the Act, draws a distinction between those, with service of 240 days and more, and other with less. It was not necessary for the Management, in the present case, to comply with the provisions of the Act, before dispensing with the service of the petitioner, as claimed by him. Hon'ble Supreme Court of India has categorically observed in para 159 of a judgement in case of Gujarat Steel Tubes Ltd. Etc. Vs. Gujarat Steel Mazdoor Sabha & Others AIR 1980 S.C. p1ga 1896, that policy of the Act draws a distinction between those, with service of 240 days and more and others with less. The workman with a record of 240 days, on the roll, has

only rights under the Industrial Law. Reliance in this regard can also be placed to a judgements, Karnal Central Coop. Bank Limited, Karnal Vs. the Presiding Officer Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Rohtak & Others 1994(1) P.L.R. Page 310, State Bank of India Vs. M.V. Raval 1981(1) S.L.R. 831, The Manager, State Bank of Indore, Kanpur Vs. Presiding Officer, Industrial Tribunal (Central) Kanpur and Others 1990(60) F.L.R. 672, Indian Airlines and Sebastian 1991 (62) F.L.R. Page 755, Raj Bhadur Vs. General Manager, Food Specialities Ltd. Moga and Others 1990(5) SLR Page 685 and CWP No. 13522 of 1991 Hari Kishan Saini Vs. Presiding Officer, Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, and Others of Punjab & Haryana High Court decided on 4-3-1992.

Thus, it would be seen that, if the aforesaid provisions of the Act are put together and are analysed in relation to the law laid down in the aforesaid judgements, to my mind, conclusion is unescapable that workman who has not completed 240 days of his service, had no industrial rights which can be enforced by the Tribunal under the Act. Even the Appropriate Government has not formed a correct opinion in sending the reference of this employee who had not completed 240 days in view of the D.B. Judgement of Hon'ble Punjab and Haryana High Court in Mehar Singh Vs. State of Haryana & Others 1994 (11) LLJ Page 250. Thus it would be seen that the contention of the representative of the workman is neither tenable nor the judgements cited by him would come to his rescue. On the other hand, the judgements in Central Coop. Bank Ltd. Karnal Vs. the Presiding Officer, State Bank of India Vs. M.V. Raval, The Manager, State Bank of India Vs. Presiding Officer, Industrial Tribunal (Central) Kanpur, Indian Airlines and Sebastian and Raj Bhadur Vs. General Manager Food Specialities Ltd. Moga and CWP 13522/91 Hari Kishan Saini Vs. The Presiding Officer (Supra) are the complete answer to the problem in hand.

In the light of the aforesaid reasons, I cannot help observing, that the workman can not possibly be termed as a retrenched and is not entitled for any benefit under the Act. Consequently, there is no merit in the reference petition, and the same is declined. It is held that the action of the management of Oriental Bank of Commerce in terminating the service of the workman is justified and he is not entitled to any benefit of the provisions of the Act. The appropriate Government be informed accordingly.

M.S. SULLAR, Presiding Officer,
Chandigarh.
Dated 10-10-1994.

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1995

का. आ. 298 :—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भास्त्रोप स्टेट बैंक के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-1-95 को प्राप्त हुआ था

[सं. एल-12012/33/91-प्राइ. आर. बी-2]

पी.जे. माईकल, ईस्क अधिकारी,

New Delhi, the 9th January, 1995

S.O. 293.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 5-1-95.

[No. L-12012/33/91-IR B-JI]
P.J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA : PRESIDING OFFICER : CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL : NEW DELHI

I.D. No. 80/93

In the matter of dispute between :

Shri Shiv Prasad Yadav
G.I-117, Jhuggi No. 7,
Mayapuri Phase II,
New Delhi-110064.

Versus

State Bank of India
through

The Regional Manager (Asstt. General Manager)
Region III,

State Bank of India,
Zonal Office, II, Sansad Marg,
New Delhi-110001.

Appearances : Shri S.K. Patni alongwith the
workman.

Shri P.K. Gupta alongwith
Sh. S.M. Kapoor for the
Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L. 12012/33/91-IR.B.III dated 27-10-93 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of State Bank of India, New Delhi, in terminating the services of Shri Shiv Prasad Yadav, Casual Labour/Messenger w.e.f. 1-10-85 is legal and justified ? If not, to what relief the workman is entitled to ?"

2. The matter has since been settled between the parties. The workman and the representative for the management have made statement the dispute has since been settled and the workman does not want to proceed further in this case. The workman has been given appointment by the management vide letter No. 7518 dated 21st December, 94 and he has no further dispute in this case. In view of this situation the dispute stands settled and no dispute award is given in this case leaving the parties to bear their own costs.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this award may be forwarded to the Central Govt. for necessary action at their end.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer
28th December, 1994

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1995

का. आ. 299 :—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इम्प्लाई टेट इंशुरेन्स कारपोरेशन के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-1-95 को प्राप्त हुआ था

[सं. एल-15011/2/90-प्राइ. आर. (विविध)]

श्री. एम. ऐविह, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th January, 1995

S.O. 299.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Employees State Insurance Corporation and their workmen, which was received by the Central Government on 10-1-95.

[No. L-15011/2/90-IR (Misc.)]

B.M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABALPUR (MP)

CASE REF. No. CGIT/LC(R)(178)/1990

Between

(S/Shri Mahadev Arora and five others represented through the General Secretary, E.S.I.C. Employees Union, 2/III E.S.I.C. Quarters, E.S.I.C.Nikunj, Nehru Nagar, Indore-452008 (MP)

AND

The Regional Director, E.S.I.C. Corporation, Kokam Chambers, 11, Sarjeet Prasad Marg, Indore (MP)-452001.

Presided in : By Shri Arvind Kumar Awasthy.

Appearances :

For workman : Shri S.K. Rao, Advocate
for Management : Shri S. Paul, Advocate.

Industry : ESI Corporation District : Indore (MP)

AWARD

Dated : December 30, 1994

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-15011/2/90-IR (Vividh) dated 20-8-1994 for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of ESI corporation, regional Office, Indore in regularising S/Shri Mahadev Arora, Satya Narayna Solanki, Radheshyam Hirva, Raj Kumar, Hari Kant Raikwar and Kailash Verma from 1986 instead of from 1983/1984 is justified. If not, to what relief are the said workmen entitled to ?".

2. This reference was referred in the year 1990. Since then a number of opportunities were given to the workmen/Union and the management to file their respective statement of claim, but neither party filed any statement of claim. Workmen/Union remained absent on 30-10-90, 6-6-1991, 5-3-92, 31-7-92 and 15-12-94. On 31-12-90, 28-2-91 and 26-12-91 although Shri S.K. Rao, Advocate, took part in proceedings but sought time for filing of Statement of claim. But the workmen failed to file the statement of claim. Therefore it appears that the workmen or Union are not interested in prosecuting the dispute. No dispute award is therefore passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1995

का. ना. 300:—भौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में, सी.सी.एल. ली. सचाल 'डी' कोलेयरी के प्रबन्धनतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट भौद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार भौद्योगिक अधिकरण, (सं. 1) धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-1-95 को प्राप्त हुआ था

[स. एल-20012(255)/93 आई.आर. (कोल-1)]

ब्रज मोहन, ईस्टक अधिकारी

New Delhi, the 10th January, 1995

S.O. 300.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 1) Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sayal 'D' Colliery of M/s. Central Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 5-1-95.

[No. L-20012(255)/93. IR (Coal-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD
In the matter of a reference under section 10(1)(d)(2-A)
of the Industrial Disputes Act, 1947
Reference No. 128 of 1994

Parties: Employers in relation to the management of Sayal 'D' Colliery of M/s. Central Coalfields Ltd.

AND

Their Workmen.

Present: Shri P.K. Sinha,
Presiding Officer.

Appearances:

For the Employers : Shri R.S. Murthy, Advocate.

For the Workmen : None.

State : Bihar.

Industry : Coal.

Dated, the 29th December, 1994

AWARD

By Order No. L-20012(255)/93-I.R.(Coal-I) dated 27-5-1994 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-sec. (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD.

In the matter of a reference under section 10(1)(d)(2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 128 of 1994.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sayal 'D' Colliery of M/s. Central Coalfields Ltd.
AND
Their Workmen.

PRESENT :

Shri P. K. Sinha, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri R. S. Murthy, Advocate.
For the Workmen : None.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 29th December, 1994

AWARD

By Order No. L-20012(255)/93-I. R. (Coal-D), dated 27-3-1994 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Sayal 'D' Colliery of M/s. Central Coalfields Ltd. is justified in superannuating the workmen Shri Pokhan Manjhi w.e.f. 9-4-1993 treating his date of birth as 9-4-33 when his date of birth is 30-1-1944 as claimed and was not examined through Medical Board as per Implementation Instruction 762? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The order of reference was received in this Tribunal on 6-6-1994. Thereafter notice was issued to the sponsoring Union to file written statement on 7-11-1994. Since no one was present on that date on behalf of the sponsoring Union the case was again put up on 27-12-1994 for filing written statement by the sponsoring Union.

3. Since 27-12-1994 was declared holiday, a petition was filed on behalf of the Secretary, Jharkhand Colliery Mazdoor Union, Sayal Area, M/s. C.C. Ltd. on 28-12-1994 stating that the sponsoring Union did not propose to pursue the case, hence he prayed to pass a 'no dispute' award in this case.

4. In view of the prayer of the sponsoring Union, I render a 'no dispute' award in the present reference case.

P. K. SINHA, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1995

का.पा. 301.—ग्रौदोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के मुत्तुसरण में, केन्द्रीय सरकार पश्चिम रेलवे, कोटा के प्रबंधसंकाम के संबंध में निर्दिष्ट ग्रौदोगिक विवाद में ग्रौदोगिक अधिकरण, कोटा के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-1-95 को प्राप्त हुआ।

[संख्या एल-41012/23/92-ग्राइंडरडीयू) बी 1]
पी. जे. माइकल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th January, 1995

S.O. 301.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Kota as shown in the Annexure, in the industrial dispute between

the employers in relation to the management of Western Railway, Kota and their workmen, which was received by the Central Government on the 9-1-1995.

[No. L-41012/23/92-IR (DU)/B.I.]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

अनुबन्ध

ग्रौदोगिक औद्योगिक न्यायाधिकरण (केन्द्रीय) कोटा राजस्थान निवेश प्रकरण नमांक श्रो. न्या. (केन्द्रीय) - 9/1993
दिनांक स्थापित : 29/3/93

प्रसंग : भारत सरकार, श्रम भवालय, नई दिल्ली के ग्राइंडरडीयू कमांक एल. 41012/23/92-ग्राइंडरडीयू
दिनांक 23/3/93

ग्रौदोगिक विवाद अधिनियम, 1947

मध्य

हिविजनल संक्रेटरी, पश्चिम रेलवे, कर्मचारी परिषद्, भीमगंज, कोटा।

--प्रार्थी यूनियन

एवं

हिविजनल रेलवे मैनेजर, वेस्टर्न रेलवे, कोटा।

--प्रतिपक्षी नियोजक

उपस्थित

श्री आर. के. चाहान,
आर.एच.जे.एस.

प्रार्थी यूनियन की ओर से प्रतिनिधि : श्री ए. डी. गोवर
प्रतिपक्षी नियोजक की ओर से प्रतिनिधि : श्री रामनियास
अधिनियम दिनांक : 22-12-94

अधिनियम

भारत सरकार, श्रम भवालय, नई दिल्ली द्वारा निम्न निवेश ग्रौदोगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10(1) (घ) एवं उपधारा (2-क) के तहत इस न्यायाधिकरण को अधिनियम संप्रेषित किया गया है :—

"Whether the action of the Railway Admin. (DRM, Western Railway, Kota) in denying promotion to Shri V. S. Vashistha, Head Time Keeper, under PWI, Hindon as Head Clerk in 1986 and the Chief Clerk in 1989 is justified? If not, what relief the concerned workman is entitled to?"

2. मिर्देश न्यायाधिकरण में प्राप्त होने पर वर्ज रजिस्टर किया गया एवं पकारों को सूचना जारी की गयी। तदुत्तरांत दोनों पक्षों की ओर से अपनी-अपनी उपस्थिति दी गयी।

3. आज दोनों पक्षों की ओर से विद्वान् प्रतिनिधिगण उपस्थित हुए। प्रार्थी श्रमिक यूनियन की ओर से कोई क्लेम पेश नहीं करने का निवेदन किया तथा विवाद रजिस्टर अधिनियम पारित किये जाने का भी निवेदन किया। प्रतिपक्षी पक्ष की ओर से कोई आपत्ति नहीं की गयी। अतः प्रकरण में "विवाद रहित अधिनियम" पारित किया जाता है।

इस अधिनियम को समुचित सखार को नियमानुसार प्रकाशनार्थ भिजाया जावे।

आर. के. चाहान, न्यायाधीश

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1995

का.आ. 302.—श्रीयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार महाकौशल क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के प्रबंधतात्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट श्रीयोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीयोगिक अधिकारण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशि करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-1-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12011/90/89-आई आर (बीआई)]
पौ. जे. माइकल, डैस्ट्रिक्ट अधिकारी

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 302.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 10-1-1995.

[No. L-12011/90/IR (B.I)]
P. J. MICHAEL, Desk Officer.

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABALPUR (MP)

CASE REF. NO. CGIT/LC(R)(105)/1990

BETWEEN

Shri Jagdish Prasad Verma, Ex-Clerk C/o Shri U.S. Malviya, Punjab National Bank, Nagpur Road, Madan Mahal, Jabalpur (MP).

AND

The President, Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank, 164, Shivaji Ward (Civil Lines), Narsinghpur (MP)-487 001.

Presided in : By Shri Arvind Kumar Awasthy.

Appearances:

For Workman : Workman himself.

For Management : Shri O.S. Raroria.

Industry : Banking District : Narsinghpur (MP)

AWARD

Dated, the 30th December, 1994

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-12011/90/IR(Bank-1) Dated 10th April, 1990, for adjudication of the following industrial dispute:—

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank, Narsinghpur in terminating the services of Shri Jagdish Prasad Verma, Ex-Clerk w.e.f. 16/9/1988 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. Both parties filed their respective pleadings and certain documents and adduced evidence by way of affidavits. Case was at the stage of cross-examination of witness by the parties.

3. However, good sense prevailed in parties and the workman filed an affidavit along with an application dated 29-12-94 stating that—

“That the applicant had preferred an application on 18-10-94 to the management named above that he is ready and willing to withdraw his case mentioned above which is at present pending with you provided the applicant is given fresh appointment to the post of Cashier/Clerk in Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank. The applicant does not wish to press his claim for back wages, seniority and other whatsoever consequential benefits. the applicant is ready for regular fresh appointment and he is ready also for foregoing back wages, seniority claim and other consequential benefits whatsoever.”

The management vide application dated 30-12-94 filed before the Court has agreed to offer regular fresh appointment to the workman on the post of Cashier/Clerk in the Bank on the terms and conditions mentioned above.

4. Workman has further prayed that an Award be passed in terms of compromise. Management has agreed to provide the employment to the workman from the date of acceptance of the settlement and the award. Settlement being just and proper is accepted and no dispute award is hereby passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 जनवरी 1995

का.आ. 303.—श्रीयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार महाकौशल क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के प्रबंधतात्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट श्रीयोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीयोगिक अधिकारण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-1-1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12011/76/89-आई आर (बी-1)]
पौ.जे. माइकल, डैस्ट्रिक्ट अधिकारी

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 303.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 10-1-95.

[No. L-12011/76/IR(BI)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

In the Central Government Industrial Tribunal-Cum-Labour Court, Jabalpur (MP).

CASE REF. NO. CGIT/LC(R)(17)/1990.

Shri Rajesh Kumar Sthapak, Clerk/Cashier C/o Shri P.N. Sharma, 531, Gorakhpur, Jabalpur (MP)-481584.

AND

The Chairman, Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank, Head Office, 164, Shivaji Ward (Civil Lines) Narsinghpur (MP)-487-001.

Presided In : By Shri Arvind Kumar Awasthy.
Appearances:

For Workman : Workman himself.

For Management : Shri O.S. Raroria.

Industry : Banking District : Narsinghpur (MP).

AWARD

Dated : December 30, 1994

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-12011/76/89-IR(B) Dated 18-1-990 for adjudication of the following industrial dispute :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank, Narsinghpur in terminating the services of Shri Rajesh Kumar Sthapak, Clerk/Cashier w.e.f. 30-9-1988 in violation of Sections 25G and H of the Industrial Disputes Act, 1947 is justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. Both parties filed their respective pleadings and certain documents and adduced evidence by way of affidavits. Case was at the stage of cross-examination of witness by the parties.

3. However, good sense prevailed in parties and the workman filed an affidavit along with an application dated 29-12-1994 stating that—

"That the applicant had preferred an application on 22-10-94 to the Management named above that he is ready and willing to withdraw his case mentioned above which is at present pending with you provided the applicant is given fresh appointment to the post of Cashier/Clerk in Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank. The applicant does not wish to press his claim for back wages, seniority and other whatsoever consequential benefits. The applicant is ready for regular fresh appointment and he is also ready for foregoing back wages seniority claim and other consequential benefits whatsoever."

The management vide application dated 30-12-94 filed before the Court has agreed to offer regular fresh appointment to the workman on the post of

Cashier/Clerk in the Bank on the terms and conditions mentioned above.

4. Workman has further prayed that an Award be passed in terms of compromise. Management has agreed to provide the employment to the workman from the date of acceptance of the settlement and the award. Settlement being just and proper is accepted and no dispute award is hereby passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 जनवरी 1995

का आ 304.—प्रौद्योगिक विवाद प्रयोगितम्, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार महाकौशल क्षेत्रीय प्रामीण बैंक के प्रबन्धताल के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट प्रौद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार प्रौद्योगिक अधिकारण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-1-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एस-12012/93/89-आई.आर. (बॉ. I)]
पी.जे माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 304.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 10-1-95.

[No. L-12012/93/89-IR(B-I)]

P.J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,

JABALPUR (MP)

CASE REF. NO. CGIT/LC(R)(104)/1990

Between

Shri Premal Sharma, Ex-Clerk-cum-Cashier S/o Shri Ramdutt Sharma C/o Shri U.S. Malviya Punjab National Bank, Nagpur Road, Jabalpur (MP)-482001

And

The Chairman, Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank, Head Office, 164, Shivaji Ward (Civil Lines), Narsinghpur (MP)-487001.

Presided in : By Shri Arvind Kumar Awasthy.

Appearances :

For Workman : Workman himself.

For Management : Shri O.S. Raroria

Industry : Banking District : Narsinghpur (MP)

Award

Dated : December 30, 1994

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-12012/93/89-IR (B-I)/B-III dated 5/6-4-90 for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank Narsinghpur (MP) in terminating the services of Shri Premlal Sharma, Ex-Clerk-cum-Cashier w.c.f. 30-9-1988 is justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled ?”

2. Both parties filed their respective pleadings and certain documents and adduced evidence by way of affidavits. Case was at the stage of cross-examination of witness by the parties.

3. However, good sense prevailed in parties and the workman filed an affidavit along with an application dated 29-12-94 stating that—

“That the applicant had preferred an application on 18-10-94 to the Management named above that he is ready and willing to withdraw his case mentioned above which is at present pending with you provided the applicant is given fresh appointment to the Post of Cashier/Clerk in Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank. The applicant does not wish to press his claim for back wages, seniority and other whatsoever consequential benefits. The applicant is ready for regular fresh appointment and he is ready also for foregoing bank wages seniority claim and other consequential whatsoever benefits.”

The Management vide application dated 30-12-94 filed before the court has agreed to offer regular fresh appointment to the workman on the post of Cashier/Clerk in the Bank on the terms and conditions mentioned above.

4. Workman has further prayed that an Award be passed in terms of compromise. Management has agreed to provide the employment to the workman from the date of acceptance of the settlement and the award. Settlement being just and proper is accepted and no dispute award is hereby passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer
164 GI/95—13.

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1995

का.ध्या. 305—ओद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुमति में, केन्द्रीय सरकार परिषद रेलवे बम्बई के प्रबन्धसंघ के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक प्रधिकरण, नं० 1, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-1-1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/118/92-आई. आर. (डॉ. प.)/वो आई]
पी.जे. माइकल, ईम्प्रेसिव अधिकारी

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 305.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Railway, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-1-95.

[No. L-41012/118/92-IR(Du-/B.I.]
P.J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, BOMBAY.

PRESENT :

Shri Justice R.G. Sindhababu, Presiding Officer.

REFERENCE NO. CGIT-34 OF 1994.

PARTIES :—Employers in relation to the management of Western Railway, Bombay

AND

Their Workmen

APPEARANCES :—

For the Management	: No appearance
For the Workmen	: No appearance
Industry	: Railways
State	: Maharashtra

Bombay dt. 29th day of December 1994.

AWARD

Government of India Ministry of Labour has by letter dt. 28/29-4-1994 referred dispute mentioned in the schedule below for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

SCHEDULE

“Whether the action of the Management of Western Railway in relation to its Senior Divisional Electrical Engineer (R/S) Bombay Central Division, Bombay in excluding Shri E. Ramesh Kumar, Motor Lorry Driver Grade III from appearing in the trade test of MLD Grade II is justified ?

If not, to what relief the workman concerned is entitled to?"

2. On receipt of this reference notices were issued to the parties. The General Manager Western Railway, Churchgate, Bombay and the Divisional Secretary, Western Railway, Karmachari Parishad, Dadar (W) Bombay-28. Both the acknowledgements have been received from the Postal department purporting to bear the signatures of the Secretary and on behalf of the Divisional Railway Manager. The matter was adjourned to 10th of October 1994 and thereafter to 28th of December 1994. None of the parties appeared on 10th of October nor on 28th of December 1994. No statement of claim has been filed. Obviously therefore there has been no written statement on behalf of the Management. In the circumstances it is not possible to find out the nature of the grievance, justification thereof and therefore not possible to pass an award in favour of the workman. Reference is therefore disposed of and award accordingly.

R.G. SINDHAKAR, Presiding Officer.

मर्त्त दिल्ली, 12 जनवरी, 1995

कांग्रेस ३०६.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मध्य रेलवे, बम्बई के प्रबन्धनतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुसंध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक आधिकारण, सं० 2, बम्बई के प्रबन्ध को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-1-95 को प्राप्त हुया था।

[संख्या प्रल.-४१०१२/१९/८७/-डॉ.-II (बॉ.) /बॉ.-I]
पी.जे.० माइकल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th January, 1995.

S.O. 306.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Railway, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-1-95.

[No. L-41012/19/87-D.II(B)/B.I.]
P.J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

PRESENT

Shri S.B. Panse Presiding Officer

REFERENCE NO. CGIT-2/53 OF 1989

EMPLOYERS IN RELATION TO THE MANAGEMENT
OF CENTRAL RAILWAY, BOMBAY

AND

THEIR WORKMEN

APPEARANCES :

FOR THE EMPLOYERS : Shri P.R. Pai Advocate

FOR THE WORKMEN : Shri C.B. Nargolkar Advocate

Bombay, dated 20th December, 1994.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its letter No. L-41012/19/87-D. II(B) dated 11-12-1989 referred to the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication. It is in the following terms :

"Whether the action of the management of Central Railway in relation to its Dy. Chief Engineer's Office at Manmad, in relieving Shri Shakaram Fakira Sanap, Senior Clerk from service w.e.f. 1st March, 1985 is in order. If not, to what relief the workman concerned is entitled to?".

2. Shri Shakaram Fakira Sanap was appointed as the class IV employee in the Central Engineering Workshop of the then G.I.P. Railway, at Manmad (Dist. Nasik,) Maharashtra on 24-3-47. On 1-3-84, he was wrongfully retired on super annuation as Senior Clerk in the grade of Rs. 330-560. This post was upgraded to that of head clerk with effect from 1-1-84. The benefit of that was allowed to the Applicant vide item No. 16 of the office order No. 15 for 1985 issued by the Dy. Chief Engineer, Manmad on 9-5-1985.

3. When the workman joined the services of the railway, then he was never called upon to produce any document in respect of his birth date. There were no definite rules at that time. In 1968, certain rules were framed regarding the minimum age qualification. In the Office record he was shown to be born on 1-3-26. In fact, he was born on 13-3-30. The workman approached the concerned Authorities since 7-12-54 to make necessary corrections in the service record but his request was turned down. He produced the school leaving certificate of the school and the birth extract from the Municipality where he was born, but it was of no use. Finally the services of the workman were wrongly terminated with effect from 1-3-84 on the grounds of his having attained the age of 58 years when actually the workman was legally eligible to continue in the railway services up to 31-1-88. Due to that the workman had suffered a monetary loss of Rs. 92,773 which are enumerated in para 3.1 of the statement of claim.

4. The workman contended that the applications made by the other workmen for making corrections in their service record so far as the birth dates are concerned were sympathetically considered by the employee i.e. Railway and they are given the benefits of the same. So far as case of the present workman is concerned, it was not considered the management had shown discrimination between the two Workers.

5. The workman claims that the action of the management in relieving him as a Senior Clerk from services from 1-3-84 is not in order and he is entitled to the claim which is made by him.

6. The Railways, i.e. the respondent by their written statement at Exh. 5 resisted the claim. It is averred that the reference is not tenable under the Industrial Disputes Act of 1947. It is pleaded that it is barred by limitations. It is averred that in the year 1947 a person was eligible for employment in any Government services only on completion of 18 years. When the workman entered the services of Railway on 24-3-47, declared his date of birth as 1-3-26. He served for 36 years and had taken the benefits.

7. The workman has represented to the management for changing the date, long back in the year 1965. It was consi-

dered and the application was rejected. He filed a writ petition in the High Court of Bombay, which came to be summarily rejected. Under such circumstance, the reference is not tenable. It is denied that there is discrimination between the two workers. It is averred that the claim which is made by the worker is unjust and improper and it has to be rejected.

4. My Learned Predecessor framed issues at Exh. 6 for determination. The issues and my findings thereon are as follows :

Issues	Findings
1	2
1. Whether the present Reference is not tenable under the provisions of the Industrial Disputes Act?	YES
2. Whether the present reference (petition) is barred by the provisions of the Limitation Act ?	Does not survive
3. Whether the correct date of birth of the workman Shri S.F. Sanap is 13-3-1930 and not 1-3-1926 as recorded in the Railway Administration record?	Does not survive
4. Whether the action of the management of Central Railway, in relation to its Dy. Chief Engineer's Office at Manmad, in relieving Shri Shakaram Fakira Sanap, Senior Clerk from service w.e.f. 1st March, 1984 is in order?	YES
5. If not, to what relief the work-workman concerned is entitled?	Does not Survive
6. What Order?	As per order below.

REASONS

5. Shri S.F. Sanap filed his affidavit at Exh. 4 & Exn. 8 in support of his claim. He is thoroughly cross-examined. It is not in dispute that he joined the services of Railways as Class IV servant known as Coolie or Khalasi on 24-3-47. Then he was promoted in different cadres and was made to retire on superannuation on 1-3-84. While making him retire on that day the management took into consideration his date of birth to be as 1-3-26. It is also not in dispute that in the year 1964 or earlier to that the workman made representation to the management for correcting the date of birth in the service records. But that application was rejected. The workman preferred a writ petition which happened to be rejected wherein the order passed was

"Rejected the liberty to file suit"

6. The 3rd schedule of the Industrial Disputes Act of 1947 deals with the matters within the jurisdiction of the Industrial Tribunal. There are eleven matters referred to in that schedule.

It is nowhere mentioned that the record of the workman's dispute is to be treated as an industrial dispute. The second schedule of the Act deals with the matters within the jurisdiction of Labor Court. Item 3 deals with the discharge or dismissal of the workman including reinstatement or granting of reliefs to the workman wrongly dismissed. In para 2, 7 of statement of claim the workman had contented that he was wrongly terminated with effect from 1-3-84 on untenable grounds of his having attained the age of 58 years. I am not inclined to accept this. It is because, the management took the action of retiring the workman at the age of 58 years on the basis of the birth date on the record. It can be seen further that this action of the management cannot be said to be termination of the workman. Admittedly the workman had received the benefits which an ordinary workman gets after retirement or superannuation. As this is so the reference appears to be out of the jurisdiction of this Tribunal. It has no jurisdiction to decide it.

7. Laws of limitation is not applicable to the reference in the Industrial Disputes Act. No doubt this case suffers from laches. The workman had taken inordinate delay in moving the concerned authorities for making the reference. But as I have come to the conclusion that the reference is not tenable, in the provisions of the Industrial Disputes Act, this issue does not survive.

8. In fact, I have come to the conclusion that the reference is not tenable under the provisions of the Industrial Disputes Act. Hence it is not necessary to answer this issue at all. But if it has to be answered, it has to be stated that the date of birth which is mentioned in the employers record is correct. It is so because Shri S.F. Sanap admits that when he joined the railway service he disclosed his date of birth to be 1-3-26. That entry was made in the register and then he put his thumb impressions there. He affirmed that his date of birth was 13-3-30. In the School Leaving Certificate his date of birth is shown to be 16-1-30 and in the Municipality Bureau record his date of birth is shown to be 13-3-30. The difference between the two i.e. the School Leaving Certificate and the Municipality Bureau's record creates a doubt in the mind as to which is the exact date. Naturally an inference has to be drawn that the date that was given in by the workman at the time of getting employment is the correct date. Furthermore, it can also be seen that he had taken the benefits of the Railway services on the basis of this birth date. He had withdrawn the salaries more than what he would have drawn in ordinary course and it would have been less. As he had taken that benefit, it has to be accepted that he must have given the correct date of birth to the management which is 13-3-26.

9. The workman had approached the management since 1954 for changing his birth date. His representations were turned down by the management and ultimately he filed a writ petition No. 347 of 1984. After the perusal of the copy of the writ petition, I find that the prayer which was made by the workman in it was correcting the date of birth in the service record and allowing him to have the necessary benefits. Their Lordships considered the matter and passed the order "Rejected the liberty to file suit". This order was passed on 2-2-84. The workman was given the liberty to file a suit but he had not taken that liberty and had tried to make this reference, which appears to be untenable. He had not given any explanation why instead of approaching the City Civil Court, he approached the Assistant Labour Commissioner. This also goes against him. I do not find any cogent evidence on the record that the date of birth of the workman is 13-3-30 and not 1-3-26.

10. The management placed reliance on *Gostha Behari Mullick v/s. Union of India and ors.* page 86 Vol. II and THEIR LORDSHIPS have observed that when an employee declared his age and got advantage of it, his claim later to change it as per School Certificate cannot be accepted. In that case the workman wanted to take the benefits on the basis of the date of birth in the School Leaving Certificate which was not accepted. Relying on the ratio given in this authority it can also be said that as the workman had taken the advantage of getting the employment below 18 years of age and taken the benefits, now he cannot get his date of birth changed and take the other benefits. For all these reasons, I find that the action of the management is perfectly proper and the workman is not entitled to the benefits as claimed. In the result I pass the following order:

ORDER

1. The action of the management of Central Railway in relation to its Dy. Chief Engineer's Office at Manmad, in relieving Shri Shakaram Fakira Sanap, Senior Clerk from service w.e.f. 1st March, 1984 is in order.
2. No order as to costs.

S.B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1995

का०प्रा० 307.—औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, यथा रेलवे बम्बई के प्रबन्धतात्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्णिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक प्रधिकरण, मं 2, बम्बई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-1-1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/105/88-(डा-IIबी.)/बी-1]
पी०जे० माइकल, डैस्क प्रधिकारी

New Delhi, 12th January, 1995

S.O. 307.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Railway, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-1-95.

[No. L-41012/105/88.D.II(B)/B.I]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2

BOMBAY

PRESENT

SHRI S. B. PANSE

PRESIDING OFFICER

REFERENCE NO. CGIT—2/48 OF 1989
EMPLOYERS IN RELATION TO THE
MANAGEMENT OF D.R.M.,
CENTRAL RAILWAY, BOMBAY

AND

THEIR WORKMEN

APPEARANCES :

FOR THE EMPLOYERS : Mr. J. M. Mahajani
Advocate

FOR THE WORKMEN : Mr. P. C. Dharia,
Advocate

Bombay, dated 15th December, 1994

AWARD

Mrs. S. V. Ambekar was working with the Central Railway with effect from 4-4-1974. She was doing the Clerical job in the catering department under the Chief Catering Inspector, Pune.

2. The workman Ambekar contended that the Chief Catering Inspector Mr. Gandhi always troubled her. He transferred her to Bombay, but she made representations and got the transfer order cancelled. This aggrieved Mr. Gandhi. She was suspended on 13-8-86 without giving any explanation. Subsequently on her representation her suspension order was revoked. Thereafter, when she attended the duty she was not allotted any kind of work and she was made to sit idle.

3. The workman contended that on 17-10-86 a charge-sheet was given to her in respect of her alleged mis-behaviour and quarrel with the Chief Catering Inspector. She denied the charges. Thereafter a domestic enquiry was held against her in an improper way. The principles of natural justice were not followed. She was not supplied with the documents which she demanded for and the matter was heard ex parte. Later on June 26, 1987 her services were terminated.

4. Her appeal before the Competent Authority was rejected. Being aggrieved by the orders she approached the Assistant Labour Commissioner (Central) Pune. But there eventhough the Labour Commissioner asked them to produce the necessary documents they were not produced. The workman is without any job for last so many days even though she served with the Railways for the last 15 years with an unblemished record. She prayed that she may be re-instated in service with full back wages, continuity in service and other reliefs.

5. The dispute was sent by the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its letter No. L-41012/105/88-D.II(B) dated 19-7-89 to this Tribunal for adjudication. It is in the following terms :

"Whether the action of the Divl. Railway Manager, Bombay Division of Central Railway, Bombay V.T. in relation to its establishments of Chief Catering Inspector at Pune in taking the work of clerk from Smt. S. V. Ambekar designated as substitute cleaner from 1974 to 19-9-86 and also terminating her service w.e.f. 19-9-86 is justified ? If not, to what relief the work man is entitled ?"

6. The Railway Administration filed a written statement at Exh. 3 and denied its contentions. It is alleged that fair opportunity was given to the workman to proceed in departmental enquiry. Her request for the copies of the documents were complied with. It is denied that the principles of natural justice were not followed. It is asserted that the Enquiry Officer rightly came to the conclusion that the charges are proved and then awarded the punishment. Her appeal was also rejected.

7. The Employer stated that the question of re-instatement of Mrs. Ambekar does not arise. It is denied that her removal from service is bad in law.

8. My Learned Predecessor framed issues at Exh. 4 for determination. The issues and my findings thereon are as follows :

Issues

1. Whether the enquiry held against the employee lady was not held properly, and the rules of natural justice were not followed ?
2. Whether the action of the Area Superintendent, Pune (Rly.) in removing the said lady from service by its letter dated 26-6-87, is justified and proper ?
3. If not, to what relief she is entitled ?
4. What Award ?

Findings

- | | |
|--------------------------|--|
| The enquiry is proper. | |
| The action is Justified. | |
| Does not survive. | |
| As per order below | |

REASONS

9. The workman, in her statement of claim had stated that with effect from 4-4-74 she was working as clerk in the catering department under the Chief Catering Inspector, Pune. This statement itself is an incorrect one because from all documentary evidences and from her cross-examination it reveals that she was working as a sub-cleaner in the catering department at Pune. She had tried to assert in her evidence that she was given the job of clerical nature in that department. That might be true. In fact, it is in dispute also. But that does not mean that she was a clerk.

10. It is not in dispute that the workman was transferred from Pune to Bombay. She made a representation and got the transfer cancelled. According to her Mr. Gandhi, the Chief Catering Inspector, Pune was behind her transfer. She affirmed that the Chief Catering Inspector had a bad desire for her. She had narrated the incident which alleged to have taken place on the day of Assassination of Late Prime Minister Smt. Indira Gandhi in the catering department of railways. She had to rush from that place and inform the behaviour of the Inspector to her husband and then she went to the Police Station. Then the matter was settled.

11. Here the witness Rajarani Thakker supports her statements that on the day of the incident she came here and informed the incident to her husband and then they went in Rickshaw to the Police Station. Then Gandhi was called there. Mr. Jadhav made the enquiries with Shri Gandhi and ultimately tendered his apology. Ultimately on this tendering of apology the matter was decided to be settled.

12. Mr. Gandhi denied all these allegations. No documentary evidence is adduced on the record that the workman ever complained to the Police Station. Infact for deciding this reference I donot find any relevancy in respect of this incident. At the most, that incident will help the workman for coming to the conclusion that the testimony of Gandhi is not reliable and he is of a bias mind.

13. Admittedly, the workman was suspended (Exh. 3/4) by the management on 13-8-86. This suspension order was revoked on her representation on 5-9-86 (Exh. 7/5). It is affirmed by her that she approached and attended the Office, but she was not allowed to sign the muster roll. It is therefore she made a representation (Exh. 7/6) for alleging her to sign the muster roll. It appears from this that her demand was to place her at her original place i.e the Clerical section and ask her to do the clerical job of that section. But the management was not ready for doing so. She was given the job of cleaning utensils. It appears that she was not ready to do so-

14. It is not in dispute that the charge-sheet (Exh. 3/6A) was given to her. After perusal of the annexure to it, it can be seen that the charges which were levelled against her are clear in nature. She was given an opportunity to give her say to these charges. She had given a reply to these charges on 29-10-86. (Exh. 7/9) and she denied all the charges. As per her reply she was given the copies of the necessary documents and informed the date. She had also informed that she does not want to take the help of a Counsel permissible in the rules. Here one demand for giving the certified copy of the muster

roll abstract at that particular stage was rejected and she was given the opportunity to verify and have the extract from the same.

15. From the enquiry proceedings it reveals that on 3-2-87 she informed the enquiry officer that she may be informed the enquiry date and that she should be given the documents which have already been referred to above. Those documents were given to her and she was then informed the date of hearing. On 29-2-87 (page 32 of the enquiry proceeding) she reported that she was not given a copy of report of the C.C.I. on which the charges are based. She admitted that she received the statements of Kulthe, Pandey, Dussanc and Morgah. She also requested that she should be given a copy of it before seven days of the enquiry. Thereafter, she was given the certified copy of C.C.I. report and she was informed the date of hearing. Later on from the record it appears that she instead signed the copy of C.C.I. on which basis the charges were levelled. The Enquiry Officer declined to give it and ordered that the certified copy is given and directed her to take part in the departmental enquiry. But it appears that she declined to do so. The Enquiry Officer also informed that if she fails to attend the proceeding then it will be heard in her absence.

16. Thereafter, the Enquiry Officer recorded the statement of witnesses in detail in a question and answer form. The workman remained absent. After recording the statements, he sent his report finding the workman guilty of the charges levelled against her. The Disciplinary Authority accepted the report and proposed the sentence. The workman was given opportunity to prefer an appeal. She did not prefer the appeal. From all these proceedings it appears to me that there was no illegality in the procedure. The list of witnesses, the documents which the management wanted and relied were given to the workman and she was given an opportunity to cross-examine the witnesses and lead evidence but she did not do so, by remaining absent.

17. From the whole enquiry proceedings it appears to me that the workman was insisting upon the signed statement of C.C.I. on which the charge-sheet was prepared. This is without any basis. She could have taken part in the enquiry and could have brought to the notice of the Enquiry Officer that what is going on is perfectly illegal and bias. But as she had not taken part by sitting idle it cannot be said that the procedure adopted by the Enquiry Officer is illegal. For the reasons given above I find that it is perfectly legal and proper and the principles of natural justice were followed.

18. In the written arguments, it is tried to submit that the datewise enquiry proceedings are not pro-

duced but that is a simple irregularity, and all the papers are on record. The enquiry report is there and the Enquiry Officer has given his reasons for coming to the conclusion.

19. Now it is to be seen whether the findings of the Enquiry Officer are perverse. The Enquiry Officer had examined many witnesses in detail. He relied on their testimony and he had then come to the conclusion. As there is no cross-examination of these witnesses, I find that the conclusion which are drawn by him are perfectly legal and proper. Mrs. Ambekar the workman had deposed before this Tribunal and she tried to affirm that the findings of the Enquiry Officer are not correct. In her support Rajaram Thakkar had filed his affidavit.

20. Shri Gajul was the Chief Draughtsman in the railway department. He affirmed that he had never seen the workman doing the work. But he had seen the workman picking up quarrels with her superior. His evidence is recorded before the Enquiry Officer. But at that stage the workman had not taken the necessary steps to take part in the enquiry. His evidence has no relevancy in this reference as the enquiry was just and proper.

21. After going through the enquiry proceedings and the statements of different witnesses I do not find any perversity in the report of the Enquiry Officer. The charges which are proved against the workman are gross. They are shouting at the Superior, not doing the legitimate assigned work, irregular in attendance and using filthy language to the Superior. In the result the punishment which is awarded to the workman by the Disciplinary Authority and confirmed by the Appellate Authority cannot be said to be discriminatory to the charges proved. In the result, I record my findings on the points accordingly and pass the following order :

ORDER

1. The action of the Divl. Railway Manager, Bombay Division of Central Railway, Bombay V.T. in relation to its establishment of Chief Catering Inspector at Pune in taking the work of clerk from Smt. S. V. Ambekar designated as substitute cleaner from 1974 to 19-9-86 and also terminating her services w.e.f. 19-9-86 is justified.

2. No order as to costs.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई विल्ही, 12 जनवरी, 1995

कांपा० 308.—औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार द्वितीय रेलवे

मद्रास के प्रबन्धसंग्रह के संबंध मिशेजरों और उनके कर्मकारों के बीच, प्रबन्ध में निविल्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक प्रधिकरण, मद्रास के पंचपट को प्रकाशित थरती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-1-1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या पल- 41012/91/91-आई.आर. (डीप)/झ I]
पी.जे. माइकल, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 308.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Southern Railway, Madras and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-1-1995.

[No. L-41012/91/91.IR(DU)/B.I.]
P. G. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU, MADRAS

Monday, the 10th day of October, 1994

PRESENT :

THIRU K. PONNUSAMY, M.A.B.L.,
INDUSTRIAL TRIBUNAL
INDUSTRIAL DISPUTE NO. 18/1992

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Workman and the Management of Southern Railway Madras).

BETWEEN

Shri V. Albert,
C/o. Shri B. Bhakthavarsalu,
51, Muthamman Koil Street,
Madras—600 023.

AND

The General Manager,
Southern Railway,
Moore Market Complex,
Madras—600 003.

REFERENCE : Order No. L-41012/91/91-IR(DU), dated 21-2-92, Ministry of Labour, Govt. of India, New Delhi.

This dispute coming on Monday, the 26th day of September, 1994 for final hearing upon perusing the reference, claim and counter Statements and all other material papers on record and upon hearing the

arguments of Thiru M. Chandra Raj, Advocate appearing for the Workman and of Thiru R. Venugopal, Advocate appearing for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following :

AWARD

This reference has been made for adjudication of the following issue :

"Whether the Management of Southern Railway, is justified in terminating the services of Shri V. Albert, Electrical Fitter HS-I w.e.f. 31-12-1987 ? If not, what relief the workman concerned is entitled to ?"

2. This petition is filed under Clause of Section 1 and Sub-Section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 for declaring that the impugned orders of removal, are illegal and quash the same since the copy of the Enquiry proceedings were not furnished to the petitioner before passing the final order of removal from service by the disciplinary authority which is in violation of principles of natural justice and reinstatement of the petitioner in service, with back wages and other attendant benefits.

3. The case of the petitioner briefly stated is as follows :

The petitioner was employed as Electrical Fitter HS I Grade in Electrical Workshop, Perambur, under the control of Chief Electrical Workshop Engineer, Southern Railway, Perambur. He was removed from service with effect from 31-12-1987, on ex parte report submitted by the Enquiry authority, violating the Sub-Rule 19 of Rule 9 of the Railway Servants (Disciplinary and Appeal Rules, 1968) without giving opportunity of giving the statement of the defence in writings. The witnesses were examined and after closure of the deposition of prosecution witness, sub-Rule 21 further provides him to submit a defence statement, explaining the circumstances appearing in the evidence recorded at the enquiry. Without obtaining the defence statement from the petitioner in respect of each article of charge a report was submitted by the Enquiry Authority violating Rule 9(25) of DAR Rules, 1968. He preferred an appeal to the Disciplinary Authority and Appellate Authority and review appeal to the General Manager, S. Rly., Madras. The review authority in his letter No. PA 87/PER/12 dt. 3-1-90 directed the Chief Workshop Electrical Engineer, Perambur, to dispose the appeal according to Rules. When the papers remitted back to the Appellate Authority that Officer did not consider, whether the procedure followed by the Enquiry Authority was according to law, whether the non-compliance of various factors pointed out in the

appeals dated 30-6-88 and 14-12-88 had resulted in the failure of Justice and whether the findings of the Enquiry authority was warranted by evidence on record as such. The appellate authority has not considered about the sustainability of the enquiry report, whether the findings of the enquiry authority are not based on legal evidence and his conclusion was such, as could not be arrived at by a reasonable person on the basis of the Material and circumstances of the case, the appellate authority can set aside the findings as well as the punishment based on such findings. The appellate authority is extremely cryptic and is not a speaking order at all. It does not deal with points raised by the appellant as required under the rules. The clarification and advice given by the Chairman, Railway Rates Tribunal, Madras and the opinion of the law officer on the legal matters notified were not considered by the Appellate Authority and a reason for not considering the views, were not notified as in code rules. A perusal of the article of charge, imputations, and statement of misconduct reveal that the Departmental Proceedings were initiated on 12-06-1987 based on a written statement obtained on 03-09-1985, under inducement, threat and assault, due to enmity, contravening the provisions of Sec. 24 of the Evidence Act, 1872. The said statement obtained under force, was not even attested by any witness as required under Section 68 of the Evidence Act, 1872. Since there was no witness to the statement, it cannot be based as a document in the domestic enquiry as it could not be effectively cross-examined to speak to circumstances of preparation of such statement, or there was any duress or threat at the time of recording the statement. The opinion expressed by the Law Officer, Southern Railway, on the statement when referred by Appellate Authority was suppressed by that authority. He had obtained an Anticipatory Bail order from Madras High Court, in MP No. 728/86, to substantiate that the statement was obtained on 03-09-1985 under threat and duress and submitted to the disciplinary and Inquiry Authority. Since the Disciplinary Authority has not initiated the disciplinary proceedings, within 45 days of recording the statement, (*i.e.* 3-9-85) the order of nominating the Enquiry Authority at a distant date (*i.e.* 12-6-87) is not being according to limitation, prescribed under DAR Rules 1968 [Para 25 (2)(1)] invalid and as such it is liable to be declared as an illegal one and violation of DAR Rules 1968. The Report of the Enquiry Officer was not based on legal evidence, and his ex parte conclusion without obtaining the defence statement from the charged employee, could not be arrived at, by a reasonable person, on the basis of materials and

replies given to question No. 9, 13, 28, 33, 48, 50, 61 and 73. The Report of the Enquiry Officer cannot be called as the record of the Proceedings, as the defence statement of the employee Item (iii) and advice tendered by the Railway Rates Tribunal or Commission item (iv) were not included in the proceedings as required under Section 11(4) of DAR Rules, 1968. When the charged employee attended enquiry on all the dates, fixed on 12-06-1987, 06-07-1987 and 07-07-1987 and 24-08-1987 the final report of the Presenting Officer was not even made available to the petitioner nor was he given the reasonable and adequate opportunity to present his defence, in respect of the charge. When he was co-operating with the enquiry in attending various adjourned dates, closing the enquiry abruptly, without even calling for the defence statement and based on surmises, recorded a perverse finding and this omission on the part of the Enquiry Officer, has vitiated the enquiry proceedings. The orders of removal by the (DEE shops) who imposed a major penalty, is only a delegate of an appointing authority, by virtue of mere delegation of the power to appoint. He is not competent to initiate disciplinary proceedings or impose any penalty (CAT Hyderabad Bench—1988—6 ATC 675) and the impugned orders of removal are illegal. The review appeal submitted to the higher authority, was remitted back to the Appellate Authority (CEE shops) take into consideration “DENOVO” various factors pointed out with appeals dated 30-6-88 and 14-12-1988 and also the advice tendered by the Rly. Rates Tribunal, and Law Officer of Southern Railway, to verify whether the procedure laid down in the rules has been complied with, if not, whether such non-compliance has resulted in the violation of any provisions of the Constitution, or in the failure of justice. The order of appellate authority is extremely cryptic and is not a speaking order. It does not deal with the points raised by the petitioner the brief statement of reasons for non-acceptance of advice by the Commission and the Law Officer were not even supplied to him as required in Section 28 of DAR Rules, 1968. The Matter was taken up for conciliation with the RLC/MAS and his failure report sent to Central Government.

4. The defence of the respondent briefly stated is as follows :

The petition is liable to be dismissed with cost. The petition is not maintainable either in law or in fact. The petitioner was employed as an Electrical Fitter in Electrical Workshops/Perambur. The petitioner was issued with a charge sheet for a major penalty on 13-10-86 based on the report of the Special Police Establishment/Madras. The petitioner in connivance with Sri S. Sianesan, Dresser, Railway

Hospital, Perambur, received (1) Rs. 5,000/- from one Sri Ayappan to get a job of Attender to him; (2) Rs. 8,000/- from one Sri Rangaswamy to secure a job for his daughter; (3) Rs. 5,000/- from Sri Asaithambi to get a job for him; and (4) Rs. 1,500/- from Vasantha to get her a job and executed three stamped receipts for Rs. 5,000/- in favour of Sri Ayappan, Rs. 8,000/- in favour of Rangaswamy and Rs. 7,500/- in favour of Sri Asaithambi and Vasantha on 3-9-85 undertaking to repay the amount within one week if he could not secure the jobs. Based on a complaint, the Superintendent of Special Police Establishment, Madras investigated the case and submitted the report to the Chief Vigilance Officer, Madras. The above charges were enquired into by the Enquiry Officer/Madras. The petitioner was given all reasonable opportunities to defend his case and he was also assisted by a Defence helper. The petitioner has participated in the DAR enquiry with his defence helper. The charges were proved in the Enquiry. Accepting the finding of the Enquiry Officer, the Disciplinary Authority, who is also the appointing authority imposed on him a penalty of removal from service with effect from 31-12-1987 and the same was communicated to him *vide* penalty advice No. EPB/227/LW/132 dt. 31-12-87 duly enclosing a copy of the said DAR proceedings. He preferred an appeal against the penalty of removal from service and it was rejected by the Appellate Authority in a speaking order. The petitioner raised an Industrial Dispute under Section 2(A) of the I.D. Act before the Regional Labour Commissioner (Central), Madras. Based on the failure report, the Assistant Labour Commissioner (Central) Madras has referred to Industrial Tribunal, for adjudication. The Enquiry report was not an exparte one and the petitioner was given an opportunity to file a defence statement. Even after one month, the petitioner has not filed his defence statement and he was solely responsible for not sending it. Therefore, the report of the Enquiry Officer cannot be an exparte report. The provision of Rule 9(25) of DAR Rules has not been violated. The petitioner has submitted his revision petition to General Manager, after the appeal was disposed off by the Appellate Authority and the General Manager had directed the Appellate Authority to reconsider the appeal after granting him a personal hearing. Accordingly, the Appellate Authority had considered the appeal afresh and disposed it off after giving a personal hearing. The Divisional Electrical Engineer (Shops), Perambur, who is the appointing authority is competent to impose the penalty of removal on the applicant. The order of removal was imposed by the competent authority after following all the procedures and 164 GI/95—14.

giving a reasonable opportunity to the delinquent to defend his case. Therefore, the order of removal is final as the petitioner has violated the service conduct rules which will amount to unbecoming of a Railway Servant. The petition is mischievous and misconceived and devoid of merits.

5. The issue that arises for consideration in this dispute is :

"Whether the Management of Southern Railway is justified in terminating the services of Shri V. Albert, Electrical Fitter, HS-I w.e.f. 31-12-1987 ? If not, what relief the workmen concerned is entitled to ?

6. The issue :

The petition in connivance with Sivanesan, Dresser, Grade II, Railway Hospital, Perambur, received cash of Rs. 5,000/- to get the job of an attender in the Railways for Ayyappan, that he could not secure that job to Ayyappan for a period of about 8 months and undertook to repay the sum within a week and floated the promise to wind is borne out by Ex. M.1. The petitioner received cash of Rs. 8,000/- from Shakuntala and promising to get the clerical post in Railways for her, and he could not get it and as such when she demanded repayment of the amount, he promised to repay the same within a week is evidenced by Ex. M.2. He received a cash of Rs. 1,500/- to get an attender post in the Railways for Vasantha, but he could not get it and he promised to repay the sum within a week but he failed to do so, is established by Ex. M.3. Similarly, he received cash from some other persons promising to get job for them in railways. The original of Ex. M.1 to M.3 are in the hand writing of the petitioner and he wrote them without any duress-cum-threat coercion or intimidation by anybody. In Exs. M.1 to M.3 he has categorically admitted receipt of the cash from the aforesaid persons, and he neither got the job for the said persons nor returned the amount as promised by him. He duped and cheated the innocent and gullible persons. He was charged sheeted for an offence punishable under Rule 3(i)(i) and (iii) of Railway Servants (Conduct) Rules, 1966. He made an unlawful action and behaved in a manner unbecoming of a Government servant. He committed misconduct which deserves grave penalty. He was charge sheeted is borne out by Ex. W.2 for grave charge. He had no integrity. The charges were read over and transferred to him. He perused the documents and took extract of the same. The copy of the day today proceedings were given to him. He obtained anticipatory bail as disclosed by Ex. W.1. Bhakthavatchalam was his defence helper. His explanation was unsatisfactory. Krishnamurthy was appointed as Domestic enquiry officer. He was

given reasonable and full opportunity to defend charges levelled against him, to cross examine the witnesses examined on the side of the respondent and lead evidence on his side is borne out by Ex. W.3. The domestic enquiry was adjourned is made out by Ex. W.4. Penalty advice was issued to the petitioner is established by Ex. W.5. He was removed from service with effect from 31-12-1987. The Enquiry Officer after careful scrutiny of the evidence and consideration of the documents, came to the conclusion that the petitioner is guilty of the charges framed against him. He preferred an appeal to the Appellate Authority but it was dismissed. He was dismissed from service by the respondent is made out by Ex. W.6. Then, he preferred a revision against the order passed by the Appellate Authority, is substantiated by Ex. W.7. The appeal was remitted back for reconsideration after giving personal hearing to the petitioner. The revision petition was dismissed is borne out by Ex. W.9. The petitioner preferred a revision to the General Manager, Southern Railway, Madras. It was dismissed is substantiated by Ex. W.8. Dismissal of the petitioner is confirmed, is established by Ex. W.10. The punishment is proportionate since the charge proved against the petitioner is grave. After remand, the Appellate Authority after giving personal hearing to the petitioner, and after considering the evidence as well as the documents, he concurred with the findings of the Enquiry Officer and removed the petitioner from service.

7. Disciplinary Authority need not consult the Railway Rates Tribunal unless consultation is necessary. In the present case, there is no necessity for the Disciplinary Authority to consult Railway Rates Tribunal. It is not necessary to furnish a copy of the advice given by the Railway Rates Tribunal since it is neither obligatory nor mandatory is stated by Rule 3 of Railway Servants (Discipline and Appeal) Rules. If the Disciplinary Authority sought the advice of the Railway Rates Tribunal, he must give reasons for not accepting the advice of the Railway Rates Tribunal. Non-furnishing of the copy of the advice of the Railway Rates Tribunal and the copy of the order of the Disciplinary Authority does not arise since the Railway Rates Tribunal's advice was not sought and not obtained. A copy of the order of the Disciplinary Authority does not arise for consideration. The Disciplinary Authority has jurisdiction and is the competent person to remove the petitioner from service since the petitioner was under the control of the Disciplinary Authority. The Divisional Electrical Engineer (Shops), Peramamibur is the appointing authority and he is competent to impose the penalty of removal of the petitioner from service. The order of dismissal of the petitioner

from service is just, valid and proper. The order of dismissal does not suffer from any illegality or infirmity.

8. Jurisdiction of this Tribunal is limited. This Tribunal is not an Appellate Authority sitting over the finding of the Disciplinary Authority. This Tribunal has no jurisdiction to reappreciate the evidence. This Tribunal cannot disregard the finding of the Enquiry Officer. This Tribunal can disregard the finding of the Enquiry Officer if it is perverse. The Enquiry conducted by him is fair and proper. The finding of the Enquiry Officer does not suffer from any infirmity or illegality or mistake or error or defect. The domestic enquiry conducted by the Enquiry Officer is fair and proper. The Enquiry Officer followed the procedure prescribed by the Act. The procedure, provision of law, the principles of natural justice, equality and good conscience have been duly complied with by the Enquiry Officer in conducting the domestic enquiry. The finding of the Enquiry Officer is neither arbitrary nor biased. Reasonable and full opportunity was given to the petitioner to cross-examine the witnesses examined by the prosecuting agency and lead evidence on his side. The petitioner was assisted by his defence helper in the domestic enquiry. The punishment of removal of the petitioner from service is imposed by the Disciplinary Authority is proportionate to the gravity of the charge. It is not desirable to allow the petitioner to continue in service since he committed grave misconduct. There are no reasons for this Tribunal to interfere with the order of dismissal of the petitioner from service by the Disciplinary Authority. Interference with the order of dismissal of the petitioner from service by the Disciplinary Authority is not warranted. The provisions of Law and Railway Servants (Discipline and Appeal) Rules, 1968 is not violated. There is no violation of the rules and principles of natural justice. The charge levelled against the petitioner is properly proved by legal evidence. Prima facie case has been made out against the petitioner.

9. By taking the above said aspects into consideration, this Tribunal comes to the irresistible conclusion that the Management of Southern Railway is justified in terminating the services of Shri V. Albert, Electrical Fitter HS-1 w.e.f. 31-12-1987. The first part of the issue is found against the petitioner. The second part of the issue does not arise for consideration.

In the result, an award is passed that the Management of Southern Railway is justified in terminating the services of the petitioner with effect from 31-12-1987. No costs.

Dated, this the 10th day of October, 1994.

THIRU K. PONNUSAMY, Industrial Tribunal

WITNESSES EXAMINED

For Workman :

W.W.1 Thiru V. Albert (Petitioner-workman).

For Management : None

DOCUMENTS MARKED

For Workman :

- E.W-1/3-1986 Xerox copy of anticipatory bail obtained by the Petitioner-workman from 1st Additional Sessions Judge, Madras.
- W-2/3-10-86 Charge memo issued to Petitioner-workman (Xerox copy).
- W-3/7-10-87 Report of Enquiry Officer (Xerox copy).
- W-4/ Proceedings of the Enquiry Officer (Copy).
- W-5/31-12-87 Order of removal issued to the Petitioner-workman (Xerox copy).
- W-6/12-1-88 Appeal preferred by the Petitioner-workman against his order of removal (Xerox copy).
- W-7/27-4-88 Order of Appellate Authority (Xerox copy).
- W-8/30-6-88 Review appeal preferred by the Petitioner-workman against his order of removal (Xerox copy).
- W-9/3-1-90 Order of Chief Personnel Officer, Southern Railway, in the revision appeal (Xerox copy).
- W-10/21-9-90 Order of Appellate Authority confirming the order of removal from service of the Petitioner-workman (Xerox copy)

For Management :

- Ex M.1 Pronote for Rs. 5,000 in the name of WW.1 (Xerox copy).
- M-2 Pronote for Rs. 8,000 in the name of WW.1 (Xerox copy).
- M-3 Pronote for Rs. 7,500 in the name of WW.1 (Xerox copy).

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1995

कानूना० 309.—शैयोपिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की शाय 17 के अनुसरण से, केशीय सरलर नहाकोर्स शैयोपिक वाया०

देश के प्रबंधसंघ के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, भानुबध में नियिट शैयोपिक विवाद में केशीय सरकार शैयोपिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केशीय सरकार को 10-1-1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एस-12011/9 ८५-ग्राइंडर०(ब.बाई०)]

पौ. ज० भानुबध, उन्नी ईस्क भ्रष्टिकारी

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 309.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (4 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 10-1-1995.

[No. L-12011/91/89-IR (B-I)]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP).

Case Ref. No. CGIT/LC(R)(106)/1990

BETWEEN

Shri Jagdish Prasad Yadav, Ex-Peon C/o Shri U. S. Maiyya, Punjab National Bank, Nagpur Road, Madan Mahal, Jabalpur (MP).

AND

The President, Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank, 164, Savaji Ward, Civil Lines, Narsinghpur (MP)-487001.

PRESIDED IN :

By Shri Arvind Kumar Awasthy.

APPEARANCES :

For Workman—Workman himself.

For Management—Shri O. S. Raroria.

INDUSTRY : Banking DISTRICT Narsinghpur (MP).

AWARD

Dated, the 30th December, 1994

This is a reference made by the Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-12011/91/89-IR (Bank-I) dated 10-4-1990 for adjudication of the following industrial dispute :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank Narsinghpur in terminating the services of Shri Jagdish Prasad Yadav, Ex-Peon, w.e.f. 22-8-1989 is justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled to ?"

2. Both parties have filed their respective pleadings and certain documents and adduced evidence by way of affidavits. Case was at the stage of cross-examination of witness by the parties.

3. However, good sense prevailed in parties and the workman filed an affidavit along with an application dated 29-12-94 stating that—

"That the applicant had preferred an application on 21-10-94 to the Management named above that he is ready and willing to withdraw his case mentioned above which is at present pending with you provided the applicant is given fresh appointment to the post of Messenger/Sweeper in Mahakaushal Kshetriya Gramin Bank. The applicant does not wish to press his claim for back wages, seniority

and other whatsoever consequential benefits. The applicant is ready for regular fresh appointment and he is ready also for foregoing back wages, seniority claims and other consequential whatsoever benefits."

The management vide application dated 30-12-94 filed before the Court has agreed to offer regular fresh appointment to the Workman on the post of Messenger/Sweeper in the Bank on the terms and conditions mentioned above.

4. Workman has further prayed that an Award be passed in terms of compromise. Management has agreed to provide the employment to the workman from the date of acceptance of the settlement and the award. Settlement being just and proper is accepted and no dispute award is hereby passed. Parties to bear their own costs.

ARVIND KUMAR AWASTHY, Presiding Officer

मार्च दिसंबर, 12 पश्चदा, 1995

कांगड़ा। J10.—भौतिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसार म, कल्पात्र तरीके द्वारा म हिंदूपट मैनेजर, खजाना के प्रबन्धताल के संबंध नियांवाक और उनके कर्मानारों के बीच, अनुदाल म नांदेश भागांगक विवाद म कल्पात्र सरकार आधारागक आधारकरण, नं. 1, बम्बई के प्रबन्धक का प्रकाशित करता है, जो कल्पात्र सरकार के 12-1-1995 का प्राप्त हुआ था।

[संख्या एक-40012/143/91-प्राइवेट-रॉफी व्हायू] १०. उन्ना, डेस्क आधारकरण
कृष्णांगक उन्ना, डेस्क आधारकरण

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 310.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Telecom District Manager, Jalgaon and their workmen which was received by the Central Government on 12-1-1995.

[No. L-40012/143/91-IR (DU)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, BOMBAY

PRESENT :

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer.
Reference No. CGIT-61 of 1992

PARTIES :

Employers in relation to the management of Telecom District Manager, Jalgaon

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Shri N. V. Patil.
For the Workmen—Shri Chowdhari, Union representative.

INDUSTRY : Telecommunications STATE : Maharashtra
Bombay, the 22nd day of December, 1994

AWARD

Government of India, Ministry of Labour has by letter dated 4-8-1992 referred the dispute mentioned in the schedule below for adjudication to this Tribunal under Section 10(1)(d) read with sub-section 2-A of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the action of the Telecom District Manager, Jalgaon, in not regularising the services of Shri Vakilram Paltanram, Telephone Operator w.e.f.

1-2-85 is justified ? If not, what relief he is entitled to and from what date ?"

2. Statement of claim has been filed by Shri Vakilram Paltanram. Pursuant to the advertisement appearing in issue dated 28-9-1983 of 'Gavkari' a daily Shri Vakilram Paltanram applied for the post which posts were of Regular Telephone Operators and for Reserve Trained Pool (RTP), in the Telecom district of Maharashtra. It was stated in the advertisement that the requirement was of 68 Regular Telephone Operators and 35 Reserve Trained Pool (RTP), the Divisional Engineer selected 40 candidates for the post of Regular Telephone Operators and 25 for Reserve Trained Pool (RTP). These candidates were sent for training of three months with effect from 1-6-1984. The candidates were informed those selected for Reserve Trained Pool had no guarantee of their immediate absorption against regular posts of Telephone Operators and they would be called for duty as and when required by the department for a spell of three hours and will be paid at the rate of Rs. 2.75 per hour after completion of training of three months. 13 candidates were appointed as Telephone Operators vide letter No. E-7/2/27 dated 23-1-1985. It is stated that after going through the list of candidates who were appointed as Telephone Operators by this letter was confirmed that 12 candidates were belonging to the list of Regular Telephone Operators and one candidate belonged to the list of Reserve Trained Pool. A copy of this letter was forwarded by Divisional Engineer, Telephones, Jalgaon alongwith the list of Regular Telephone Operator to A.E. Phones, Jalgaon. The Divisional Engineer Telegraphs, Jalgaon forwarded a copy of another letter dated 12-6-1984, alongwith a list of Reserve Trained Pool to A.E. Phones, Jalgaon. The names of the candidates were selected for Regular Telephone Operators stood at Serial No. 1 to 10 and 12 to 13 whereas the candidates selected for Reserve Trained Pool (RTP) at Sl. No. 11 in the letter dated 23-1-1985. The Director of Telephone Department issued guidelines for absorption of candidates selected for Regular Telephone Operators and Reserve Trained pool in their circular dated 29-11-1980 and 30-10-1980. The letter dated 30-10-1980 mentioned clearly indicating that candidates in the reserve list after training would constitute a standing pool of trained reserve and they will be absorbed in regular vacancy in their turn after the candidates in the list were absorbed. The Regular Telephone Operators are entitled to increment, Earned Leave, Half Pay Leave, bonus, Overtime, Holidays, Restricted Holidays, HRA, Medical Reimbursement bills, Leave Travel Concession, Incentive for extra out-pur GPF, Seniority etc. whereas Reserve Trained Pool (RTP) was not entitled to the same. Applicant having stood at Sl. No. 21 of the Regular Telephone Operator list circulated by letter dated 12-6-1984 while Shri Abdul Rauf Sk. Ilahi Baxi stood at Sl. No. 23 of the Reserve Trained Pool circulated vide letter dated 12-6-1984.

3. It is contended that Shri Abdul Rauf Sk. Ilahi being a Reserve Trained Pool had no claim to get appointment as a Telephone Operator till all the candidates enlisted in the list of Regular Telephone Operators were absorbed. However, he was appointed by letter dated 23-11-1985 whereat 28 out of 40 candidates of Regular Telephone Operators list were still awaiting their appointment. The grievance is that this was not permissible and legal and has deprived the present workman Shri Vakilram Paltanram of his rights. He continued to work as a Reserve Trained Pool till he came to be appointed as a Regular Telephone Operator on 11-2-1988 at Osmanabad in Latur Division. The management acted upon the instructions of higher authorities and contrary to the provisions of the Constitution and the decision of the Central Administrative Tribunal confirmed by the Supreme Court. His grievance was not attended and therefore, he had to come for redressal of his grievance. It is mentioned that he belonged to Schedule Caste community. His prayer is for regularisation with effect from 1-2-1985 the date on which Shaikh Abdul Rauf was appointed and consequent benefits arising therefrom.

4. On behalf of the management written statement has been filed the first contention raised is that the present dispute does not come under the purview of Industrial Disputes Act, but has to be dealt with by the Central Administrative Tribunal. Workman is governed by, according to the management, CCS (CCA) Rules 1965; Fundamental Rules/Supplementary Rules and Revised Leave Rules. It

It is also held in spite of this contention the management is living in denial statement.

5. Another fact is that Shri Vakilram Paltanram was selected for appointment as Regular Telephone Operator as per Sl. No. 20 which was 10 percent of marks alongwith other candidates and it is stated that he was not selected as a Scheduled Caste candidate because Caste Certificate submitted by him was not as per prescribed proforma for Central Government Employees. Due to introduction of O.T.O.R. Scheme of upgradation of pay scales under matching saving scheme five percent overall post of T.O.s in the division were abolished before appointment. Only 13 posts remained for appointment of Regular Telephone Operators 13 posts consisted of 10 Senior most Open Category candidates in merit list, one Senior most candidate of Scheduled Caste quota, one Senior most candidate of Scheduled Tribe and one Ex-serviceman. These appointments were made according to the ratio given for appointment by the Department. Shri Abdul Rauf, senior Scheduled Caste candidate was selected in reserve quota. All remaining Open Category candidates from Sl. No. 11 to 35 Scheduled Caste, Scheduled Tribes, Ex-servicemen, Physically handicapped and R.T.P. Candidates were trained and engaged as R.T.P. T.O.s and were not kept idle. Shri Vakilram was also engaged as R.T.P.T.O. with effect from April 1980 till his regular appointment of T.O. with effect from 1-2-1988 in Latur Division. It is therefore, contended that he cannot make a grievance about it.

6. It is however admitted that 42 candidates were selected for Regular Telephone Operators and 22 for Reserve Trained Pool who were sent for training. It was assumed that they will be absorbed in future vacancies (only 13 candidates out of Open Category, Scheduled Caste category, Scheduled Tribe category and Ex-servicemen were appointed). Shri N. M. Amire and Shri Vakilram were selected against Open Category quota as they were in merit and Caste certificates produced were not in prescribed form. He could not be treated as Scheduled Caste candidate. It is further contend that the list circulated while E-7/2/51 and E-7/2/55 dated 12-6-1984 were not selected but list of the selected candidates diverted for training purposes to AT Phones Jalgaon. There was no difference between training for regular and Reserve Trained Pool Telephone Operators and the select list for both are prepared on 22-1-1985 and was based on percentages of marks. Shri Amire and Shri Vakilram stood in general quota for other Caste and having less marks was selected against reserve vacancy for Schedule Caste while N. K. Koh, Scheduled Tribe candidate and Shri V. G. Mokash as Ex-serviceman were appointed. The misunderstanding is caused because of his feeling that junior has been appointed but that has been done on the basis of the reserved category taking precedence over Open Category. Prayer, therefore made is that Shri Vakilram was not entitled to any relief.

7. Rejoinder has been filed to the written statement. There in it has been stated that the Bombay High Court has held that P&T is an industry within the meaning of Section 2(j) of the Industrial Disputes Act and therefore, he is entitled to invoke the jurisdiction under that Act and that remedy has to be exhausted before approaching Central Administrative Tribunal as held by the Central Administrative Tribunal in the case of Shri Ramswami Vs. Union of India 1991 17-10-21 (Madras) dated 8-2-1991. It is further stated that the applicant was selected for Regular Telephone Operator's as per Sl. No. 21 and not 20 and that he was selected as Scheduled Caste candidate as clearly marked against his name. The Caste Certificate produced was in prescribed form. There was no instruction to appoint only 13 candidates against vacancies after reduction of 5% posting remaining candidates were sent for training. The ratio is correctly worked out. Shri Abdul Rauf was selected as a Reserve Trained Pool candidate and therefore though he is a Scheduled Caste he had no claim to an appointment as a Regular Telephone Operator with effect from 1-2-1985. No instructions were received for appointment of candidates from Sl. No. 11 to 35 as Reserve Trained Pool. It is again reiterated that the order of appointment of Shri Abdul Rauf is not correct. Instance of P. K. Bodawale (now Mrs. P. S. Kochare) is cited. Contention is that he and Shri Ahire belonged to Scheduled Caste and had produced good proof in prescribed form. In support it is stated that until the list of Regular

Telephone Operators is exhausted the Reserve Trained Pool can not be appointed as Regular Telephone Operators. It is also contended that Shri Abdul Rauf had not submitted the Caste Certificate in the prescribed form.

8. The undisputed position is that an advertisement was published in the issue dated 28-9-1983 ('Gavkari'), a daily. It is also not disputed two separate letters were addressed by the Divisional Engineer, Telegraphs, Jalgaon Division produced at Annexure B and C dated 12th June 1984 were issued. By these two letters candidates were called for training for three months including one month's practical training. They were directed to report for that course commencing on 19-6-1984. It is mentioned in the letter Annexure B that in case of failure to attend by the due date candidate's name will be removed from the SELECT LIST. While in the letter Annexure 'C' it is mentioned that the candidate's name has been kept on the Reserve Trained Pool and there was no guarantee for his immediate absorption against regular post of Telephone Operator. It was, however, mentioned that he can be absorbed in future vacancies of Telephone Operators. It is also stated therein which is not to be found in Annexure 'B' that the candidate will be called for duty as and when required by the department for spell of three hours and will be paid at the rate of Rs. 2.75 per hour. The list with Annexure 'B' mentions at the top 'list of regular candidates' the list contains name of Shri Vakilram an employee about whom present dispute is referred for adjudication and list annexure with 'C' mentions the name of Shri Abdul Rauf about whose employment grievance has been made in the present reference. As against both it is mentioned 'Scheduled Caste'. At the top of list Annexure 'C' is mentioned "List of Reserve Trained Pool candidates".

9. The order dated 23-1-1985 under the signature of Divisional Engineer, Telegraph, Jalgaon Division, 13 persons are directed to report to duty as Telephone Operators and amongst them is mentioned the name of Abdul Rauf at Sl. No. 11. It has been mentioned that on their failure to report for duty as Telephone Operator on the stipulated date 1-2-1985 his/her name will be removed from the select list, Annexure 'D'.

10. Annexure 'E' is letter under signature of Divisional Engineer, Telegraph, Jalgaon Division and dated 6-4-1985. This mentions that it constitutes standing Reserve Pool Trained candidates (RTP) in the cadre of Telephone Operator mentioned in the enclosed list are directed to report to the Telephone Exchange mentioned against each for duty as short duty Telephone Operators for not less than three hours as and when required and will be paid at the rate of Rs. 2.75 per hour. The list mentions name of Shri Vakilram Paltanram. Subsequently by order dated 11th February, 1988, three persons are appointed as Telephone Operators and posted as such and amongst them is the name of Shri Vakilram.

11. Against this admitted and established background the grievance of Shri Vakilram is to be considered. His grievance is that he was selected as a regular candidate and Shri Abdul Rauf was selected as a Reserve Trained Pool candidate and he should have been appointed before Shri Abdul Rauf Reserve Trained Pool candidate. Since by order dated 23rd January, 1985, Shri Abdul Rauf came to be appointed and he was not the management acted unjustifiably and illegally. Subsequently on 6th April, 1985 treating him as a Reserve Trained Pool candidate he was directed to report to the exchange for duty as shift duty Telephone Operator. It is only in 1988 that he comes to be appointed as a Regular Telephone Operator. This he says is contrary to the guidelines which have been produced at Annexure 'G' they are dated 30th October, 1980. Recruitment procedure is sought to be streamlined and a scheme is formulated. Present arrangement prevailing is mentioned. At the time of each recruitment after the selection list is drawn up additional list of candidates known as Part B or Part II is prepared by each recruiting unit. Candidates in Part II list are called up against draw outs from the main list. They are imparted training only after they are brought on to the main list. As against that prevailing practice it was proposed that after the main list is drawn up a specific additional reserve list of candidates equal in number of 30 per cent of the number of candidates in the main list will be drawn up. The candidates in the reserve list also to be imparted training

like the candidates in the main list. The candidates in the reserve list after training will constitute a standing pool of Trained Reserve. They will be absorbed in regular vacancies in their turn after the candidates in the main list are absorbed. Till then they will be used as short duty staff against vacancies due to absentism or any other reason besides for peak hour traffic. It is also submitted that after the reserve list is drawn up the candidates in the reserve list will be informed that they have been brought on to reserve list and after training they will be called upon to function a short duty staff hourly rate of wages (Rs. 2 per hour) till such time they are absorbed in regular vacancies in due course. It was then stipulated that the main select list of candidates is to be drawn up as to include the required number of Scheduled Caste/Scheduled Tribe candidates recorded against Scheduled Caste/Scheduled Tribe points. Corresponding to the length of reserve list the number of reserve points of Scheduled Caste/Scheduled Tribe could be computed with reference to the roaster and accordingly the composition of the reserve list by Open Category/Scheduled Caste and Scheduled Tribe should be determined.

12. The grievance therefore, is that these guidelines have not been followed by the management in as much as when they prepared a list of regular candidates and when Shri Vakilram was a candidate on that list it was he who should have been appointed in preference to Shri Abdul Rauf who was not in the regular list but who was in the Reserve Trained Pool and the management's action in deferring Shri Vakilram's appointment till 1985 April and that too making his appointment as a Reserve Trained Pool candidate was thoroughly unjustified. His delayed appointment on 11th February, 1988 as a Regular Telephone Operator is consequently unjustified.

13. The justification that the management gives is that there is no separate training course for Regular Telephone Operator's and Reserve Trained Pool candidates. There was no separate select list as such and it is lastly contended that after the list was prepared that restriction on appointments was put and only 13 posts could be filled and they were filled in by 10 senior candidate from the open category, one senior most from the Scheduled Caste quota and one from Ex-servicemen. It is the contention of the management that Shri Abdul Rauf belonged to the Scheduled Caste and therefore came to be appointed and the turn of Shri Vakilram did not come because he was down below in the list.

14. Shri Vakilram's contention is that he belonged to the Scheduled Caste but the management contends that his certificate was not in order. Shri Vakilram still maintains that he had produced it which was in Hindi and which ought to have been accepted. But apart from that I find that the management has filed counter statement dated 15th October, 1992 wherein on page 8 under the head conclusion of the case after submission of rejoinder at Item No. 4 it is stated :

"though Caste Certificates submitted by Shri Vakilram and Shri Abdul Rauf were not in prescribed proforma they must have been selected as per directives of D.G.P. and T. New Delhi No. 60/49/82-SPB-I dated 10th January, 1973 and 201/70/SPB-I dated 9th November, 1977 "

Item No. 5:

"The department seem to have missed to get the Caste Certificates from both in a prescribed proforma which are demanded."

15. Therefore, if certificate of Shri Vakilram was not in order so was the certificate of Shri Abdul Rauf and then the question of not considering Shri Vakilram and taking up Shri Abdul Rauf could not be justified. It does appear from the documents produced that Shri Vakilram produced certificate showing that he belonged to Scheduled Caste. He was no doubt included in category having secured reasonably good percentage of marks but reliance upon a circular of 1989 in that behalf will not surely come to the help of management to contend that since he was included in the open category though he belonged to the Scheduled Caste was dropped and a candidate belonging to the Scheduled Caste but included in a Reserve Trained Pool candidate list could be taken up. I have already pointed out above guidelines of 1980 which directed that the regular list has to be exhausted first and then

the additional list in Part 'B' or Part II could be taken up for absorption.

16. The judgement of the Central Administrative Tribunal of Jabalpur Bench dated 16th December, 1980, deals with the cases of employees of regular trained post (RTP) in post offices who sought regularisation in the posts of Postal Assistants and wages and other facilities given to those postal assistants on the ground of similar work and similar pay. In a similar situation directions have been given to the Government for absorption of the petitioners against regular posts is directed. This was affirmed by the Supreme Court Annexure 'J'.

17. It has been contended that there has been a delay on the part of the petitioner in making a grievance, I do not think on that ground this Tribunal should decline to give relief if it is found that the grievance is genuine and the action of the management is unjustified. It appears that the pursuant to the advertisement in 1983 appointments were made in 1985 and Sh. Vakilram came to be appointed in a regular post in 1988. He belonged to Scheduled Caste, yet because of higher percentage of marks was taken in open category. Another Scheduled Caste candidate Suri Rauf Rauf securing lower percentage goes as Scheduled Caste in another post of Reserve Trained pool and comes to be appointed much before him. totally unjustified action. Suri Rauf Rauf was appointed no doubt in 1985. In reiterating the grievance was made and ultimately reference has come to be made. I am not inclined to accept the submission that he should be declined relief on the ground that there has been a delay.

18. One more contention that has been raised is that this tribunal has no jurisdiction to deal with the dispute, and it is within the purview of Central Administrative Tribunal. It has to be noted that it is a reference by an appropriate Government under section 10(1)(a) of the Industrial Disputes Act and it is concerning an industry carried on by or under the authority of the Central Government. Annexure 'N' is a relevant extract of the judgement in Writ Petition No. 1584/81, 3121/81, 3122/81 where the question passed was whether "the Postal and Telegraphs Department is an industry within the meaning of section 2(j) of the Industrial Disputes Act". It is observed that it was absolutely clear that the employees of the Telegraph Department were workmen within the meaning of Industrial Disputes Act and that the Telegraphic Department was an industry within the meaning of section 2(j) of the Act. Reliance has been placed upon the well known case of Bangalore Water Supply and Sewerage Board Vs. A. Rajappa and others, AIR 1978 Supreme Court 549. Decision of the Calcutta High Court in the case of Tapan Kumar Janna Vs. General Manager, Calcutta Telephone and others 1982 II LLN 334, both also made because it was held in that case that the services rendered by the Calcutta Telephones Public Utility Services and therefore, it was an industry within the meaning of section 2(j) of the Industrial Disputes Act. Remedy under the Industrial Disputes Act should be exhausted before dispute is brought in Central Administrative Tribunal. In my view there is not much substance in the contention that this has no jurisdiction to adjudicate upon this dispute.

19. I direct that Shri Vakilram's services be regularised with effect from 1st February, 1985 and shown to be senior to Shri Abdul Rauf and he should be paid salary and allowances, if not paid, so far on that basis.

Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

मई दिल्ली, विनांक 12 जनवरी 1995

का 0 आ 0 311.—ओपोरिंगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार जनरल मैनेजर, टेलीकॉम के प्रबन्धत्व के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओपोरिंगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओपोरिंगिक अधिकरण, नं. 1, बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-1-95 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एस-40012/248/91-आई आर(झी यू)]

के बी बी ऊनी डेस्क, अधिकारी

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 311.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of General Manager Telecom and their workmen, which was received by the Central Government on 12-1-1995.

[No. L-40012/248/91-IR(DU)]

K. V. B. UNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, BOMBAY

PRESENT:

Shr Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer.
REFERENCE NO. CGIT-10 OF 1993

PARTIES:

Employers in relation to the Management of General Manager, Telecom.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES:

For the Management : Shri Chalse, Advocate.
For the Workmen : Shri Anchan, Advocate.

INDUSTRY : Telecommunication STATE : Maharashtra
Bombay dt. 15th day of December, 1994

AWARD

Government of India Ministry of Labour has referred a dispute in the schedule below to this tribunal for adjudication under section 10(1)(d) with 2A of the Industrial Disputes Act, 1947.

THE SCHEDEULE

"Whether the action of the Management of Telecom District Kalyan in terminating the services of Shri R. P. Gund, casual labour with effect from 1-12-1985 is justified if not what relief he is entitled to?"

2. Statement of claim has been filed by president Bhartiya Dak Tar Mazdoor Manch, Bombay. It is stated therein that Shri Gund was appointed as a casual labour on 1-10-1985 by district Manager Telecom, District Kalyan. Since then he continuously worked without a break until his services were terminated with effect from 1-12-1985. That was without a notice and without assigning any reason. He was not paid retrenchment compensation. It is contended that termination of his services is illegal, invalid and not justified. He therefore raised a dispute before the Assistant Labour Commissioner Central Bombay, and since no settlement was arrived at failure report was made to the Government by Assistant Labour Commissioner. That has led to the present reference.

3. It is submitted that the workman had to put in more than 240 days attendance during the year preceding termination of his services. He was not given one month's notice, or wages in lieu thereof nor paid retrenchment compensation and therefore termination is illegal and invalid. It is thereafter stated that the department of Telcom was engaging large number of employees on casual basis. Union represented to the department for regularisation of their services to sort out the problems of casual labour committees were formed in the year 1990. On their recommendation most of the casual labourers were regularised. It is submitted by the Manch that the present workman Shri Gund was not aware of the appointment of the casual labour committees and therefore he did not make any representation in the beginning when he came to know about it he approached

the Telecom Office on 4-11-1990 when the staff was on strike. Since there was none to whom he could give his application. He approached the district Manager who advised him to give it at the dispatch counter. Since the clerk at the counter was on strike he refused to give any acknowledgement. The workman again approached the district Manager who asked him to leave the application in the despatch counter which the workman did and went home. That was the last date for making representation and therefore he had no alternative. When the report was published the workman's name did not appear in the list of the employees to be regularised. He, therefore, approached by application dt. 4-12-1991 for absorption, he was asked to submit proof of delivery of application dt. 4-11-1990. He explained the position by letter dt. 3-4-1991. Since the application dt. 4-11-1990 for regularisation was not forwarded by the department to the casual labour committees he was not regularised. Manch therefore prayed that the permission of services of Shri Gund be held unjustified and he be reinstated with full back wages and continuity of service.

4. Written statement has been filed on behalf of the telecom district Manager. Admitting that Shri Gund was engaged as a casual Labour on daily rates basis on 1-10-1984 it is submitted that he was one of the casual labour workers engaged for carrying out departmental expansion work at different sub divisions. The department found that the expansion needed more casual labour to carry out the work in the contracted period took a lenient view by engaging casual labour and paying them according to the rate fixed at that time. That was the practice then prevailing. More casual labour in excess of the quota sanctioned by the Government were engaged. After completion of the work the services of a casual labour automatically come to an end and the department was not bound to provide any further employment opportunities to them. Central Government later restricted further engagement of casual Mazdoor and directed they should be engaged only for specific job of urgent nature and not for usual type of work.

5. So far as workman Shri Gund is concerned it is admitted that he joined on 1-10-85 and continued till 15-12-85 because there was continuous work. Telephone department has been keeping a record on such casual mazdoors and maintaining a gradation list of such workers who have worked for maximum days during preceding 12 months. They are not provided any facilities and amenities that are provided to the regular employees of the department. It is further stated that department considered some of the casual mazdoor to be taken on permanent basis and accordingly casual mazdoor who had worked for the department for 240 days in a period of 12 calendar months was taken in the department as per the gradation list of the casual mazdoor. Union raised an issue and a committee was formed on 15-12-1990 for settlement of the issue and in view of the settlement reached at the casual labour committee meetings number of workmen were taken up on permanent basis in the department. The recommendations of the committee were observed by the department. This committee consisted of members of the management and also members of the Union. The decision that those casual Mazdoor who had worked in the department and had completed 240 days service in 12 calendar months were called upon to approach or represent to the department on or before 5-11-1990 for re-institute notification was issued inviting representation on 16-10-1990 number of applications were received and were reconstituted in service.

6. So far as the contention of the workman that he had presented on application on 4-11-1990 the management denies the same. He did not approach till 4-2-1991 inspite of adequate publicity given to the decision of the committee and inviting applications before 5-11-1990.

7. Shri Gund has filed an affidavit in support and on behalf of the Management assistant engineer Shri Dogre has filed one in support of the Management's case. Both of them have been cross-examined. Written argument has been advanced on behalf of the Management and oral submission made on behalf of the workmen.

8. Mr. Anchan on behalf of the workman submitted that he has admittedly worked for 240 days in a year preceding 15-12-1985 and in this there is an avertment in the affidavit filed by Mr. Gund and it has not been challenged in cross-

examination. It has been further stated that there is no contrary averment in the affidavit of Mr. Dogre. In the course of cross-examination he admitted that Shri Gund has completed 240 days during the year preceding 15-12-1985. It is therefore clear that this was a case of a workman who had completed 240 days in a year preceding the date of his termination. It is however the case of Management that the workman did not report for duty and there was no termination. He says his services were terminated without assigning reasons but about that the evidence given by him is in such a state that it is difficult to hold in his favour on that point. He denied the suggestion that his services were not terminated and that he himself did not report for duty with effect from 16-12-85. He admits that he did not complain to any officer when the person in charge of the muster refused to take him back in service, he does not remember the name of that person also. He does not know when he approached the muster incharge with this request to take him back but according to him it could be a month and half after 16-12-1985. Later on he was constrained to admit that till he made complaint in 1991 to the Government Labour Officer in writing he had not complained to any one in writing.

9. However it is an admitted position that cases of those who had completed 240 days were recommended by the committee for absorption. The reason for not considering the case of Shri Gund for absorption given is that he had not represented and therefore not considered. Time and again this has been stated by Mr. Dogre in the course of his cross-examination. As against that case of those who had completed 240 days prior to 15-12-1985 were considered and they were absorbed. Reason assigned is that he did not make an application before 5-11-1990 as was expected of him. The workman tried to make out a case that he had approached the Management on 4-11-1990. In the statement of claim an attempt has been made to contend that the workman was not aware of appointment of casual labour committee and therefore did not make any representation in the beginning and when he came to know of the same he approached the office on 4-11-1990 and on that day the staff being on strike his application was not accepted. Obviously this would go to show that his case was that he had approached the management before 5-11-1990. That has been denied and in the affidavit Mr. Dogre states that he did not approach the management before 4-2-1991. When questioned in cross-examination he had to admit that he was aware of the formation of the committee for consideration of the problem of casual employees and also aware that applications were invited from eligible casual labours by 5-11-1990. Thus his earlier case in the written statement that he was not aware is not substantiated by evidence on the contrary contradicted by his own evidence. Earlier in the cross-examination he had admitted that till he made complaint in February 1991 to the Government Labour Officer in writing he had not complained to anyone in writing after 16-12-1985. It is rather difficult therefore to accept his version that he had gone on 4-11-1990 to make the representation. He says his services were terminated without assignment to hold in his favour that he had made such an application before 5-11-1990.

10. The point is whether as a result of this he should be deprived of an opportunity to get back the job when decision taken was that those who had completed 240 days preceding the date of termination of their services should be absorbed and Shri Gund was eligible for absorption on that account. There is no magic in the date 5-11-1990. The decision of the committee and the notice that was displayed inviting application is unfortunately not produced. In his letter dt. 4th of November 1990 he had not made any reference of any notice or any decision of the committee. In his subsequent letter dt. 4th February 1991 he has made a reference to that notice. Therefore it appears that he has at any rate requested the Management to consider his case by letter of February 1991 and there should not have been any difficulty in absorbing him in regular employment. The Management's action therefore in not accepting his application dt. 4th February 1991 is in my opinion not proper and justified. As other workers who had to put in 240 days of work have been absorbed Shri Gund could have been also absorbed in that manner. I would therefore hold that the action in not absorbing him is not justified. He would be therefore entitled to absorption.

11. So far as the relief aspect is concerned I find that his own admission shows that he has been undertaking work on

contract basis from MSEB and the second division of Ulhasnagar is giving him this work on contract basis. That he has been doing for the last 3 to 4 years earning Rs. 700 to 800 per month. His appointment by telcom was on daily wages of Rs. 10 in 1984. Therefore in the circumstances I do not think he is entitled to any back wages for the period subsequent to his application for absorption in February 1990. For the prior period between 1985 and 1991 obviously he is not entitled to any back wages as admittedly he did nothing between 1985 and 1991.

12. Therefore he had completed 240 days of work in the preceding year and though no notice was given, nor retrenchment compensation paid it will not be a violation of Section 25F of the Industrial Disputes Act and on that ground he will not be held to be in continuous service holding termination illegal. I therefore find that he is entitled to regularisation and absorption but not to any back wages. Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1995

का.प्रा. 312.—ओदोयिक विचार प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की भारा 17 के मनुसंहित में, केन्द्रीय सरकार टेलीकॉम ट्रिब्यूनल बैनेजर, जलगांव के प्रबन्धतात्त्व के संबंध 'नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में तिरिया ओदोयिक विचार में केन्द्रीय सरकार ओदोयिक प्रधिकरण, सं. 1, बम्बई के पंचायत को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-1-1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-40012/226/91-पार्ट-पार्ट (धी. दू.)]
के व्यौद्धी. डॉ. उमा, ईस्ट फ्रिंज़िकारी

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 312.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Telcom Distt. Manager, Jalgaon and their workmen, which was received by the Central Government on 12-1-95.

[No. L-40012/226/91-IR (DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL NO. 1, BOMBAY

Present :

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer
Reference No. CGIT-72 of 1992

Parties :

Employers in relation to the management of
Telcom Distt. Manager, Jalgaon

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Management.—Shri Patil, Advocate.

For the Workmen.—Shri Chowdhary, Advocate.

INDUSTRY : Telecommunication STATE :

Maharashtra.

Bombay, dated the 26th day of December, 1994

AWARD

Government of India Ministry of Labour has by letter dt. 25-6-1992 made reference for adjudication of a dispute mentioned in the schedule below under Section 10(1)(d) read with 2A of the Industrial Disputes Act, 1947.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Telcom District Manager Jalgaon in terminating services of Shri Vinod Suryabhan Ingle is justified ? If not, what relief he is entitled to ?"

2. Statement of claim has been filed by the workman Shri Ingle.

3. He states that he was working as casual Labour during the period from August 1984 to February 1985 under respondent No. 3 that is SDOT Bhusaval he worked for a total period of 250 days between February 1985 and January 1986. He worked for 7 days in February 1986 his services were terminated orally with effect from March 1986.

4. There were 200 casual labourers working under SDOT Bhusaval. Out of them 83 casual labourers standing at Sr. No. 118 to 200 in the seniority list of casual labourers working in Bhusaval Sub-Division were orally terminated in phased manner during January 1986 to April 1986. All of them were served notice "intimation of no work" on 20-5-1986. Applicant was at Sr. No. 139 and Shri Abdul Khatik Aziz was at Sr. No. 140. He was however, given work in Jalgaon sub-division in September 1988, though he was junior to the applicant while applicant was kept idle. He also states that large number of junior casual labourers were provided work in September 1988 and the principle last come first to go or first come last to go was not observed.

5. In 1989 again 47 out of 83 casual labourers were sent to Solapur division by order dated 13-1-89, while diverting these 47 casual labourers norms were not followed and the test of senior most going there or junior most going there was not applied. At any rate applicant Sr. No. 139 was not sent to Solapur division while those at Sr. No. 119 and 197 namely Prakash Namdev Patil and Ashok Eknath Bhangle were diverted to Solapur Division.

6. His grievance is that he has worked for more than a year as on 31st January, 1986 and was covered by Section 25B of the Industrial Dispute Act. He, further states that "intimation of no work" due to shortage of store material having been served on the employees it was a case of lay off within the meaning of Sec. 2(kk) of the Industrial Disputes Act. However, these persons

who were served with intimation of notice and who were entitled to 50 per cent of the basic wages and dearness allowance for the period 1-3-1986 to 15-4-1986 under section 25(c) of the Industrial Disputes Act were not paid for the first 45 days of lay off period. Though permissible to retrench they were not retrenched nor paid retrenchment compensation after the expiry of 45 days of lay off period. It is submitted that though issue was taken up there was no result in spite of lapse of long time. It is further stated that he expressed his willingness to join duty but he was not absorbed. He has further relied upon circular dt. 7-6-1990, issued by the Chief General Manager Telecom Maharashtra Circle stating that the casual labourers who were engaged prior to 30-3-1985 and who could not complete 240 days before 30-3-1985 but could do so after 30-3-1985 during any 12 calendar months were eligible for grant of temporary status. It was further stated that he was covered by this category because he had completed 250 days in a year prior to 30-3-1985 and the period of absence which could be condoned being over years and in his case it was less than five years he should have been granted temporary status. In case of those whose period was of more than 8 years have been also granted temporary status.

7. It is further stated that by circular dated 7-2-1990 it was stated that though the casual labourers have absented for more than 6 months for their own reasons no notice was sent to them notifying that their unauthorised absence for more than 6 months has made them ineligible for any claim for the department recruiting them for further employment. This has resulted in Court Proceedings. A comprehensive statement was asked for on or before first of March 1990. In spite of this applicant's name was not included in such a comprehensive statement by Management Telcom District. Jalgaon.

8. HHs prayer is that since he was in service continuously for more than a year as on 1-3-1986 within the meaning of section 25B of the Industrial Disputes Act and since his services have been arbitrarily terminated with effect from 1-3-1986 and since provisions of Sections 25C and 25F of the I.D. Act have not been observed nor guidelines followed nor temporary status given with effect from 1-10-1989 he should be reinstated in service with effect from 1-3-1986 with full back wages and interest, should be given, all benefits and seniority granted temporary status with effect from 1-10-1989 and paid compensation of Rs. 5,000 for causing financial, physical and mental torture.

9. Management has filed written statement. The admitted fact is that Shri Ingle was engaged

as a casual labour by SDOT Bhusaval with effect from August 1984 and that he had completed 250 days during 12 calendar months from February 1985 to January 1986 Management denies that he has been retrenched. It is stated that he was diverted for Amalner Chopada line construction work under SDOT Jalgaon by SDOT Bhusaval vide letter dated 6-9-1988. He was one of the 22 casual labour so diverted. He joined work but worked for only 2 days and left without intimation. His whereabouts were not known till March 1991. He was not diverted to Solapur Division as he was provided work at Amalner Chopada line SDOT Jalgaon from where he was absconding it was presumed that he was not in need of work and willing to have a job and unwilling to go to Solapur a far away place. He did not approach for work he continued to remain absent from March 1986 to September 1988 and from September 1988 till March 1991 when for the first time he approached for a job.

10. It is stated that he was not on duty on 1-10-1989 and the break period was of more than five years and 2 months. He was never retrenched either orally or in writing and his allegation that he is discriminated and juniors preferred is false. It is stated that alongwith Abdul Khatik he was diverted to SDOT Bhusaval by letter dated 8th September, 1988. He was not sent to Solapur. It appears that he was not interested in continuing with the job.

11. He was casual workman and therefore Sc. 25C was not applicable. He was not retrenched and therefore Section 25F was not attracted.

12. It is further contended that he is not entitled to temporary status because that absence is for more than five years and not condoned. It is further stated that he is not entitled to any of the reliefs asked for.

13. Written submissions have been made on behalf of the workman and the Management. The reference is for adjudication of the dispute mentioned in the schedule and the same has been set out. What is to be examined is justification for the action of the Management in terminating the services of Shri Ingle. In case it is found to be unjustified then the question of relief to be given to him would arise.

14. Here in this case the workman's case is that he had put in more than 240 days of work in a calendar year preceding his termination in March 1986 has not been disputed. There is a specific admission to that effect in the written statement. The Management's case however is that he was not retrenched and therefore the question of following the provisions of Section 25 would not

arise. In fact the workman's contention also appears to be that he was not retrenched in 1986. That has been stated by him in para. 15 of the statement of claim. Termination therefore, assuming it is so, could not be said to be bad on account of not following the provisions of Section 25F of the Act.

15. The workman's case is that it was a case of lay off and provisions of Section 25C to have been followed. Reply on behalf of the Management is that Sc. 25C does not apply to the present case because he was a casual workman and cases of Badli workman and causal workman are excluded. That seems to be right on a plain reading of Section 25C. The question of therefore following the provisions of Section 25C by paying compensation and exercising the option of retrenching could not arise.

16. I therefore, do not find any merit in the contention that his services were terminated in the year 1986 and that too without a justification. It appears that there was no work which could be provided and some workman who were casual workman were relieved. When opportunity was available to provide them with work they were invited by letter dated 6-9-1988 and asked to join on Amalner Chopada line construction work. In fact that was not a part of the workman's case in the statement of claim and he all along contended that after March 1986 he was kept idle by the Management. Management however stated that he worked for only 2 days and thereafter disappeared and in support of that they have produced the muster roll with their written statement. That muster roll supports Management's case. He has been paid for 2 days work as evidenced by that statement. Question of diverting him to Solapur alongwith some others does not arise because there was work available on that line Amalner Chopada construction work. It appears that he has was not interested and the Management has stated that he was continuing his education and also doing photography business at Jalgaon and later having come to know about some circular issued wanted to take advantage of that.

17. The relevant circular on which reliance is placed is circular dated 7-2-1990 Annexure 'A' & it says that a scheme for conferring temporary status on casual mazdoors who were employed before 30-3-1985 and were currently employed and had rendered continuous service of atleast one year (240 days in 12 calendar months) was approved. It was decided to confer temporary status on all eligible casual mazdoors and the process should be completed within a month. The question was again considered and circular dated 7-6-1990 was issued Annexure 'A' (X) and it says that the eligibility conditions are only two (1) casual mazdoor should have been employed before 30-3-1985 and

(2) he should have worked continuously for 240 days during any 12 calendar months. It then says his period of the absence for the purpose of granting temporary status to the casual mazdoor can be condoned by the concerned TDE without any limit provided he has worked for 240 days continuously during any twelve calendar months. Later on 14-3-1990 another circular have been issued on the same subject and decision taken is CTDE/TDMS may condone absence for the period of five years for the purpose of granting temporary status and further relaxation be given in any case beyond that limit.

18. The Management's case is that though he had completed more than 240 days during twelve calendar months his absence was for more than five years and therefore he could not be granted temporary status as envisaged by circular dated 7th February, 1990, 7th June 1990. As against this the case of the workman is that he was in employment till March 1986 when intimation of no work was given and had completed more than 240 days and in 1990 when the circular was issued there was no break of more than five years. At the time of introduction of the scheme there was no time limit and also when another circular dated 7th June 1990 was issued there was no time limit for period of absence. In fact it was mentioned that period of absence for the granting of temporary status to the casual mazdoor could be condoned by the concerned TDE without any limit. On 14th March 1991 that period is sought to be restricted to five years' absence for condonation. That according to him could not have been done because by the time this circular of dated 14-3-1991 was issued he was already eligible for the grant of temporary status. In fact Annexure 'G' is produced as order dated 28th July 1990 by which temporary status has been conferred on casual mazdoors in accordance with the circular dated 7-6-1990. Many casual mazdoors have been conferred that status with effect from 1-10-1989. The names were approval on 23-7-1990 and 24-7-1990 by TDM Jalgaon. On 13-7-1990 four casual labourers were found eligible for temporary status on the basis of more than 240 days of work in twelve calendar months (Annexure 'D'). Annexure 'E' mentions names of ten casual labourers 2 of them are recommended by letter dated 7-8-1990 Annexure 'D'. Annexure 'G' dated 28-7-1990 contains names of several persons who are included in the seniority list of casual mazdoors in Bhusaval sub-division as on 7-5-1985. Therefore it appears that reliance upon subsequent circular dated 14-3-1991 to deny Shri Ingle confirmation of temporary status on the ground that it was a case of absence of more than five years and that could not be condoned would not be correct. As per the earlier guidelines issued he was eligible and even if it was a case of beyond five years—which it was not—it could have been condoned.

19. There is one more aspect which has to be noted. Management has contended in its written statement that in 1988 he was invited to join and he did join and worked for 2 days. If that is so then absence even in 1991 was not for a period of more than five years. Workman who was in the seniority list at Sr. No. 139 in Annexure 'A'(III) could have been given a temporary status when it was given to others in the list dated 28-7-1990 Annexure 'G' at any rate with effect from the date he made a representation in September 1991 in view of the guidelines issued on 7-2-1990. He is not entitled to reinstatement or back wages. All that he is entitled to in my opinion is absorption, and confirmation of temporary status with effect from the date he is absorbed.

Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

गई विनायक 1 : उत्तरी, 1995

का. आ. 513—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की पारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार द्वारा टैनीफोन को-ऑपरेटर कंटीन सोसाइटी लिमिटेड के बंधु नियोजकों और उनके नियोजन के बीच, भ्रष्टाचार में निषिद्ध ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार जीद्योगिक अधिकारण नं. 2, द्वारा उपलब्ध कराया गया है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-1-1995 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एस-40012/53/85—डी 11(शी)]
के. श. श. उत्तरी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th January, 1995

S.O. 313.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Bombay, as shown in the 'Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bombay Telephones Co-Op. Canteen Society Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 12-1-95.

[No. I-40012/53/85-D.II(B)]
E.V.B. UNNY, Desk Officer

**ANNEXURE
BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2
BOMBAY**

PRESENT :

SHRI S.B. PANSE, Presiding Officer.

REFERENCE NO. CGIT-2/12 OF 1987

Employers in relation to the management of
Bombay Telephones Co-Op. Canteen
Society Limited.
And

Their Workmen.

For the MNTL (Employer No. 1) : Ms. S.N..
Mhatre, Advocate.

For the Canteen Society (Employer No. 2) :
No Appearance.
For the Workmen : Shri S. Poojari Advocate.

Bombay, dated 21st December, 1994

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its Letter No. L-40012/50/85-D. II(B) dated 16-12-1986 referred to the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication. It is in the following terms :

"Whether the action of the Hon'ble Secretary Bombay Telephone Co-Op. Canteen Society Ltd., Parel Telephone Complex, Parel, Bombay in terminating the services of Shri Kusha N. Devadiga, Waiter with effect from 18-9-72 is justified ? If not, to what relief the said workman is entitled ?"

2. Shri Devadiga filed his statement of claim contending that M/s. Bombay Telephones Co-operative Canteen Society Limited is the employer. It caters to the needs of the employees employed in the Bombay Telephones (Now known as The Mahanagar Telephone Nigam Limited). The Employer has a number of canteens all over Bombay for the employees of the Bombay Telephones.

3. The workman worked with the employer for a period of 2 years as a Waiter and was drawing of Rs. 129.50 per month and in addition to, he was provided with free food. He along with the others enrolled as the member of the Union known as the Hotel Mazoor Sabha. In 1979 the workers of the Union started agitation for higher wages and other service conditions. The Employer in reference informed the workmen and others that they will be transferred to their branches at different places. In fact, when the employee was recruited, he was not given to understand the terms and nor an appointment letter was given to him informing him that he will get transferred to their branches at different places. Under this circumstances, the workman Under his circumstances, the workman refused to accept the transfer and insisted the employer that he should not be transferred as the proposed transfer is with a malafide and with ulterior motive. The employer got annoyed and terminated the services of the workman vide letter

dated 19-9-79. It did not comply with the various provisions of the Labour Laws. No departmental enquiry was held against the workman nor he was given any compensation.

4. The workman raised a demand for reinstatement under section 2(K) of the Industrial Disputes Act of 1947. That was referred to the 8th Labour Court, Bombay being referred No. 69 of 1980. Ultimately the Labour Court came to the conclusion that it has no jurisdiction to try it but the Central Industrial Tribunal has jurisdiction. Thereafter, again the workman sent a demand letter to the employer dated 4-1-85. But there was no response from the employer. Thereafter he again sought the help of the Assistant Labour Commissioner and ultimately he gave a negative report to the Government of India, which in turn had sent the following industrial dispute for adjudication.

5. The workman contended that the Bombay Telephone now known as the Mahanagar Telephone Nigam Limited was and is the employer. The department provided the society a premises to run the canteen and supplies free if charge furniture, electricity, water, water, utensils, uniforms etc. to the employees and also 70 per cent subsidy against the salary of the employees employed in the canteen society etc. Now the canteen where the workman was working was taken over by the Mahanagar Telephone Nigam Limited and now he is the over all incharge of the canteen.

6. The workman prayed for reinstatement in services with full back wages and continuity in service. He also claimed all the other reliefs.

7. The Bombay Telephones Co-operative Society canteen has filed its written statement at Exh. 3. It has also contended that the workman after his termination of services has not preferred appeal before the higher authorities for his alleged wrongful termination and had straightway approached to the Tribunal which is not permissible and as such the reference is to rejected as non maintainable. It is pleaded that the order of reference is stale and belated. Here it should not be entertained or allowed.

8. It is averred that in the year 1978, it used to run and maintained 14 canteens. It had then in its employment about 80 employees. At present the establishment is running and maintaining only one canteen at Chembur and has only six employees in its employment.

The said contract is tenable up to 30-4-87, and on the said date it will have to surrender the said premises to the department. It is therefore the society is not in a position to meet the demands raised by workmen due to the aforesaid facts and circumstances.

9. The society admits that by the order dtd. 1-9-79 it transferred 15 Canteen employees to the various canteens of the society in Bombay as per the exigency of work. The workman concerned was also transferred. He along with four others refused to accept the order of transfer served upon them by the Honorary Secretary. The order of transfer was sent through registered a.d. as well as under postal certificate. The envelope came back with the endorsement refused. The workman thereafter did not come to attend the duty neither at the original place of work nor at the place of transfer. The then joined Honorary Secretary by his order dtd. 18-9-79 terminated the services of the workman and other four employees as per the administration instruction manual of the department/Co-operative society canteen under the Central Government establishment. The workman was directed to collect the same. As the workman did not prefer the appeal the order becomes final. It is legal.

10. The society contended that the workman is not entitled to reinstatement because he refused to accept the transfer order and failed to report to his duty. The Canteen facility of the society is an essential service and the post could not be kept vacant indefinitely for not joining of the workman. Furthermore, the workman cannot be reinstated as there is no post where he can be accommodated in view of the fact that the management has now got only one canteen in its hand. It is averred that the workman is also not entitled to back wages because the financial position of the society is such that it will not be able to bear the burden of back wages for the period the said relief is claimed. Furthermore, the workman is solely responsible for the delay in raising the dispute and also for approaching the wrong forum. It is therefore submitted that no back wages can be granted to the workman in the present dispute. It is further pleaded that the society is run on no profit and no loss basis and if any such direction is given then the society will be out of business.

11. The Society contended that it may be permitted to adduce oral or documentary evidence in support of order dtd. 18-9-91 before the Honourable Tribunal.

12. In view of the orders passed by the High Court of Judicature at Bombay, the Mahanagar Telephone Nigam Limited filed its written statement at Exh. 11 after joining as a party. It is contended that there is no master and servant re-

lationship between the workman and it. It is asserted that this is not the authority appointed by the Disciplinary Authority of the canteen workers. It has no control over them. It adopted the written statement which was filed by the canteen society. It is submitted that Mahanagar Telephone Nigam Limited is not a party to this reference and therefore no order can be passed against it.

13. My Learned Predecessor framed issues for determination at Exh. 9. The issues and my findings thereon are as follows :

Issues	Findings
1. Whether the present reference is not tenable and is bad in law ?	It is not tenable
2. Whether the claim of the workman is stale?	NO
2A. Whether no relationship of servant and master exists between the Mahanagar Telephone Nigam Limited and the workman in question?	It exists
3. Whether the action of the Bombay Telephone Co-operative Canteen Society Limited, Parel Telephone Complex, Parel Bombay in terminating the services of Shri Kusha N. Devadiga Walter w.e.f. 18-9-72 is justified?	Not justified,
4. If not, to what relief the said Workman is entitled ?	He is entitled to reinstatement with full back wages and continuity in service.
5. What Award ?	As per order below.

REASONS

14. It is not in dispute that the workman was in the service with the Canteen Society for a period of 2 years as a Waiter. It is also not in dispute that he was transferred to another branch at Bombay along with the other Canteen workmen. He therefore did not join the duties there. It is also not in dispute that the management thereafter terminated the services of the workman on 19-9-72

(order annexure 3). It is not the case of the management that while terminating the services of the workman, a departmental enquiry was held against him and he was found guilty. As his services were terminated without any notice he approached the Assistant Labour Commissioner for settlement, who in turn gave a negatible report to the Government of India and this reference was made to this Tribunal for adjudication. As the workman was terminated without following the principles of law, the reference is made which is just and proper. Nothing is brought to my notice how the reference can be said to be not tenable and bad in law.

15. Admittedly, the workman Devadiga was directed to approach the said authority the said Labour Court and there a contention was taken by the management that the state is not the competent authority. The matter was then moved upto the High Court and there it was found that the Central Government is the proper forum. Then the workman approached the Assistant Labour Commissioner for his conclusion and on his negative report the reference is made. It can be seen that the demand of the workman was rejected. It is not that he was sitting idle and then after a larse of some years had moved the Labour Commissioner and then to the Tribunal. I do not find the claim to be a stale one.

16. The workman and his witness affirmed that they work in the Canteen for about two years. They became the member of the Hotel Mazdoor Sangh. They started an agitation for getting higher salaries and other benefits. They were told by the management that because of that they will be transferred to some other places and accordingly they were transferred. They declined to join the places of duty and were terminated from the services. They have affirmed that no departmental enquiry was held against them at the time of termination. It is tried to suggest that they did not accept the transfer order nor did they join the original place of duty or the place where they were transferred. That does not mean that the departmental enquiry was not to be held against them. Not holding the departmental enquiry and terminating the services of the workman is not known to law. The action of the management is definitely illegal, improper and uncalled for.

17. It is not in dispute that not the Bombay telephones has been taken over by the Mahanagar Telephone Nigam Limited and running them departmentally. It grants 70% of the wages bill etc. to the subsidies the departmental canteen provides them with the cost of premises, fuel water utensils, furnitures and fixtures and other things for the canteen. Section 18(3) (C) of the Industrial Disputes Act refers to;

"Where the party referred in class (a) or clause (b) is the employer, his heirs,

successors are in respect of the establishment to which the dispute relates".

Here in this case the Mahanagar Telephone Nigam Limited is the successor in respect of the establishment relating to which the dispute arose. It can be seen that in another reference Mahanagar Telephone Nigam Limited had taken the stand that it should not be made party to the reference which was rejected by the Tribunal. The matter was taken up to the High Court wherein the order of the Tribunal was confirmed. The Mahanagar Telephone Nigam Limited had taken over the Canteens from the society and started running them departmentally. The result is that all the assets and liabilities are taken over by the Mahanagar Telephone Nigam Limited as the particular employee and successor incharge section 18(3) of the Industrial Disputes Act. Naturally they are the party to implement the award.

18. It is tried to argue that the workman without preferring an appeal and filing a writ petition had directly raised the reference which is bad in law. In Markandey Singh I.P.S. and others v/s. M. L. Bhanot I.P.S. and others, 1988 Supreme Court case page 21 it is observed by their Lordships that failure to prefer an appeal under Rule 16 or apply for review under Rule 24 is no bar to the submission of the memorials to the President. It can be further seen that nothing is brought before me to show how the reference is bad in law as the workman had not filed an appeal or refused the same after his termination.

19. The workman had deposed that he is not employed anywhere at present. There is no evidence to show on behalf of the management that after his termination he is employed or earning something. Therefore it has to be held that he is not earning anything.

20. Admittedly, the management of the Canteen at the Cooperage Telephone Exchange is taken over by the Mahanagar Telephone Nigam Limited. The Canteen is presently managed by the departmental canteen committee consisting of a Chairman and a Secretary. Both these positions are held by the Officers of the Mahanagar Telephone Nigam Limited and as is clear from the name of the committee itself that the canteen is managed departmentally by a committee itself constituted by the Mahanagar Telephone Nigam Limited. There is nothing on the record to show that the Cooperage Telephone Exchange departmental canteen committee is a separate legal entity. As rightly contended on behalf of the workman the committee is constituted by the Mahanagar Telephone Nigam Limited to manage the canteen and the committee is managing the canteen as an agent of the Mahanagar Telephone Nigam Limited which is not the employer of the workman employed in the canteen in question. The Mahanagar Telephone Nigam

limited therefore is a necessary party to the reference and would be bound by this award.

21. For all these reasons I record my findings on the issues accordingly and pass the following order :

ORDER

1. The action of the Bombay Telephones Co-operative Society Limited, Parcel Telephone Complex, Parel in terminating the services of Shri Kusha N. Devadiga Waiter with effect from 18-9-72 is not justified.
2. The Mahanagar Telephone Nigam Limited is directed to re-instate the workman with full back wages for the entire period of his involuntary employment i.e. 18-9-72 till his reinstatement in service.
3. The Mahanagar Telephone Nigam Limited is directed to pay Rs. 300 as the cost of this reference and bear its own.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1995

का. आ. 314 :—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान ही जाने पर कि लोकद्वित में ऐसा करना अपेक्षित है, और्ध्वांगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ग) की उपधारा (vi) के अनुसार में भारत सरकार के थाम मंत्रालय की तारीख 26 जुलाई, 1994 को प्रधिसूचना मध्या 2003 के तहत दिल्ली द्रव्य योजना के अधीन दुग्ध आपूर्ति उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोगनार्थ 29 जुलाई, 1994 से छह माह की कालावधि के लिए लोकोपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की यह है कि लोकहित में उक्त अधिकारी और छह माह के लिए बड़ा अपेक्षित है,

अतः अब, और्ध्वांगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ग) की उपधारा (vi) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोगनार्थ 29 जनवरी, 1995 से छह माह की कालावधि के लिए लोकोपयोगी सेवा घोषित करनी है।

[मंद्या एम 11017/14/81-डॉ-1(ग)]
एम. पा. पराशर, अवार मंत्रिव

New Delhi, the 13th January, 1995

S.O. 314.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 2003 dated 26th July, 1994 the industry for the supply of milk under the Delhi Milk Scheme to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 29th July, 1994;

And, whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension

of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred of the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for further period of six months from the 29th January, 1995.

[No. S-11017/14/81-D.I(A)]
S. S. PRASHER, Under Secy.

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1995

का. आ. 315 :—भारत का राजपत्र भाग-II खण्ड 3, उपखण्ड (i) दिनांक 19 फरवरी, 1994 के पृष्ठ 535 पर प्रकाशित भारत सरकार के थाम मंत्रालय की प्रधिसूचना का.आ. 517 दिनांक 20-1-94 के अन्तिम एक्ट में कालम हांगली के नामे “बंगारपेट” के स्थान पर “रोबर्टसन पेट” पढ़ा जाए।

[मंद्या एम 38013/1/94 एम.पा. 1]
जे.पी. शुक्ला, अवार मंत्रिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 16th January, 1995

S.O. 315.—In the Ministry of Labour notification No. S.O. 517 dated the 20th January, 1994 published at page 535 of the Gazette of India, Part II, Section (3). Sub-Section (ii) dated the 19th February, 1994 in the last line below column Hobli for ‘Bangarpet’ read “Robertsonpet”.

[No. S-38013/1/94-SS.I]
J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1995

का. आ. 316 :—कर्मचारी गश्य बोमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) धारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग धरते हुए केन्द्रीय सरकार एम.पा.यू.एस.डी.ए. 1-2-1995 को उस तारीख के स्थान में नियन करनी है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 धारा 44 और 45 के शिवाय जो पढ़ने ही प्रवृत्त की जा चुकी है और अध्याय 5 और 6 [धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के मिलाय जो पढ़ने ही प्रवृत्त की जुकी है] के उपरन्त आवश्यक प्रबोधन राज्य के निम्ननियन्त्रित धोका में प्रवृत्त होने, प्रत्यक्ष—

जिला कृष्णा के पैनामानूर भंडन में गाजल्ला ग्राम डाडोगाड़ागा के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।

[मंद्या एम 38013/5/95 एम.पा. 1]
जे.पी. शुक्ला, अवार मंत्रिव

New Delhi, the 16th January, 1995

S.O. 316.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees'

State Insurance Act 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st February 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh namely:—

“Areas falling within the limits of Tadigadapa revenue Village of Penamalur Mandal in Krishna District.”

[No. S-38013|5|95-SS.I]
J. P. SHUKLA, Under Secy.

गई दिल्ली, 16 जनवरी, 1995

का. आ. 317 :—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा—1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केंद्रीय सरकार एवं द्वारा 1-2-1995 की उम्मीद के स्पष्ट में नियम करनी है, जिसकी उक्त अधिनियम के प्रधाय—4 धारा—44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और प्रधाय—5 और 6) धारा—76 की उपधारा (1) और धारा—77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपर्युक्त तमिनाहू राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“जिला चेन्नायहू एवं जी भार के तालुक सैदामेट में राजस्थ ग्राम आयानामबक्कम के अन्तर्गत आनि थाने क्षेत्र”।

[संख्या : एग—38013/4/95—एग एम—1]
जे. पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 16th January, 1995

S.O. 317.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st January, 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V

New Delhi, the 16th January 1995
S.O. 318.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st February, 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Assam namely :

Name of Centre	Name of Revenue Village
BOTH sides of National Highway No. 52 from Tezpur town to Kaliabhomora Bridge	Gulong Dolabari No. 1 Dolabari No. 2 Chataichapari Gatanga Khadal National Highway 52

and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Tamil Nadu namely:—

“Areas comprising the revenue village of Ayanambakkam in Saidapet Taluk of Changal MGR District”.

[No. S-38013|4|95-SS.I]
J. P. SHUKLA, Under Secy.

गई दिल्ली, 16 जनवरी, 1995

का. आ. 318 :—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा—1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केंद्रीय सरकार एवं द्वारा 1-2-1995 को उम्मीद के स्पष्ट में नियम करनी है, जिसको उक्त अधिनियम के प्रधाय—4 धारा—44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और प्रधाय—5 और 6) धारा—76 की उपधारा (1) और धारा—77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपर्युक्त तमिनाहू राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

क्षेत्र का नाम	राजस्व ग्राम का नाम	माउज़ा एवं तालुक	जिला

तेजपुर शहर के बाहरी क्षेत्र

तेजपुर शहर से कालियामोरा पुल तक नैशतल के दोनों तरफ	गटलीग ओलबाड़ी संख्या-1 ओलबाड़ी संख्या-2 चटाईचपारी गटांगा कहदल नैशतल हाईवे संख्या—52	भाईगबपद भाईगबपद भाईगबपद महाभाईब होणवर	मोनितपुर मोनितपुर सानितपुर मोनितपुर मोनितपुर
--	---	---	--

[संख्या : एग—38013/6/95-एग एम—1]
जे. पी. शुक्ला, अवर सचिव

Mouza & Taluk	District
Bhurabpad	Sonitpur
Bhairabpad	Sonitpur
Bhairabpad	Sonitpur
Mahabhairab	Sonitpur
Haleswar	Sonitpur

[No. S-38013/6/95-SS.I]
J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1995

का. शा 319.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा—1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करने हुए, केंद्रीय सरकार एवं द्वारा 1-2-1995 को उस तारीख के रूप में नियम करनी है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय—4 धारा—44 और 45 के मिलाय जो पहले ही प्रवृत्त नी जा चुकी है (और अध्याय—5 और 6) (धारा—76 की उपधारा (1) और धारा—77, 78, 79 और 81 के मिलाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपर्युक्त असम राज्य के निम्नलिखित छेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

छेत्र का नाम	राजस्व ग्राम का नाम	माउज़ा एवं तालुक	जिला

निनमुक्तिया के बाहरी छेत्र

1. बरगुरी मंड्या-1 बालुपाड़ा रंगागोर

निनमुक्तिया

New Delhi, the 16th January, 1995

S.O. 319.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st February, 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Assam namely :—

Name of Centre	Name of Revenue Village	Mouza & Taluk	District
Suburbs of Tinsukia namely,			
1. Barguri	No. 1 Balupara Gaon	Rangagora	Tinsukia
2. Laipuli	Okonimuria Kachari Gaon	Bogaung	Tinsukia
	Dimaruguri Gaon	Gharband	Tinsukia
Suburbs of Mabum namely,			
3. Barhapjan	No. 1 Chotahapjan Gaon Barekuri Gaon/Gangabari, Barhapjan	Hapjan Hapjan	Tinsukia Tinsukia

[No. S-38013/3/95-SS.I]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जनवरी 1995

का. शा 320.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा—1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करने हुए, केंद्रीय सरकार एवं द्वारा 1-2-1995 को उस तारीख के रूप में नियम करनी है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय—4 धारा—44 और 45 के मिलाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय—5 और 6) धारा—76 की उपधारा (1) और धारा—77, 78, 79 और 81 के मिलाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपर्युक्त असम राज्य के निम्नलिखित छेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

“जिला गण्डिचम गाँवारी के कोतुर मंडल में राजस्व ग्राम ऊमेल के अन्तर्गत आने वाले छेत्र”।

[संख्या : पंग—38013/10/95—पंगपंग—1]

जे. पी. शुक्ला, अध्यक्ष सचिव

New Delhi, the 18th January, 1995

S.O. —In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st January,

1	2	3	4
2 लाईपुरी	ओकोनीमुरी या बोगांग कचरी गांव त्रैमा- बःषंक्षा रुगुरी गांव	बोगांग कचरी गांव त्रैमा- बःषंक्षा रुगुरी गांव	निनमुक्तिया

माकूम के बाहरी छेत्र

3 बरहपजन	मंड्या-1 छोटा- हपजन हपजन गांव बरेकुरी हपजन गांव/गंगा- वाडी बहरपजन	हपजन हपजन गांव बरेकुरी हपजन गांव/गंगा- वाडी बहरपजन	निनमुक्तिया निनमुक्तिया
----------	--	---	----------------------------

[संख्या : पंग—38013/3/95—पंगपंग—1]

जे. पी. शुक्ला, अध्यक्ष सचिव

1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh namely:—

“Areas falling within the limits of revenue village of Dommeru in Kovvur Mandal in West Godavari District.”

[No. S-38013/10/95-SS.I]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1995

का. शा 321.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा—1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करने हुए, केंद्रीय सरकार एवं द्वारा 1-2-1995 को उस तारीख के रूप में नियम करनी है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय—1 धारा—44 और 45 के मिलाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय—5 और 6) धारा—76 की उपधारा (1) और धारा—77, 78, 79 आ.

81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपरबन्ध आनंदा प्रदेश राज्य के निम्नलिखित थोक में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

“जिवा अनन्दापुर के हिन्दुपुर मण्डल के राजस्व ग्राम थमुकुन्टा के अन्तर्गत आनंद आनंद थोक”।

[मंड्या एस-38013/7/95-एसएस-1]
जे. पी. शुक्ला, अध्यक्ष सचिव

New Delhi, the 18th January, 1995

S.O. 321.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employes' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st February, 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh namely :—

“Areas falling within the limits of Thumukunta revenue Village of Hindupur Mandal in Ananthapur District.”

[No. S-38013/7/95-SS.I]
J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1995

का०आ० 322.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन्डव्हिडग 1-2-1995 को उम नारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय-5 और 6 धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपरबन्ध आनंदा प्रदेश राज्य के निम्नलिखित थोक में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

“जिला मेडक के सदासिवपेट मण्डल में राजस्व ग्राम अकनपल्ली, सुरारम, मेदीकुन्टा, थंडापल्ली, मेलगिरीपेट, अस्सर कोडापुर, चन्दपुर, बेकटपुर, इनकेपल्ली, निजामपुर, वेनटूर, रेगिनथल, कम्बलपल्ली, सिद्धापुर, नन्दीकन्दी और पेडापुर के अन्तर्गत आनंद आनंद थोक”।

[मंड्या एस-38013/11/95-एसएस-1]
जे.पी. शुक्ला, अध्यक्ष सचिव

New Delhi, the 18th January, 1995

S.O. 322.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employes' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st February, 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh namely :—

“Areas falling within the limits of revenue Villages of Pedatadepalli, Kadakatla, Yagarlapalli in Tadepalligudem mandal and Badampudi in Ungutur mandal of West Godavari District.”

[No. S-38013/11/95-SS.I]
J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1995

का०आ० 323.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन्डव्हिडग 1-2-1995 को उम नारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय-5 और 6 धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपरबन्ध आनंदा प्रदेश राज्य के निम्नलिखित थोक में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

“जिला मेडक के सदासिवपेट मण्डल में राजस्व ग्राम अकनपल्ली, सुरारम, मेदीकुन्टा, थंडापल्ली, मेलगिरीपेट, अस्सर कोडापुर, चन्दपुर, बेकटपुर, इनकेपल्ली, निजामपुर, वेनटूर, रेगिनथल, कम्बलपल्ली, सिद्धापुर, नन्दीकन्दी और पेडापुर के अन्तर्गत आनंद आनंद थोक”।

[मंड्या : एस-38013/8/95-एसएस-1]
जे.पी. शुक्ला, अध्यक्ष सचिव

New Delhi, the 18th January, 1995

S.O. 323.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employes' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st February, 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (Except Sub-section (1) of Section 76 and Section 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh namely :—

“Areas falling within the revenue Villages of Ankanapally, Surarum, Meddikunta, Thangedapally, Melgiripet, Aroor, Kondapur, Chandapur, Venkatapur, Enkepally, Nizampur, Veltoor, Reginthal, Kambalpalli, Siddapur, Nandikandi and Peddapur in Sadasivapet Mandal of Medak District.”

[No. S-38013/8/95-SS.II]
J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1995

का०आ० 324.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन्डव्हिडग 1-2-1995 को उम नारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 धारा-44 और

45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय-5 और 6 धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध ग्रान्था प्रवेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होगे, अर्थात्:—

“जिला चिन्हूर के रेनीगुन्टा मण्डल में राजस्व ग्राम करकमबाड़ी के ग्रन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

[मंज्ञा:एस-38013/9/95-एसएस-1]

जे.पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 18th January, 1995

S.O. 324.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st February, 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh namely :—

“Areas falling within the revenue village of Karakambadi in Renigunta Mandal of Chittoor District.”

[No. S-38013/9/95-SS.I]
J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1995

का.पा. 325.—कर्मचारी गज्ज बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त गतिविधि का प्रयोग

करने हुए, केन्द्रीय सरकार एनद्वारा 1-2-1995 को उमा तारीके के लिये में तियत करती है, अस्को उक्त अधिनियम के अध्याय-4 धारा-41 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय-5 और 6 धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध पोंडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होगे, अर्थात्:—

“पोंडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र की यमन नगर पालिका सीमा के ग्रन्तर्गत आने वाले क्षेत्रों में”।

[मंज्ञा:एस-38013/12/95-एसएस-1]

जे.पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 18th January, 1995

S.O. 325.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st February, 1995 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the Union Territory of Pondicherry namely :—

“The areas falling within the limits of Yanam Municipality in Union Territory of Pondicherry.”

[No. S-38013/12/95-SS.I]
J. P. SHUKLA, Under Secy.

